हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

www.ksnewsupdates.com

धनबाद, बुधवार 09 जुलाई, 2025, वर्ष : 34, अंक : 104, मूल्य : 3 रूपए

धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंत्री हफीजुल हसन के स्वास्थ्य की ली जानकारी

रांची(ईएमएस)।मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन ने गुड़गांव स्थित मेगांता हॉस्पिटल पहुंचकर राज्य के मंत्री हफीजुल हसन के स्वास्थ्य की जानकारी ली।मंत्री हफीजुल हसन की पिछले दिनों गुड़गांव स्थित मेदांता अस्पताल में हार्ट सर्जरी हुई थी। सीएम ने सोशल मीडिया पोस्ट में इसकी तस्वीर भी शेयर की है।अपने पोस्ट में सीएम ने लिखा है कि आज अस्पताल में साथ मंत्री हफीजुल हसन से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य का हाल जाना। मरांग बुरु आपको शीघ्र स्वस्थ करें, यही कामना करता हूं।

राहुल गांधी की छवि धूमिल करने वाले के खिलाफ एफआईआर

रांची(ईएमएस)।झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस लीगल सेल ने राहुल गांधी की छवि धूमिल करने वाले के खिलाफ साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस की सदस्य शिल्पी कुमारी ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की छवि को गलत तरीके से धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है।झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस लीगल सेल के प्रदेश अध्यक्ष अमृत सिंह ने कहा कि राहुल गांधी से विरोधी डरते हैं, इसलिए उनकी छवि को गलत तरीके से धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है।बिहार प्रदेश महिला कांग्रेस के एक कार्यक्रम में राहुल गांधी की तस्वीर को छेड़छाड़ कर सेनिटरी पैड के अंदर डालकर प्रसारित करने के अपराध पर यह कार्रवाई की गई है।

प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन जेजेएमपी के पूर्व एरिया कमांडर सहित दो उग्रवादी हथियारों के साथ गिरफ्तार

गुमला(ईएमएस)।गुमला जिला पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन जे जे.जे.एम.पी. के पूर्व एरिया कमांडर सहित दो उग्रवादी को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक हारीश बिन ज़मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि डुमरी थाना क्षेत्र के तांती जंगल में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन जेजेपीएम का पूर्व एरिया कमांडर प्रवीण एक्का अपने दस्ते के साथ मौजूद है और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है।जिसके बाद सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चैनपुर ललित मीणा के नेतृत्व में छापामारी दल गठित किया गया। उन्होंने बताया कि छापामारी दल जैसे ही तांती गांव के जंगल में पहुंचा, कुछ संदिग्ध लोग भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर दो लोगों को पकड़ा। जिसके बाद उनकी तलाशी ली गई जिसमें एक पिस्टल, एक सिक्सर, एक मैगजीन, पांच जिंदा गोली और दो मोबाइल बरामद किया गया।

राज्यपाल से मिले पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा और पूर्व विधायक लंबोदर महतो

रांची(ईएमएस)।पूर्व सीएम मधु कोड़ा और पूर्व विधायक लंबोदर महतो ने मंगलवार को राजभवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात की।राज्यपाल से मुलाकात के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने हो भाषा को अधिकारिक मान्यता देने की मांग की।उन्होंने कहा कि झारखंड के कई जिलों में हो भाषा का व्यापक रूप से उपयोग होता है और लगभग 12 लाख लोग इसे मातृभाषा के रूप में बोलते हैं।इधर गोमिया के पूर्व विधायक लंबोदर महतो ने राज्यपाल से धनबाद स्थित लॉ कॉलेज का नाम बिनोद बिहारी महतो के नाम पर रखने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह कॉलेज 1971 से संचालित है और इसे खुद बिनोद बिहारी महतो ने स्थापित किया था। कॉलेज को बीसीआइ और विश्वविद्यालय से स्थायी स्वीकृति प्राप्त है।

कैबिनेट की बैठक 11 को, लिये जाएंगे कई अहम फैसले

रांची(ईएमएस)।मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक 11 जुलाई को होगी। बैठक प्रोजेक्ट भवन में दोपहर दो बजे से शुरू होगी। यह जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग ने दी। जानकारी के अनुसार, बैठक में कृषि, आपदा प्रबंधन, पथ विभाग के कई प्रस्तावों को मंजूरी मिल सकती है।

देवघर व सुल्तानगंज के लिए चलेंगी श्रावणी स्पेशल ट्रेन

रांची : रांची, बड़काकाना व कोडरमा के कांवरियों के लिए राहत भरी खबर है. देवघर व भागलपुर के लिए श्रावणी स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी स्वीकृति दे दी है. रांची-देवघर श्रावणी स्पट्रेन ट्रेन संख्या 08646 (रविवार, मंगलवार, गुरुवार) को रांची से रात 11:00 बजे प्रस्थान करेगी और बरकाकाना, हजारीबाग टाउन, कोडरमा, नवादा होते हुए अगले दिन दोपहर 12:05 बजे देवघर पहुंचेगी. वापसी में ट्रेन संख्या 08645 (सोमवार, बुधवार, शुक्रवार) भागलपुर से दोपहर 1:10 बजे प्रस्थान करेगी और कोडरमा, हजारीबाग टाउन, बरकाकाना होते हुए अगले दिन रांची पहुंचेगी. भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने कहा कि ये विशेष ट्रेनें सावन महीने के लिए अस्थायी रूप से स्वीकृत की गई हैं. हजारीबाग, रांची, बड़काकाना और कोडरमा क्षेत्र के कांवरियों को बाबा बैद्यनाथ धाम व सुल्तानगंज दर्शन के लिए बड़ी सुविधा मिलेगी.

राज्य सरकार की खर्च करने की रफ्तार धीमी, 3 महीने में महज 13.72% ही खर्च समीक्षा बैठक स्थगित

रांची : झारखंड सरकार की खर्च करने की रफ्तार धीमी है. चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में पहले तीन महीने में महज 13.72% ही खर्च हो सके हैं. राज्य सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष के लिए 91,741.52 करोड़ रुपये की योजना बनाई है, लेकिन पहले तीन महीने में केवल 12,585.30 करोड़ रुपये ही खर्च किए गए हैं. मंगलवार को वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने इस मसले पर विभागीय सचिवों के साथ समीक्षा बैठक बुलाई थी, लेकिन अपरिहार्य कारणों से इसे स्थगित कर दिया गया. स्थापना मद में भी खर्च कम है. 53,658.47 करोड़ रुपये के बजट के विरुद्ध केवल 8,603.50 करोड़ रुपये यानी 16.03% ही खर्च हुए हैं. कृषि विभाग सबसे पीछे है. जून तक इस विभाग ने एक भी पैसा खर्च नहीं किया है. इसी तरह पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में केवल 0.15%, पंचायती राज विभाग में शून्य और जल संसाधन विभाग में 14.58% खर्च हुए हैं.

आज भारत बंद, 25 करोड़ कर्मचारी जाएंगे हड़ताल पर

बैंक-डाकघर में काम बंद रहेगा, परिवहन सेवाएं ठप होने से भी आने-जाने में परेशानी

नई दिल्ली(ईएमएस)। बैंक, बीमा, डाक, कोयला खनन, हाईवे, निर्माण, और कई राज्यों में सरकारी परिवहन जैसी अहम सेवाएं बुधवार को प्रभावित हो सकती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि 25 करोड़ से ज्यादा कर्मचारी देशव्यापी हड़ताल यानी भारत बंद पर जाने वाले हैं। 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और उनके सहयोगी संगठनों ने हड़ताल बुलाई है। इस बंद का मकसद केंद्र सरकार की उन नीतियों का विरोध करना है, जिन्हें यूनियनें मजदूर-विरोधी, किसान-विरोधी और कॉरपोरेट समर्थक मानती हैं। इस हड़ताल में 25 करोड़ से ज्यादा कर्मचारी हिस्सा लेने वाले हैं। इसमें बैंक, डाक, कोयला खनन, बीमा, परिवहन, फैक्ट्रियां और निर्माण जैसे कई सेक्टरों के कर्मचारी शामिल हैं। इसके अलावा, किसान और ग्रामीण मजदूर भी इस विरोध में शामिल होंगे। ये हड़ताल देशभर में होगी। रेलवे और टूरिज्म जैसे कुछ जरूरी सेक्टरों को इस हड़ताल से बाहर रखा गया है।

सरकार की नीतियों के खिलाफ

ट्रेड यूनियनों का कहना है कि सरकार की नीतियां मजदूरों और किसानों के खिलाफ हैं। उनका आरोप है कि सरकार कॉरपोरेट्स को फायदा पहुंचाने के लिए पब्लिक सेक्टर की कंपनियों का निजीकरण कर रही है, मजदूरों के हक छीन रही है, और चार नए लेबर कोड्स के जरिए मजदूरों के हड़ताल करने और सामूहिक सौदेबाजी जैसे अधिकारों को कमजोर कर रही है।

कई सेवाएं होंगी प्रभावित

इस हड़ताल से कई जरूरी सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। खास तौर पर सरकारी और कोऑपरेटिव बैंक बंद रह सकते हैं या सेवाएं सीमित हो सकती हैं। डाक सेवाओं के कामकाज ठप हो सकता है, जिससे डाक डिलीवरी में देरी हो सकती है। सरकारी बसें और स्टेट ट्रांसपोर्ट सेवाएं रुक सकती हैं, जिससे परेशानी होगी। कोयला खनन और औद्योगिक इकाइयों में काम रुक सकता है। एलआईसी और दूसरी बीमा कंपनियों के दफ्तरों में कामकाज प्रभावित होगा। इस हड़ताल को संयुक्त किसान मोर्चा और कृषि मजदूरों के संगठनों का भी समर्थन मिला है। वे ग्रामीण इलाकों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन, रैलियां और सभाएं आयोजित करेंगे। इसके अलावा कुछ विपक्षी पार्टियां भी इस हड़ताल का समर्थन कर रही हैं।

हड़ताल पूरी तरह शांतिपूर्ण होगी

ट्रेड यूनियनों ने पहले भी ऐसी देशव्यापी हड़तालें की हैं। नवंबर 2020, मार्च 2022 और फरवरी 2024 में भी इसी तरह की हड़तालें हुई थीं, जिनमें लाखों कर्मचारियों और किसानों ने हिस्सा लिया था। यूनियनों का कहना है कि ये हड़ताल शांतिपूर्ण होगी और इसका मकसद सरकार का ध्यान मजदूरों-किसानों की समस्याओं की ओर खींचना है। हालांकि, इतने बड़े पैमाने की हड़ताल से कुछ जगहों पर तनाव या असुविधा की स्थिति बन सकती है।

'खरगे ने राष्ट्रपति मुर्मू के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का किया इस्तेमाल', भाजपा की मांग- माफी मांगें

नई दिल्ली : भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। भाजपा ने कहा कि यह कांग्रेस के आदिवासी विरोधी चेहरे को दिखाता है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि 'उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का भी अपमान किया। सभी मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस पार्टी की निंदा कर रहा है। आप राष्ट्रपति को बिना किसी सम्मान के 'मुर्मा जी' कहकर संबोधित करते हैं और फिर अंत में उन्हें भूमाफिया बताते हैं। पूरा देश जानता है कि अगर देश में कोई भूमाफिया है तो वह फर्जी गांधी परिवार है।'

'राहुल गांधी के इशारे पर दे रहे आदिवासी विरोधी बयान'

गौरव भाटिया ने कहा कि 'मल्लिकार्जुन खरगे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी को मुर्मा जी बुलाते हैं और पूर्व राष्ट्रपति जी राम नाथ कोविंद जी को 'कोविड' बुलाते हैं। खरगे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भू-माफिया बताते हैं, कहते हैं, ये हमारी जमीन और जंगल छीनने के लिए राष्ट्रपति बनी हैं। राहुल गांधी के इशारे पर रिमोट कंट्रोल वाले अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे आदिवासी विरोधी, दलित विरोधी, महिला विरोधी और संविधान विरोधी बयान दे रहे हैं।'

खरगे से माफी की मांग

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि 'उदित राज कहते हैं कि किसी देश को द्रौपदी मुर्मू जैसी राष्ट्रपति नहीं मिलनी चाहिए। अधीर रंजन चौधरी राष्ट्रपति को राष्ट्रपत्नि कहकर संबोधित करते हैं। यह एक आदिवासी महिला के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी है। कांग्रेस नेताओं को लगता है कि सिर्फ फर्जी गांधी परिवार के सदस्य ही देश में संवैधानिक पदों पर बैठ सकते हैं।

बाबा बैद्यनाथ धाम में वीआईपी एंट्री पर रोक

सभी को लाइन में लगकर ही करना होगा जलापर्ण

रांची : झारखंड के पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की है. उन्होंने कहा कि श्रावणी मेले में किसी को विशेष सुविधा नहीं दी जाएगी. सभी श्रद्धालुओं को लाइन में लगकर ही जलापर्ण करना होगा.

शीघ्र दर्शनम कूपन पर भी रोक

रविवार और सोमवार को "शीघ्र दर्शनम" कूपन पर भी रोक रहेगी. श्रावण के रविवार और सोमवार को बाबाधाम में लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है, इसलिए कोई भी विशेष सुविधा आम भक्तों के लिए असुविधा का कारण बन सकती है. पर्यटन मंत्री ने बताया कि सुल्तानगंज से जल लेकर आने वाले कांवरियों को बेहतर सुविधा और सुरक्षा मिले, यही सरकार की प्राथमिकता है. तैयारियों का लगभग 90 से 95 फीसदी काम पूरा हो चुका है. जगह-जगह शिविर, स्वास्थ्य केंद्र और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था होगी. सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जा रही है.

झारखंड में बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त, 12 जिलों में बाढ़ की आशंका

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे लोगों से सतर्क रहने की अपील की

सिंहभूम,(ईएमएस)। झारखंड में लगातार बारिश से लोगों को गर्मी से राहत तो मिल गई, लेकिन बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। राज्य में बारिश से कई सड़कों पर जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है। वहीं, नदियां उफान पर है जिससे बाढ़ का खतरा बना हुआ है। मौसम विभाग ने 12 जिलों में अचानक बाढ़ की आशंका जताई है। इसके चलते मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे राज्य के लिए भारी बताए हैं। मौसम विभाग ने गढ़वा, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, खूंटी और पश्चिमी सिंहभूम में भारी बारिश होने की संभावना जताई है। इन क्षेत्रों में 7 से 11 सेंटीमीटर तक बारिश हो सकती है। साथ ही 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और वज्रपात भी हो सकता है। पिछले 24 घंटे में राज्य में सबसे ज्यादा बारिश सरायकेला में 73 मिमी रिकॉर्ड की गई। राज्य के अन्य हिस्सों जैसे बन्दगांव में 60.8 पालकोट में 56.8, फतेहपुर में 55, खरसावां में 52.6, बहरागोड़ा में 44.6, धालभूमगढ़ में 42.4, घोड़ाबांदा में 39.4, चाईबासा में 39, रनिया में 34.6, चैनपुर में 33 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। वहीं, रांची और आसपास के इलाकों में बीते रविवार से बारिश लगातार जारी है। बीते रविवार को रांची में अधिकतम तापमान 27.7, जमशेदपुर में 31.5, डालटेनगंज में 32.8, बोकारो में 31.1 ओर चाईबासा में तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था।

देवघर श्रावणी मेला में 161 डॉक्टर व 41 एंबुलेंस की होगी तैनाती : इरफान अंसारी

देवघर(ईएमएस)। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने मंगलवार को देवघर सर्किट हाउस में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर श्रावणी मेले की तैयारियों की समीक्षा की।मेले में श्रद्धालुओं को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 161 डॉक्टर व 41 एंबुलेंस की तैनाती होगी।बाइक दस्ता भी मुस्तैद रहेगा। बैठक के बास पत्रकारों से बातचीत में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर स्वास्थ्य, खाद्य व आपदा विभाग के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई है। श्रावणी मेले में श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा दी जाए, इस पर गंभीर चर्चा की गई।उन्होंने कहा कि मेला के दौरान किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।पूरे मेला क्षेत्र के लिए 161 डॉक्टर की नियुक्ति, 41 एंबुलेंस, बाइक एंबुलेंस, 300 अलग-अलग प्रकार की मेडिसिन, जांच की व्यवस्था के साथ-साथ 41 कैंप बनाए गए हैं। जहां जरूरत पड़ने पर श्रद्धालुओं को तुरंत चिकित्सा मुहैया कराई जाएगी।होटल व दुकानों में मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचने वालों पर खाद्य विभाग की टीम कड़ी कार्रवाई करेगी। बिहार के पूर्णिया में पांच आदिवासियों को जिंदा जला देने की निंदा करते हुए इरफान अंसारी ने कहा कि बिहार सरकार व वहां के सीएम नीतीश कुमार निकम्मा हो गए हैं।

दुनिया की सबसे बड़ी टेरर फंडिंग निगरानी संस्था एफएटीएफ ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया

पुलवामा के लिए ऑनलाइन खरीदा गया विस्फोटक गोरखपुर में आतंकी को ऑनलाइन मुहैया कराए गए थे पैसे

नई दिल्ली : दुनिया की सबसे बड़ी टेरर फंडिंग निगरानी संस्था एफएटीएफ ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उसने कहा है कि आतंकवादी अब ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन पेमेंट सर्विसेस का इस्तेमाल फंड जुटाने, हथियार खरीदने और हमलों के लिए कर रहे हैं। भारत में हुए पुलवामा और गोरखनाथ मंदिर मामलों को उदाहरण के तौर पर रिपोर्ट में शामिल किया गया है। एफएटीएफ ने कहा कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन भुगतान सेवाओं का दुरुपयोग आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए किया जा रहा है।

पुलवामा आतंकी हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान मारे गए थे। एफएटीएफ ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि फरवरी 2019 में जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर हुए हमले में इस्तेमाल हुआ एल्यूमिनियम पाउडर ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म एमेजन से खरीदा गया था। इस पाउडर का इस्तेमाल आईडी की ताकत बढ़ाने में किया गया। यह आतंकियों द्वारा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल का एक उदाहरण है।

ऑनलाइन ट्रांजैक्शन और वीपीएन से की फंडिंग

गोरखनाथ मंदिर में अप्रैल 2022 में हुए हमले का हवाला देते हुए एफएटीएफ ने बताया कि आरोपी ने आईएसआईएस के लिए पे-पाल के जरिए करीब 6.69 लाख की अंतरराष्ट्रीय फंडिंग की। इस दौरान आरोपी ने वीपीएन का इस्तेमाल कर अपनी लोकेशन छिपाई। उसे विदेशी खातों से भी पैसा मिला था और उसने आईएसआईएस समर्थकों को फंड भेजा।

पुलवामा के लिए अमेजन से मंगाया गया विस्फोटक

एफएटीएफ ने अपनी रिपोर्ट में पुलवामा आतंकी हमले को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उसने बताया कि 2019 में हुए इस आत्मघाती हमले में उपयोग हुआ एल्यूमिनियम पाउडर ई-कॉमर्स साइट अमेजन से खरीदा गया था। इससे आइईडी बम की ताकत बढ़ाई गई। रिपोर्ट के मुताबिक, इस हमले के पीछे आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का हाथ था और हमले के लिए जरूरी सामग्री ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स से खरीदी गई थी।

फर्जी अकाउंट और नकली नाम से हो रहा भुगतान

इसके साथ ही एफएटीएफ ने बताया कि ऑनलाइन पेमेंट प्लेटफॉर्म पर किए गए लेनदेन में ट्रैकिंग मुश्किल हो जाती है क्योंकि इनमें अक्सर नकली नाम, फर्जी अकाउंट और पर्सन टू पर्सन ट्रांसफर शामिल होते हैं। इससे जांच एजेंसियों को फंड के स्त्रोत और लाभार्थी को ट्रेस करना बेहद कठिन हो जाता है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कुछ देश सरकारें आतंकवादी संगठनों को फाइनेंशियल, लॉजिस्टिक और ट्रेनिंग के रूप में मदद देती रही हैं। भारत ने पहले ही पाकिस्तान पर इस तरह के आरोप लगाए हैं। भारत का कहना है कि पाकिस्तान आतंकियों को पनाह देने और उन्हें हथियार मुहैया कराने में शामिल है।

एफएटीएफ ने कहा है कि पिछले 10 वर्षों में फिनटेक कंपनियों द्वारा ऑनलाइन पेमेंट सर्विस देने में तेजी आई है, और आतंकवादी अब इन सेवाओं को पैसे भेजने और जमा करने के लिए पसंद कर रहे हैं। कम लागत, तेज ट्रांसफर और नकली पहचान की सुविधा इसे उनके लिए और आकर्षक बनाती है।

कुरैशी मोहल्ला में फिर हुआ तनाव, पुलिस की सजगता से स्थिति हुआ नियंत्रित

गिरिडीह (ईएमएस)। नगर थाना क्षेत्र के कुरैशी मोहल्ला में मुहर्रम जुलूस के दौरान हुए विवाद के बाद मंगलवार को एक बार फिर स्थिति तनावपूर्ण हो गई। हालांकि पुलिस की सजगता के कारण कोई बड़ा हादसा नहीं हो पाया और फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। बता दें कि मुहर्रम जुलूस के दौरान दो पक्षों के बीच विवाद हो गया था। इस विवाद में एक व्यक्ति घायल भी हुआ था। उसी मामले को लेकर एक बार फिर कुरैशी मोहल्ला में दो पक्ष आपस में टकरा गए। नौबत यहां तक आ गई कि दोनों पक्षों के बीच पत्थरबाजी भी होने लगी। हालांकि नगर थाना पुलिस को इसकी सूचना मिलते ही नगर थाना प्रभारी शैलेष प्रसाद सदल बल मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों के लोगों को खदेड़ भगाया। वहीं मामले की सूचना मिलते ही डीएसपी 1 नीरज सिंह भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने पूरी मामले की जानकारी ली। मामले के सम्बंध में डीएसपी नीरज सिंह ने कहा कि मुहर्रम के दिन दो मोहल्लों के बीच तनाव पैदा हो गया था। आज पुनः उसी मामले को लेकर तनाव की स्थिति उत्पन्न हुई थी। लेकिन अब स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने बताया कि मुहल्ले में पुलिस बलों की तैनाती की गई है। और पूरे मामले पर नजर रखी जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जैसा होगा आगे कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम लोगों से संयमित रहने और जहां जरूरी होने पर पुलिस से मदद लेंने की अपील की है।

विश्वनाथ नर्सिंग होम में इलाजरत मरीज की हुई मौत, प्रबन्धन पर लापरवाही का आरोप

गिरिडीह (ईएमएस)। नगर थाना क्षेत्र के बरमसिया में संचालित विश्वनाथ नर्सिंग होम में इलाजरत 35 वर्षीय धनेश्वर दास नामक मरीज की इलाज के दौरान मौत हो गयी। धनेश्वर दास की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगा अस्पताल में जमकर हंगामा किया। बता दें कि पूर्व भी इस अस्पताल में ऐसा ही मामला घटित हुआ था। उस वक्त भी अस्पताल प्रबंधन सवालों के घेरे में आया था। बाबजूद इसके अस्पताल प्रबंधन अपनी कार्यशैली में सुधार नहीं ला रही है। इसी बीच यह घटना घटित हुई। मृतक धनेश्वर दास की पत्नी रिंकी देवी ने अस्पताल प्रबधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सही तरीके से इलाज नहीं करने का भी आरोप लगाया है। पति की मौत पर रोती बिलखती रिंकी ने कहा कि उसके दो छोटे छोटे बच्चे है। अब उसका भरन पोषण कैसे होगा? हालांकि इस मामले में अस्पताल प्रबंधन ने किसी प्रकार की कोई लापरवाही से इनकार किया है। लेकिन सूचना पर पहुंचे माले नेताओं व भीम सेना के दवाब में आकर अस्पताल प्रबंधन ने मृतक की आश्रिता पत्नी को अंतिम संस्कार के लिए बतौर मुआवजा 50 हजार रुपये दिया। उसके बाद परिजन उसके शव को लेकर पैतृक गांव चले गए।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल के मद्देनजर गिरिडीह जिला बीमा कर्मचारी संघ ने किया द्वार प्रदर्शन

गिरिडीह (ईएमएस)। देश के तमाम केंद्रीय श्रम संगठनों द्वारा 9 जुलाई को आहूत राष्ट्रव्यापी हड़ताल की तैयारी को लेकर गिरिडीह जिला बीमा कर्मचारी संघ ने मंगलवार को एलआईसी कार्यालय के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन किया। बीमा कर्मचारी संघ हजारीबाग मंडल के गिरिडीह शाखा इकाई द्वारा यह द्वार प्रदर्शन कार्यक्रम मंगलवार को भोजनावकाश के समय किया गया। संघ के सचिव धर्म प्रकाश ने बताया कि कल बुधवार को देश के तमाम श्रमिक संगठनों द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आवाहन किया गया है। जिसमें हमारा संघ भी शामिल है।

सतत विकास सुनिश्चित कराने हेतु जिले का एक्शन प्लान तैयार किया जायःअन्नपूर्णा देवी

गिरिडीह, 08 जुलाई : नगर भवन में सांसद श्रीमती अन्नपूर्णा देवी,कोडरमा लोकसभा क्षेत्र-सह-केंदीय मंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ,भारत सरकार की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति ('दिशा') की बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गयी। साथ ही बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन के सम्बंध में बिंदुवार समीक्षा कर विचार-विमर्श किया गया। मौके पर उपायुक्त द्वारा क्रियान्वित योजनाओं की प्रगति के सम्बंध में जानकारी दी गयी। बैठक में उपरोक्त के अलावा जिला परिषद अध्यक्ष, सांसद प्रतिनिधि, गिरिडीह, गांडेय के विधायक प्रतिनिधि, राज धनवार के विधायक प्रतिनिधि, सभी प्रखंडों के प्रमुख व अन्य संबंधित जनप्रतिनिधि तथा जिला प्रशासन की तरफ से उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, पूर्वी वन प्रमंडल पदाधिकारी, पश्चिमी वन प्रमंडल पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, सभी अनुमण्डल पदाधिकारी, उप नगर आयुक्त, जिला परिवहन पदाधिकारी, सिविल सर्जन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कोषागार पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला भू अर्जन पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा, डीपीएम, JSLPS, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, एलडीएम, जिला मत्स्य पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान योजनाओं के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति व क्षेत्र में किये जाने वाले कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान विभागों द्वारा क्रियान्वित योजनाओं की समीक्षा की गई। माननीय केंद्रीय मंत्री द्वारा निर्देशित किया गया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष की योजनाओं को ससमय पूर्ण करना सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त द्वारा मनरेगा अंतर्गत चालू योजनाओं व सभी अन्य योजनाओं की जानकारी विस्तार में दी गई। इस पर मंत्री महोदया ने निर्देश दिया कि सभी लंबित योजनाओं को निश्चित समय सीमा के अंदर पूर्ण करवाना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जलापूर्ति योजना की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान मंत्री महोदया ने कहा कि उपायुक्त के द्वारा एक टीम गठित कर जलापूर्ति योजना के तहत जितनी भी योजनाएं संचालित है, उनका सतत् पर्यवेक्षण सुनिश्चित कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि उपायुक्त द्वारा गठित कमेटी में पेयजल एवं स्वच्छता विभागों के पदाधिकारियों तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा। ताकि इसका सतत निगरानी सुनिश्चित की जा सके। इसके अलावा मंत्री महोदया ने पथ निर्माण विभाग से संबंधित सड़क, पुलिया व अन्य संरचनाओं के सफल क्रियान्वयन तथा योजनाओं के निर्माण में पारदर्शिता बरती जाए एवं इसका सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के उपरांत अनेक पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया एवं सिविल सर्जन को निर्देशित किया गया कि सभी पीएचसी, सीएचसी में चिकित्सक, दवा, मेडिकल उपकरण के साथ-साथ मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराएं। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि चिकित्सक नियमित रूप से स्वास्थ्य केंद्र में उपस्थित रहे। इसके अलावा मंत्री महोदया के द्वारा विद्युत विभाग की समीक्षा की गई। समीक्षा के उपरांत उन्होंने कहा कि विद्युत विभाग से संबंधित कई शिकायतें आ रही हैं, इन शिकायतों को त्वरित निपटाएं। उन्होंने कहा कि बिजली बिल की कई समस्याएं आ रही हैं संबंधित कार्यपालक अभियंता यह सुनिश्चित करें कि बिजली का बिल सही हो। इसके अलावा माननीय मंत्री महोदया ने समाज कल्याण विभाग की समीक्षा कर संबंधित विभाग को निर्देशित किया कि सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का सतत पर्यवेक्षण सुनिश्चित कराएं। साथ ही समाज कल्याण विभाग से संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रगति सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान विद्यालय भवन की जर्जर होने की शिकायतों को लेकर माननीय मंत्री महोदया ने संबंधित कार्यपालक अभियंता एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी तथा जिला शिक्षा अधीक्षक को समन्वय स्थापित करते हुए उन सभी विद्यालय भवनों का जांच करने का निर्देश दिया तथा जर्जर विद्यालय भवनों के संबंध में आवश्यक कारवाई करने के निर्देश दिए। इसके उपरांत माननीय मंत्री महोदया ने आपूर्ति विभाग की समीक्षा की। मंत्री महोदया ने बताया कि आज की बैठक में सभी विभागों की समीक्षा की गई समीक्षा के उपरांत सभी विभाग के संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बरतने व प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही बैठक में सभी जनप्रतिनिधियों का सुझाव प्राप्त हुआ। बैठक में सभी जनप्रतिनिधियों को जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करने की बात कही गई। बैठक के दौरान मंत्री महोदया ने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता होनी चाहिए। जलापूर्ति योजना के संबंध में आ रही समस्याओं के विषय पर उपस्थित विधायक व जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा की गई। मंत्री महोदया ने बताया कि किये जा रहे कार्यों में पारदर्शिता को प्राथमिकता दी जाय। साथ ही निर्देशित सभी विभाग संचालित योजनाओं का उचित विश्लेषण व कार्य मूल्यांकन समय-समय पर करें।

विद्युत विभाग के पदाधिकारियों संग बैठक चैंबर के पदाधिकारियों ने की स्मार्ट मीटर पर चर्चा

गिरिडीह (ईएमएस)। जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधियों ने मंगलवार को विद्युत विभाग के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर स्मार्ट मीटर एवं बिजली आपूर्ति में हो रही बाधाओं तथा लो वोल्टेज की समस्या पर चर्चा की। कहा कि हाल के वर्षों में भारी खर्च होने के बाद भी बिजली आपूर्ति में बाधा और लो वोल्टेज की समस्या जस की तस बनी हुई है। इसका निराकरण और समाधान शीघ्र अतिशीघ्र किया जाय। बैठक के दौरान चैम्बर के पदाधिकारियों ने कहा कि उपभोक्ताओं के घरों के बाहर ही मीटर लगाना अनिवार्य नहीं है; मीटर घर के भीतर प्रवेश द्वार के समीपतम स्थान पर लगाया जा सकता है। मीटर लगाने की जिम्मेदारी लेने वाली एजेंसी आगामी 10 वर्षों तक उसकी देखरेख करेगी, और यदि कोई तकनीकी गड़बड़ी होती है तो निःशुल्क बदलने की व्यवस्था भी की जाएगी। इस दौरान स्मार्ट मीटर को लेकर उपभोक्ताओं की शंकाओं को देखते हुए चैंबर के पदाधिकारियों ने कहा कि चैम्बर के के दो सदस्यों के घर या प्रतिष्ठान में मौजूदा मीटर के समानांतर स्मार्ट मीटर को स्थापित किया जाय और सात दिनों तक दोनों की रीडिंग ली जाये। उसके बाद चैंबर यह आह्वान करेगा कि आम जनता को स्मार्ट मीटर लगवाना चाहिए या नहीं। बैठक के दौरान चेंबर के पदाधिकारियों ने बिजली बिलों के वितरण में हो रही देरी पर चिंता जताया और कहा कि इससे राज्य सरकार की 200 यूनिट तक की निःशुल्क बिजली देने की योजना प्रभावित हो सकती है, विशेषकर तब जब कई माहों का बिल एक साथ जारी होता है। वहीं बैठक में चैम्बर के पदाधिकारियों ने प्रत्येक ट्रांसफार्मर पर AB स्विच लगाने की मांग की। ताकि किसी फॉल्ट की स्थिति में केवल संबंधित क्षेत्र की आपूर्ति रोकी जाए। वहीं विभागीय पदाधिकारियों ने आश्वासन दिया कि अगले माह तक चार-पाँच ट्रांसफार्मरों के समूहों पर यह व्यवस्था लागू कर दी जाएगी। विभागीय अधिकारियों ने लो वोल्टेज की समस्या के बाबत बताया कि जसीडीह ग्रिड से कम वोल्टेज वाली आपूर्ति आ रही है। जिस कारण यह समस्या है। पदाधिकारियों ने आगामी सप्ताह के भीतर इस समस्या का समाधान कर लेने का आश्वासन चैम्बर के पदाधिकारियों को दिया। मौके पर अधीक्षण अभियंता ने चेंबर से समय-समय पर ऐसे संवाद करते रहने का आग्रह किया ताकि गिरिडीह में विद्युत आपूर्ति की स्थिति को बेहतर बनाया जा सके। बैठक में बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ चेंबर के अध्यक्ष निर्मल झुनझुनवाला, महासचिव प्रमोद कुमार, कोषाध्यक्ष विकास खेतान, कार्यकारिणी सदस्य सजय भूदौलिया, निर्मल कुमार, प्रशांत बगड़िया एवं विकास बसईवाला मुख्य रूप से मौजूद थे।

गिरिडीह की सोनी कुमारी, मुक्ता कुमारी और निमित सिंह बनी योगासना स्पोर्ट के राज्य स्तरीय जज

गिरिडीह (ईएमएस)। झारखंड योगासना स्पोर्ट संघ द्वारा धनबाद में आयोजित राज्य स्तरीय योगासना स्पोर्ट जजेज ट्रेनिंग प्रोग्राम में गिरिडीह की सोनी कुमारी, मुक्ता कुमारी और निमित सिंह ने सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त कर योगासना स्पोर्ट के राज्य स्तरीय लेवल टू की जज बनी। बता दें कि बीते 5 जुलाई से 7 जुलाई तक धनबाद में सम्पन्न हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में झारखंड के विभिन्न जिलों से 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। जिसमे गिरिडीह योगासना स्पोर्ट संघ की ओर से सोनी कुमारी, मुक्ता कुमारी और निमित सिंह भी शामिल हुई थी। जिला योगासना स्पोर्ट संघ के तकनीकी इंचार्ज सह कोषाध्यक्ष अमित स्वर्णकार ने कहा कि सोनी कुमारी, मुक्ता कुमारी और निमित सिंह के योगासना स्पोर्ट के राज्य स्तरीय जज बनने से गिरिडीह जिला योगासना संघ में हर्ष का माहौल है। बताया कि इन तीनों के राज्यस्तरीय जज बनने से अब गिरीडीह के खिलाड़ियों को तकनीकी रूप में मजबूत करने में मदद मिलेगी और जिला स्तरीय प्रतियोगिता कराने के लिए अब बाहर से जज नहीं बुलाना पड़ेगा। वहीं गिरिडीह जिला योगासना स्पोर्ट संघ से जुड़े इन तीनों के राज्य स्तरीय जज बनने से जिलाअध्यक्ष संतोष शर्मा, मुख्य संरक्षक राजेश जलान, संरक्षक नवीनकांत सिंह, सचिव अनीता ओझा, दयानंद जयसवाल, पुष्पा शक्ति, रोहित श्रीवास्तव, नितेश नंदन, संजीत कुमार, उत्कर्ष गुप्ता, आकाश कुमार स्वर्णकार, रोहित राय ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राष्ट्रीय अल्पबचत अभिकर्ता संघ ने सौंपा केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी को 6 सूत्री मांगों से सम्बंधित ज्ञापन

गिरिडीह (ईएमएस)। राष्ट्रीय अल्पबचत अभिकर्ता संघ की गिरिडीह जिला इकाई ने केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री सह कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी को एक ज्ञापन सौंपा। देश के 6 लाख से अधिक राष्ट्रीय बचत अभिकर्ताओं के 6 सूत्री मांगो के समर्थन में केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर संघ की गिरिडीह इकाई ने यह ज्ञापन सौंपा। इसके पूर्व संघ के सदस्यों ने अध्यक्ष सुधीर आनन्द एवं आराधना देवी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्री को पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। उसके बाद उन्हें देश के 6 लाख से अधिक राष्ट्रीय बचत अभिकर्ताओं के 6 सूत्री मांगो से सम्बंधित ज्ञापन सौंपा। इस दौरान मंत्री ने संघ के सदस्यों को उनकी इन मांगों से केंद्रीय वित्त मंत्री को अवगत कराने के साथ साथ उनसे मुलाकात करवाने का भी आश्वासन संघ के पदाधिकारियों को दिया। मौके पर संघ के सचिव बीरेंद्र कुमार पाठक, बबीता कला, बिंदु देवी, कल्याणी, रविन्द्र चौरसिया, नवीन कुमार, उदयन बनर्जी, उदय गुप्ता, मधुकर कुमार, जसप्रीत सिंह आदि मुख्य रूप से मौजूद थे।

पति के साथ मुहर्रम मनाने मायके आयी विवाहिता की कुंए में मिली लाश, पति फरार

गिरिडीह (ईएमएस)। जिले के हीरोडीह थाना क्षेत्र के बैरिया गांव में मंगलवार सुबह एक विवाहिता की कुंए में तैरती लाश मिली है। मृतका की पहचान बैरिया निवासी अकबर अंसारी की 35 वर्षीय बेटी शहनाज खातून के रूप में हुई है। बताया गया कि विवाहिता शहनाज खातून का निकाह बिहार के जमुई जिला अंतर्गत चकाई थाना क्षेत्र के गगनपुर गांव निवासी मंजूर अंसारी के साथ हुई थी। मंजूर कोलकाता में अपनी पत्नी व बच्चों के साथ रहता था। शनिवार को शहनाज अपने पति मंजूर के साथ मुहर्रम पर्व मनाने कोलकाता से अपनी मायके आई थी। मंगलवार सुबह गांव के ही एक कुएं में शहनाज की लाश मिली। वहीं घटना के बाद से उसका पति मंजूर अंसारी फरार है।

परिजनों ने बताया कि सोमवार देर रात अचानक शहनाज के छोटे बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। बच्चे के रोने की आवाज सुन शहनाज के पिता अकबर अंसारी जागे तो देखा कि शहनाज कमरे में नहीं है। परिवार वाले घबरा गए और इधर-उधर खोजबीन शुरू की। जब काफी देर तक कुछ पता नहीं चला तो हीरोडीह थाना को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस गांव पहुंची और शहनाज की तलाश शुरू की। इसी दौरान कुंए में उसकी लाश मिली। पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से शव को कुंए से निकलवा उसे सपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया है।

घटना के सम्बंध में मृतका के पिता अकबर अंसारी ने बताया कि उसका दामाद मंजूर अंसारी और उसके ससुराल के लोग लगातार दूसरी शादी में मिलने वाले दहेज के सामान की मांग को लेकर उनकी बेटी को प्रताड़ित करते रहते थे। कहा कि मंजूर अंसारी का किसी महिला के साथ अवैध सम्बन्ध है और वह अपनी सारी कमाई उसी पर खर्च करता है। शहनाज को ठीक से कपड़े तक नहीं देता और मायके से पैसे मंगवाता था। पूर्व में कई बार इस दहेज को लेकर काफी विवाद हुआ था, थाना में आवेदन दिया गया था और पंचायत बैठाकर मामला सुलझाया गया था। पंचायत में यह फैसला सुनाया गया था समय के अनुसार दहेज दिया जा चुका है। फिर दूसरे शादी के दहेज की मांग करना गलत है। वहीं थाना ने भी विवाद को सुलझा दिया। उसके बाद उसका पति उसकी विदाई करा उसे अपने साथ ले गया था। लेकिन अब मायके में ही शहनाज की लाश मिली है। पुलिस मामले की जांच करने एवं मृतका के फरार पति मंजूर अंसारी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी करने में जुट गई है।

नकली विदेशी शराब फैक्ट्री का उद्भेदन, एक गिरफ्तार

हजारीबाग(ईएमएस)।बरकट्ठा प्रखंड अंतर्गत गोरहर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली शराब फैक्ट्री का उद्भेदन करते हुए बड़ी मात्रा में नकली अंग्रेजी शराब, कच्चा स्प्रिट, बोतल, रैपर, शीशी सील करने वाला उपकरण को बरामद और एक नकली शराब के सरगना महेश नायक उर्फ अशोक साव को गिरफ्तार किया है।

कार्यालय भवन नियंत्रण पदाधिकारी-सह-अनुमंडल पदाधिकारी, गिरिडीह

Eviction Suit No.-04/2025

Notice

निरंजन मंडल

बनाम

दिनेश कुमार एन. स्वर्णकार

बजरिये नोटिस सूचित करना है कि निरंजन मंडल, पिता– स्व0 बासु मंडल, साकिन+पोस्ट–मटरुखा, थाना–गिरिडीह मु0, जिला–गिरिडीह की ओर से Suit For Eviction Jharkhand Building (Lease, Rent & Eviction) Control Act-2011 के तहत अद्योहस्ताक्षरी के न्यायालय में वाद दायर किया है जिसकी सुनवाई न्यायालय में चल रही है।

अतः द्वितीय पक्ष को आदेश दिया जाता है कि दिनांकः.16.07.2025 को 12:30 बजे अप0 / पूर्वा0 अद्योहस्ताक्षरी के न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखना सुनिश्चित करें अन्यथा न्यायालय में उपस्थित नहीं होने के स्थिति में न्यायालय द्वारा एकपक्षीय आदेश पारित कर दी जायेगी।

इसे ताकिद जानें।

द्वितीय पक्ष :– 1. दिनेश कुमार एन. स्वर्णकार, पिता–नागेश्वर स्वर्णकार, साकिन–केन्दुआडीह, पोस्ट–गादी, भरकट्ठा, थाना–बिरनी, जिला–गिरिडीह।

भवन नियंत्रण पदाधिकारी –सह–
अनुमंडल पदाधिकारी, गिरिडीह

PR 356739 Giridih (25-26)_D

झारखण्ड सरकार
कारा निरीक्षणालय,मंडल कारा,जामताड़ा

ई०–निविदा सूचना

अधीक्षक, मंडल कारा, जामताड़ा का कार्यालय

दूरभाष–06433–222386, फैक्स–06433–222386

e-mail-jmtjail@gmail.com, dj-jamtara@jharkhandmail.gov.in

1	कारा का नाम	मंडल कारा, जामताड़ा
2	विषय	कारा में संसीमित बंदियों के भोजनादि की व्यवस्था हेतु विभिन्न प्रकार के खाद्यानों हरी सब्जी, आलु, फल इत्यादि सामग्री के क्रय/आपूर्ति के निमित ई0 निविदा का आमंत्रण (प्रथम त्रैमासिक ई0निविदा दिनांक–01.01.2026 से 31.03.2026)
3	ई0 निविदा प्रपत्र का मूल्य (Non Refundable) Online स्वीकार की जायेगी।	रू0 5000.00 (पाँच हजार मात्र)
4	वेबसाईट पर अल्कालीन ई0 निविदा प्रपत्र के उपलब्ध की तिथि एवं समय	दिनांक–21.07.2025 से 01.08.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक।
5	ई0 निविदा Online upload करने की तिथि	दिनांक–21.07.2025 से 01.08.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक।
6	आपूत्ति हेतु खाद्य सामग्रीयों का नमूना (Sample) जमा करने की तिथि	दिनांक–02.08.2025 से 03.08.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
7	अग्रधन राशि (EMD) (रू0 2500/ से अधिक होने पर) जमा करने की तिथि	दिनांक–02.08.2025 से 03.08.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
8	ई0 निविदा खुलने की तिथि/समय/स्थान	दिनांक–04.08.2025 को 11:00 बजे पूर्वाह्न अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में उपायुक्त/अपर समाहर्त्ता के उपस्थिति में।

नोट–
1. उपरोक्त संबंधित ई0 निविदा झारखण्ड सरकार की वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in पर केवल e-Tender के माध्यम से प्राप्त/स्वीकृत की जायेगी।
2. ई0 निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online ही स्वीकार की जायेगी।
3. अतिरिक्त सूचना प्राप्ति हेतु अधीक्षक, मंडल कारा, जामताड़ा के कार्यालय में कार्यालय अवधि में सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। e-Tender को online upload करने से संबंधित जानकारी के लिए NIC Helpline No. 9430342752 से सम्पर्क किया जा सकता है।

अधीक्षक,
मंडल कारा, जामताड़ा

PR 356810 Prison(25-26).D

झारखंड में बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

-मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे लोगों से सतर्क रहने की अपील की

सिंहभूम,(ईएमएस)। झारखंड में लगातार बारिश से लोगों को गर्मी से राहत तो मिल गई, लेकिन बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। राज्य में बारिश से कई सड़कों पर जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है। वहीं, नदियां उफान पर है जिससे बाढ़ का खतरा बना हुआ है। मौसम विभाग ने 12 जिलों में अचानक बाढ़ की आशंका जताई है। इसके चलते मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे राज्य के लिए भारी बताए हैं। मौसम विभाग ने गढ़वा, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, खूंटी और पश्चिमी सिंहभूम में भारी बारिश होने की संभावना जताई है। इन क्षेत्रों में 7 से 11 सेंटीमीटर तक बारिश हो सकती है। साथ ही 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और वज्रपात भी हो सकता है।

पिछले 24 घंटे में राज्य में सबसे ज्यादा बारिश सरायकेला में 73 मिमी रिकॉर्ड की गई। राज्य के अन्य हिस्सों जैसे बन्दगांव में 60.8 पालकोट में 56.8, फतेहपुर में 55, खरसावां में 52.6, बहरागोड़ा में 44.6, धालभूमगढ़ में 42.4, घोड़ाबांदा में 39.4, चाईबासा में 39, रनिया में 34.6, चैनपुर में 33 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। वहीं, रांची और आसपास के इलाकों में बीते रविवार से बारिश लगातार जारी है। बीते रविवार को रांची में अधिकतम तापमान 27.7, जमशेदपुर में 31.5, डालटेनगंज में 32.8, बोकारो में 31.1 ओर चाईबासा में तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था।

कार्यालय, जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गिरिडीह।

मत्स्य कृषकों के लिए अल्पकालीन सूचना

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) झारखण्ड, रॉंची के राज्यादेश सं0 10 दिनांक 04.07.2025 के आलोक में तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 में मछली–सह–बत्तख पालन हेतु गिरिडीह जिला को लक्ष्य प्राप्त है जिसकी विवरणी निम्नवत है–

क्र0 सं0	योजना का नाम	भौतिक लक्ष्य			वित्तीय लक्ष्य (लाख में)		
		101		789	101		789
		अनु0 ज0जा0	अन्य		अनु0 ज0जा0	अन्य	
01	मछली–सह–बत्तख पालन	02	03	03	2.4536	3.2204	3.6804
	कुल	**02**	**03**	**03**	**2.4536**	**3.2204**	**3.6804**

राज्यादेश की कंडिका 12'ख' के आलोक में इस योजना अन्तर्गत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं महिला कोटि के लाभुकों के लिए राज्य सरकार का अंशदान 80 प्रतिशत (अधिकतम मो0 1,22,680/–रू0) होगा तथा शेष अंशदान लाभुक का होगा। अन्य सभी कोटि के लाभुकों के लिए राज्य सरकार का अंशदान 70 प्रतिशत (अधिकतम मो0 1,07,345/–रू0) होगा, शेष सभी राशि लाभुक द्वारा स्वयं वहन किया जायेगा। इसी प्रकार 0.2 हेक्टेयर पर मछली–सह–बत्तख पालन के लिए राज्य सरकार के अंशदान की राशि समानुपातिक रूप से होगी।

चयन की अहर्त्ताएँ निम्नवत् हैः–

(क) योजना कार्यान्वयन प्रस्तावित स्थल आबादी के नजदीक हो।
(ख) लाभुक का अपना तालाब (प्राथमिकता एक एकड़ उससे बड़े तालाब) हो अथवा वित्तीय वर्ष 2025–26 से तीन वर्षों की लीज पर हो।
(ग) जिला मुख्यालय के नजदीक के लाभुकों को प्राथमिकता दी जाएगी।
(घ) RFF के पास के लाभुकों के चयन में ध्यान रखा जाएगा कि RFF का लाभुक समूह सक्रिय हो एवं उनका बैंक खाता संचालित हो रहा हो।

उक्त हेतु सुयोग्य आवेदकों से विहित प्रपत्र में दिनांक 05.08.2025 समय 5:00 बजे अप0 तक आवेदन आमंत्रित की जाती है।

* योजना से संबंधित विशेष जानकारी कार्यालय से संपर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
गिरिडीह।

PR 356757 Fish(25-26)D

राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव के सफल आयोजन को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई बैठक

मेला के सफल संचालन हेतु सभी विभागों के बीच आपसी समन्वय अत्यंत आवश्यक : उपायुक्त

सभी श्रद्धालु निर्बाध एवं सुरक्षित रूप से जलार्पण कर सकें, यही हमारा उद्देश्य है : एसपी

दुमकाःराजकीय श्रावणी मेला महोत्सव 2025 के सफल आयोजन हेतु बासुकीनाथ मंदिर सभागार में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला प्रशासन के वरीय पदाधिकारी, पुलिस प्रशासन, संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी, पंडा समाज उपस्थित थे।बैठक में उपायुक्त ने कहा कि श्रावणी मेला झारखंड राज्य का एक महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन है, जिसमें देशभर से लाखों श्रद्धालु बासुकीनाथ धाम पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि मेला के सफल संचालन हेतु सभी विभागों के बीच आपसी समन्वय अत्यंत आवश्यक है। जिला प्रशासन द्वारा मेला क्षेत्र में सभी आवश्यक तैयारियाँ की जा रही हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और कोई भी दुर्घटना न घटे।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी विभाग अपने-अपने अधूरे

कार्यों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण करें।मेला क्षेत्र की स्वच्छता, पेयजल, बिजली, शौचालय, चिकित्सा सुविधा, ट्रैफिक नियंत्रण, पार्किंग व्यवस्था इत्यादि पर विशेष ध्यान दिया जाए। कंट्रोल रूम, सहायता केंद्र एवं सूचना केंद्र की स्थापना समय पर सुनिश्चित हो। इस दौरान उन्होंने मंदिर प्रांगण के कंट्रोल रूम से सीसीटीवी के माध्यम से संपूर्ण मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया।पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार ने कहा कि श्रावणी मेला में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने हेतु समुचित पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी श्रद्धालु निर्बाध एवं सुरक्षित रूप से जलार्पण कर सकें, यही हमारा उद्देश्य है। उन्होंने पंडा समाज एवं स्थानीय प्रशासन से सामूहिक सहयोग की अपेक्षा की।बैठक के उपरांत उपायुक्त एवं अन्य अधिकारियों ने मेला क्षेत्र में बन रहे आवासन केंद्र, टेंट सिटी, एवं टेंट अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और प्रगति की समीक्षा की तथा निर्देश दिया कि सभी कार्य जल्द से जल्द पूर्ण कर लिए जाएं।

श्रद्धालुओं के लिए मंदिर पट खुलने का समय व जलार्पण व्यवस्था

सोमवार एवं मंगलवार को मंदिर का पट प्रातः 2:05 बजे खुलेगा,श्रद्धालु पूरे दिन अर्घा के माध्यम से जलार्पण कर सकेंगे,बुधवार से रविवार मंदिर का पट प्रातः 2:25 बजे खुलेगा,श्रद्धालु जलार्पण प्रारंभ होने से लेकर प्रातः 8:00 बजे तक अर्घा से जलार्पण कर सकेंगे,विश्राम पूजा के उपरांत एवं भीड़ नियंत्रित होने तक भी अर्घा से जलार्पण की व्यवस्था रहेगी।श्रावणी मेला की अवधि में श्रृंगार पूजा बंद रहेगी। उक्त सभी व्यवस्था पर पंडा समाज एवं जिला प्रशासन के बीच सहमति बनी है।इस दौरान उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त ख़बरें

महामहिम ने किया प्रतिभा सम्पन्न छात्रों के बीच लैप टॉप का वितरण

डुमरी विधायक जयराम महतो ने किया था कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो । जिले के नावाडीह ब्लॉक में अवस्थित बिनोद बिहारी महतो ग्रामीण स्टेडियम में आज झारखण्ड के झारखण्ड के महामहिम राज्यपाल संतोष गंगवार ने मैट्रिक और इंटर की परीक्षा के तीनों संकायों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं के बीच लैप टॉप, टैब एवं कम्पटीशन बुक सहित अन्य पाठ सामग्रियों का वितरण किया । इसके साथ ही नावाडीह के विभिन्न पंचायतों के लगभग 70 छात्र छात्राओं के बीच भी पाठ्य सामग्रियों के वितरण के साथ उन्हें मेडल से सम्मानित किया गया । समारोह का आयोजन डुमरी विधायक जयराम महतो की ओर से किया गया था । जहां उन्होंने बच्चों के बीच आज वितरित किए लैप टॉप, टैब एवं अन्य शिक्षा से संबंधित वस्तुओं का वितरण अपने विधायक के तौर पर पिछले तीन महिने में तनख्वाह के तौर पर अर्जित 75 फीसद राशि से की है ।बताते चलें कि डुमरी विधायक जयराम महतो ने काफी पहले कहा था कि डुमरी विधायक के तौर पर मिलने वाली तीन महिने की राशि का 75 फीसद हिस्सा वो होनहार छात्र छात्राओं के लिए शिक्षण सामग्री पर खर्च करेंगे । इस मौके पर उन्होंने सभी छात्र छात्राओं से पढ़ाई के प्रति पूरी तरह समर्पित होकर पढ़ाई करने पर ध्यान केन्द्रित करने की बात कही । जिससे उनके परिजन, राज्य और देश का मान सम्मान बढ़े । इस मौके पर महामहिम राज्यपाल संतोष गंगवार ने भी छात्र छात्राओं से पढ़ाई के प्रति पूरी तरह मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई कर प्रदेश और देश का नाम रौशन करने की बात कही ।

बोकारो स्टील टाउनशिप में 10,000 पारंपरिक सीलिंग फैन को बीएलडीसी फैन से बदलने की औपचारिक शुरुआत

बोकारो । ऊर्जा दक्षता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अहम पहल करते हुए, बोकारो स्टील टाउनशिप में टीई-इलेक्ट्रिकल विभाग द्वारा 10,000 पारंपरिक सीलिंग फैन को बीएलडीसी फैन से बदलने की प्रक्रिया की औपचारिक शुरुआत 08 जुलाई को बोकारो जनरल हॉस्पिटल से की गई.इसका उद्घाटन बोकारो जनरल हॉस्पिटल के प्रभारी डॉ बी.बी. करुणामय, मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवा) कुंदन कुमार,मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आनंद कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अनिन्दा मंडल एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ इंद्रनील चौधरी, महाप्रबंधक-प्रभारी (नगर सेवा-विद्युत्) राजुल हरकरनी एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण की उपस्थिति में संपन्न हुआ.बीएलडीसी फैन प्रतिस्थापन के कार्य की शुरुआत बोकारो जनरल अस्पताल से की गई है तथा आगामी चरणों में इस परियोजना का विस्तार इस्पात भवन, नगर प्रशासन कार्यालय, ट्रेनीज हॉस्टल तथा अन्य सार्वजनिक इमारतों में किया जाएगा. बीएलडीसी फैन पारंपरिक कैपेसिटर फैन की तुलना में लगभग 50-60% तक कम बिजली की खपत करते हैं, जिससे टाउनशिप के समग्र ऊर्जा खपत में भी कमी आएगी. बीएलडीसी फैन से कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में भी कमी आएगी, जिससे टाउनशिप की कुल कार्बन फुटप्रिंट घटेगी. इस प्रकार, यह पहल न केवल ऊर्जा संरक्षण में सहायक होगी, बल्कि सतत विकास और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम भी सिद्ध होगी.

बीएसएल के सुरक्षा प्रबंधन में सांस्कृतिक परिवर्तन परियोजना कवच प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो । बीएसएल के मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में संयंत्र के विभिन्न विभागों के 31 अधिशासियों के लिए पाँच दिवसीय प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ दिनांक 08 जुलाई को किया गया. प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री बी के सरतापे मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवा) एवं महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) संजय भगत उपस्थित थे. मुख्य अतिथि बी के सरतापे ने सभी प्रतिभागियो को सुरक्षा शपथ दिलाई, तत्पश्चात मेसर्स कोर - ई एच एस के अनुभवी फैकल्टी श्री बी मोहन्ता ने सभी प्रतिभागियों को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में परिवर्तन का प्रबंधन, प्री-स्टार्ट-अप सुरक्षा समीक्षा, और परमिट-टू-वर्क जैसे विषय की विस्तृत जानकारी दी.सरतापे ने अपने सम्बोधन में इस कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा सभी प्रतिभगियो से अधिकतम ज्ञान हासिल करने की अपील की. महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) संजय भगत ने सभी प्रतिभगियो से इस कार्यक्रम को अन्तः क्रियात्मक बनाकर अधिकतम ज्ञान अर्जित करने तथा अपने अर्जित ज्ञान को विभाग के लोगों के साथ साझा करने का अनुरोध किया. कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन एस के डी भौमिक कनीय प्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) ने किया. कार्यक्रम के आयोजन मे ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के वरीय ओपरेटिव राकेश कुमार, कौशलेन्द्र प्रताप सिंह तथा इंस्ट्रक्टर अर्जुन प्रसाद बाउरी का सराहनीय योगदान रहा.

बीएसएल में मेडिक्लेम योजना के नवीनीकरण की प्रक्रिया आरंभ

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा वर्तमान मेडिक्लेम योजना का नवीनीकरण आगामी अवधि, अर्थात् 11 जुलाई 2025 से 10 जुलाई 2026 तक के लिए प्रारंभ कर दिया गया है. इस अवधि के लिए बीमा प्रदाता के रूप में मेसर्स न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड तथा थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर के रूप में मेसर्स एमडी इंडिया हेल्थ इंश्योरेंस टीपीए लिमिटेड का चयन किया गया है.योजना के अंतर्गत वार्षिक प्रीमियम आयु के अनुसार निर्धारित किया गया है. 70 वर्ष से कम आयु के सदस्य के लिए यह 10,011 है, वहीं 70 से 80 वर्ष के बीच आयु वाले सदस्य के लिए 6,861 निर्धारित किया गया है। 80 वर्ष से अधिक आयु के सदस्य के लिए यह राशि 100 रखी गई है.सदस्य योजना का नवीनीकरण https://sailenrollment.mdindia.com पर जाकर कर सकते हैं। लॉगिन हेतु सदस्य अपने मिन को यूज़र आईडी तथा सेवा रिकॉर्ड के अनुसार जन्मतिथि को पासवर्ड के रूप में उपयोग करें. वे सदस्य जो पूर्व में योजना में शामिल नहीं हुए हैं या समय पर नवीनीकरण नहीं कर सके हैं, वे "गैप केस" श्रेणी के अंतर्गत आवेदन कर सकते हैं. इसके लिए उन्हें सहयोग पोर्टल https://www.sahyog.bokarosteel.in पर जाकर "मेडिक्लेम गैप केस मेडिक्लेम फॉर्म" भरना होगा। इस श्रेणी में सदस्यता लेने के लिए निर्धारित प्रीमियम की दोगुनी राशि का भुगतान करना अनिवार्य है.मेडिक्लेम योजना के नवीनीकरण और गैप केस आवेदन की अंतिम तिथि 10 अगस्त 2025 निर्धारित की गई है. योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी सेल की वेबसाइट www.sail.co.in तथा सहयोग पोर्टल sahyog.bokarosteel.in पर उपलब्ध है. किसी भी प्रकार की सहायता या जानकारी के लिए 8986876252,8986875050, 06542–240273 अथवा 06542–280232 पर संपर्क किया जा सकता है. यदि नवीनीकरण के दौरान कोई जानकारी अधूरी या त्रुटिपूर्ण प्रदान की जाती है, तो ऐसी स्थिति में सेल/बीएसएल किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा.

शिकारीपाड़ा को 04-00 से हराकर दुमका ने की अपने खिताब की रक्षा

रानेश्वर को परास्त कर जरमुंडी रही तीसरे स्थान पर

विजेताओं को ट्रॉफी के साथ मेडल और प्रशस्ति-पत्र भी मिला

दुमकाःझारखंड शिक्षा परियोजना दुमका के तत्वावधान में दुमका के कमारदुधानी स्थित फुटबॉल स्टेडियम में 64 वीं सुब्रतो मुखर्जी अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता के अंतर्गत 17 वर्ष से कम आयु के स्कूली बच्चियों के लिए जिलास्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई ।प्रतियोगिता में विभिन्न प्रखंडों से जीतकर आई विभिन्न विद्यालय की टीमों ने अपने-अपने प्रखंड का प्रतिनिधित्व किया। प्रतियोगिता में पहली बार दुमका जिले के सभी 10 प्रखंड की टीमों ने तमाम निर्धारित मानक का अक्षरशः पालन करते हुए न सिर्फ भाग लिया बल्कि अपने बेहतरीन प्रदर्शन से उपस्थित दर्शकों को बेहद प्रभावित किया। खिताब की प्रबल दावेदार दुमका की टीम ने फाइनल मुकाबले में शिकारीपाड़ा को 04-00 से हराकर एकबार फिर से खिताब पर कब्जा कर लिया।प्रमंडल स्तरीय मुकाबले में यही टीम दुमका जिला का प्रतिनिधित्व करेगी।गत वर्ष दुमका की टीम ने ही राज्य स्तर भी संताल परगना प्रमंडल का प्रतिनिधित्व किया था। जरमुंडी ने कड़े संघर्षपूर्ण मुकाबले में रानेश्वर को 01-00 से परास्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया । इससे पूर्व पहले सेमीफाइनल मुकाबले में दुमका ने रानेश्वर को 05-00 तथा शिकारीपाड़ा ने जरमुंडी को 01-00 से परास्त कर फाइनल का टिकट लिया था। नाकआउट चरण के मैच में शिकारीपाड़ा ने रामगढ़ को, जरमुंडी ने गोपीकांदर को रानेश्वर ने कठीकुंड को जामा ने सरैयाहाट को दुमका ने जामा को तथा शिकारीपाड़ा ने मसलिया को परास्त कर अगले चक्र में प्रवेश पाया था।प्रतियोगिता में प्रथम,द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करनेवाली टीम को आयोजन समिति द्वारा चमचमाती ट्राफी और मेडल के साथ प्रशस्ति-पत्र भी प्रदान किये गये।प्रतियोगिता के सफलतापूर्वक संचालन में झारखंड शिक्षा परियोजना शिकारीपाड़ा के एमआइएस समन्वयक विजय कुमार,शिक्षक मदन कुमार ,शारीरिक शिक्षक क्रमशः ज्ञानप्रकाश ठाकुर, अमित कुमार,सुमन कुमार, मोइम अंसारी,कुमार नवनीत, शिवराम सिमोन टुड्डू,असीम हेम्ब्रम,प्रीतम मरांडी,जोसेफ मुर्मू,मानवेन्द्र कुमार,राजेश कुमार सरोज,सचिन कुमार,जूली किरण मुर्मू ,संतोष कुमार पटेल,दीपांकर कुमार मंडल,सुहागिनी मुर्मू,रामानंद घोष के साथ रेफरी के रुप में इग्न्यायुस टुड्डू,पिंटू मुर्मू,उमेश टुड्डू तथा लारेंस मुर्मू के अलावा मेडिकल टीम के मीना मुर्मू तथा स्नेह क्रिस्मिटीना मरांडी की भूमिका अहम रही।

अधिक से अधिक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के सहभागी बनें

दुमका : आदित्य नारायण माहाविद्यालय में वन महोत्सव के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम प्राचार्य के नेतृत्व में किया गया।एन.एस.एस. के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. प्रामोद कुमार झा एवं डॉ.अन्हद लाल एवं अन्य कार्यक्रम पदाधिकारी गण उपस्थित थे।कार्यक्रम में भाग लेने वालों में डॉ. जवाहर प्रसाद सिंह, प्रो. सुलेमान हांसदा, डॉ. अमरकांत पोद्दार, डॉ.सुशील चंद्र चौधरी, प्रो. कुमार मनोज, प्रो. के.डी. मंडल, डॉ. बिरेन चंद्र गोराई आदि के साथ ही माहाविद्यालय कर्मी दिनेश पंडित, दीपक रजक, सिद्धनाथ सिंह आदि एवं अन्य अपस्थित थे।कार्यक्रम पर के अवसर पर प्राचार्य ने बताया की प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी वन महोत्सव के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया है । यह सतात कार्यक्रम चलता राहता है।इस मौसम में हम सभी अधिक से अधिक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के सहभागी बनें।

बोकारो स्टील संयंत्र के अधिकारी के आवास का ताला तोड़कर चोरों ने किया 4 लाख के गहने पर हाथ साफ

ऑफिसर्स एसोसिएशन ने जताया विरोध

मामले को खंगाल रही पुलिस का दावा, जल्द होगा उद्भेदन

बोकारो । शहर में चोरी की लगातार बढ़ती वारदातों के बीच चोरों ने बोकारो स्टील संयंत्र के एक अधिकारी के बंद पड़े आवास का भी ताला तोड़कर वहां आलमीरा में रखे लगभग 4 लाख के गहने पर हाथ साफ कर दिया । घटना के वक्त गृहस्वामी अपने भाई के चीरा चास स्थित आवास पर रह रहे थे । घटना शहर के सेक्टर 3 ई आवास संख्या 602 की बतायी जा रही है । इस बारे में मिली जानकारी के मुताबिक इस आवास में रहने वाले गणेश कुमार की पत्नी का पिछले दिनों तबीयत बिगड़ने के बाद गृहस्वामी ने उन्हें बोकारो जेनरल अस्पताल में दाखिल करा दिया । और स्वयं चीरा चास स्थित अपने भाई के आवास पर रहने लगे । और वहीं से अपनी पत्नी को अस्पताल खाना पहुंचाया करते थे । इस दौरान सिर्फ एक या दो बार ही वह अपने सेक्टर 3 ई स्थित आवास पर आए थे । दुबारा जब वह कल अपने सेक्टर 3ई स्थित आवास पर आए तो बाहर से तो ताला सही सलामत दिखा । मगर कमरे के भीतर घुसते ही उनके होश फाख्ता हो गये । वहां उन्होंने देखा कि आलमीरा का ताला टूटा हुआ है । और उसमें रखा सारा सामान अस्त व्यस्त है । तहकीकात करने पर उन्हें आलमीरा में रखे लगभग चार लाख के गहने भी नही दिखे । कमरे का भीतर से नजारा देखने के बाद यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि चोर बाथरूम में लगे ग्रिल का रॉड काटकर कमरे के भीतर घुसे होंगे । और आलमीरा को तोड़ कर उसमें रखे लगभग चार लाख रूपये की गहनों पर हाथ साफ कर दिया इसके स्पष्ट प्रमाण भी दिख रहे हैं । बाद में गृह स्वामी की सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की तफ्तीश में जुट गयी है । इस बीच बोकारो स्टील ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ने जिले के वरीय पुलिस अधिकारियों से मिलकर घटना पर आक्रोष जताया और मामले के शीघ्र उद्भेदन की मांग की । इस पर जिले के पुलिस कप्तान हरविंदर सिंह ने भी त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले के शीघ्र उद्भेदन का भरोसा दिलाया है । साथ ही उन्होंने शहरवासियो से यह अपील भी की है कि अपने घर को अधिक समय तक बंद ना रखे । और बंद रखने की स्थिति में पुलिस को इस बात की पूर्व में सूचना जरूर दें ताकि उसपर निगरानी रखी जा सके । और ऐसे मामलों से बचा जा सके ।

ब्राउन अंडा उत्पादन के लिए दो मदर यूनिट्स को उपलब्ध कराएं गए 3570 एक दिवसीय चूजे

दुमकाः जिले में जे एस एल पी एस के तहत ब्राउन अंडा उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जिले के सदर प्रखंड स्थित मदर यूनिट्स को कुल 3570 डे-ओल्ड चूजे (बी.वी 380 नस्ल) उपलब्ध कराएं गए।इनमें से 1820 चूजे पूनम दीदी (मदर यूनिट संचालक) को तथा 1750 चूजे सुजाता दीदी (मदर यूनिट संचालक) को सौंपे गए। चूजों को मदर यूनिट्स में 14 सप्ताह तक पाला जाएगा, जिसके बाद इन्हें काठीकुंड प्रखंड के ब्रायन अंडा क्लस्टर में चयनित लाभार्थियों को वितरित किया जाएगा।यह पहल न केवल स्थानीय स्तर पर ब्राउन अंडे के उत्पादन को प्रोत्साहित करेगी, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की आजीविका सुदृढ़ करने में भी सहायक होगी। इस क्लस्टर आधारित मॉडल के माध्यम से पोषण, रोजगार और आय वृद्धि को लेकर सकारात्मक प्रभाव की अपेक्षा की जा रही है।

छात्राओं एवं शिक्षकों के साथ बाल संरक्षण के मुद्दों पर कार्यशाला आयोजित

दुमकाः जिला बाल संरक्षण इकाई दुमका एवं प्रवाह संस्था के संयुक्त तत्वावधान में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय शिकारीपाड़ा में छात्राओं एवं शिक्षकों के साथ बाल संरक्षण के मुद्दों पर कार्यशाला आयोजित की गई। विद्यार्थियों के साथ बाल सरक्षण से संबंधित मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान स्कूलों के साथ-साथ समुदाय में बाल संरक्षण के मुद्दों को संबोधित करने में प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता के रूप में शिक्षकों को सशक्त बनाने के साथ-साथ बाल यौन शोषण, मानव तस्करी, बाल विवाह और अशिक्षा से जुड़े विषयों पर विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। कार्यशाला में प्रवाह के परियोजना समन्वयक प्रेम कुमार ने किशोर न्याय अधिनियम 2015, यौन अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। जिला बाल संरक्षण इकाई के प्रतिनिधि मोहम्मद शमीम अंसारी ने देखभाल व संरक्षण के जरूरतमंद बच्चों की सहायता हेतु मिशन वात्सल्य के तहत स्पान्सरशिप योजना के बारे में जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि अनाथ, एकल अभिभावक, गंभीर बीमारी से पीड़ित बच्चों सहित बाल विवाह, बाल मजदूरी, बाल तस्करी एवं अन्य दुर्व्यवहार से पीड़ित बच्चों को जिनका पारिवारिक आय बहत्तर हजार से कम है उन्हे स्पान्सरशिप योजना का लाभ मिलता है।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से पारा लीगल स्वयंसेवक सुशीला हेमब्रम ने बताया कि दिव्यांग बच्चों के अधिकारों के संरक्षण में समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी अति आवश्यक है। दिव्यांग बच्चों को चिन्हित करके प्रखण्ड स्तरीय बाल कल्याण व संरक्षण समिति या जिला समाज कल्याण विभाग तथा चाइल्ड हेल्पलाइन के माध्यम से उनका प्रमाण पत्र बनाने में सहयोग करना हमारा प्राथमिक कर्तव्य है, ताकि दिव्यांग बच्चों को सरकार के योजनाओं से जोड़कर उनके अधिकारों का संरक्षण किया जा सके। कार्यशाला में बाल अधिकार के तहत जीवन जीने का अधिकार, संरक्षण का अधिकार, विकास का अधिकार और सहभागिता का अधिकार, बाल अधिकारों के हनन के विभिन्न प्रकार, बचाव के उपाय सहित मौजूदा समर्थन सेवा और 112 मोबाईल एप तथा चाइल्ड हेल्पलाइन के बारे में भी विस्तार से बताया गया।

पर्चा वितरण कर नुक्कड़ का आयोजन

दुमकाःपूर्व निर्धारित निर्णय के आलोक में सीटू एवं एक्टू के तत्वावधान में व्यापक प्रचार प्रसार अभियान चलाते हुए पर्चा वितरण का कार्यक्रम तथा नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 9 जुलाई के एक दिवसीय देशव्यापी आम हड़ताल को सफल बनाने के लिए धूम का शहर के आम जनमानस नौजवानों सभी वर्ग के मजदूर बुद्धिजीवी वर्गों तथा व्यावसायिक वर्गों से सहयोग का अपील कर सभा किया गया।मौके पर झारखंड परिवहन मजदूर यूनियन के राज्य महामंत्री अखिलेश कुमार झा, देवी सिंह पहाड़िया ,आदिवासी संघर्ष मोर्चा के पलटन हसदा ,निर्माण मजदूर के बैकुंठ शर्मा ,झारखंड परिवहन मजदूर यूनियन के अध्यक्ष गजेंद्र कुमार, उपाध्यक्ष विनोद कुमार आदि मौजूद थे ।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
लघु सिंचाई प्रमण्डल, धनबाद

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के पत्रांक 451 दिनांक 12.06.2025 एवं पी० आर० संख्या 354790 Irrigation (25-26) #D द्वारा प्रकाशित निविदा संख्या DMFT/MIR/DHN/ F2-04/2025-26, Dated 12.06.2025, के Group no. 08,09,10,11 एवं 16 को अपरिहार्य (तकनीकी) कारण से रदद किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता
लघु सिंचाई प्रमण्डल, धनबाद।

PR.NO.356792 Irrigation(25-26):D

झारखण्ड सरकार
कारा निरीक्षणालय
मंडल कारा, जामताड़ा

ई०–निविदा सूचना
अधीक्षक, मंडल कारा, जामताड़ा का कार्यालय।
दूरभाष–06433–222386, फैक्स–06433–222386
e-mail-jmtjail@gmail.com, dj-jamtara@jharkhandmail.gov.in

1	कारा का नाम	मंडल कारा, जामताड़ा
2	विषय	कारा में संसीमित बंदियों के भोजनादि की व्यवस्था हेतु विभिन्न प्रकार के खाद्यानों हरी सब्जी, आलु, फल इत्यादि सामग्री के क्रय/आपूर्ति के निमित ई० निविदा का आमंत्रण (चतुर्थ त्रैमासिक ई०निविदा दिनांक–01.10.2025 से 31.12.2025)
3	ई० निविदा प्रपत्र का मूल्य (Non Refundable) Online स्वीकार की जायेगी।	रू० 5000.00 (पाँच हजार मात्र)
4	वेबसाईट पर अल्कालीन ई० निविदा प्रपत्र के उपलब्ध की तिथि एवं समय	दिनांक–21.07.2025 से 01.08.2025 के अपराहन 05:00 बजे तक।
5	ई० निविदा Online upload करने की तिथि	दिनांक–21.07.2025 से 01.08.2025 के अपराहन 05:00 बजे तक।
6	आपूत्ति हेतु खाद्य सामग्रीयों का नमूना (Sample) जमा करने की तिथि	दिनांक–02.08.2025 से 03.08.2025 के अपराहन 05:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
7	अग्रधन राशि (EMD) (रू० 2500/ से अधिक होने पर) जमा करने की तिथि	दिनांक–02.08.2025 से 03.08.2025 के अपराहन 05:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
8	ई० निविदा खुलने की तिथि/समय/स्थान	दिनांक–04.08.2025 को 11:00 बजे पूर्वाहन अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में उपायुक्त/अपर समाहर्त्ता के उपस्थिति में।

नोट–
1. उपरोक्त संबंधित ई० निविदा झारखण्ड सरकार की वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in पर केवल e-Tender के माध्यम से प्राप्त/स्वीकृत की जायेगी।
2. ई० निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online ही स्वीकार की जायेगी।
3. अतिरिक्त सूचना प्राप्ति हेतु अधीक्षक, मंडल कारा, जामताड़ा के कार्यालय में कार्यालय अवधि में सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। e-Tender को online upload करने से संबंधित जानकारी के लिए NIC Helpline No. 9430342752 से सम्पर्क किया जा सकता है।

अधीक्षक,
मंडल कारा, जामताड़ा।

PR 356811 (Prison) 25-26 (D)

बीसीसीएल BCCL भारत कोकिंग कोल लिमिटेड Bharat Coking Coal Limited
भारत कोकिंग कोल लिमिटेड
(एक मिनीरत्न कम्पनी)
(कोल इण्डिया लिमिटेड का एक अंग)

गोपालीचक कोलियरी
पुटकी बलिहारी क्षेत्र

संदर्भ संख्याः- बी सी सी एल/पी बी क्षे/ गोप0/मॉनसून/2025/570 दिनांकः- 30.05.2025

अपील

कई वर्षों से आप सभी इस बात से अवगत हैं कि गोपालीचक कोलियरी के लीज होल्ड अंतर्गत क्षेत्र- पासी धौड़ा, बाउरी बस्ती, 2 न0 गोपालीचक कॉलोनी , 13 न0, 17 न. घोड़ा, सुदामडीह गोपालीचक, मुंडा पट्टी, न्यू मरीन एवं आस पास सम्पूर्ण क्षेत्र, खासकर धनबाद-बोकारो रोड के पश्चिम के तरफ के सारे कॉलोनी एवं करकेंद बाजार एवं केंदुआडीह कोलियरी के लीज होल्ड अंतर्गत क्षेत्र- राजपूत बस्ती, नया धौरा, नीमतल्ला, ई बी सेक्शन, एतवाल, काठगोला मैदान 4 न0 मुस्लिम बस्ती, केंदुआ बाजार, नैयर पोस्ट ऑफिस कॉलोनी, हिन्दी भवन के समीप, खेरा बस्ती, बाबू बासा बस्ती एवं आस-पास का सम्पूर्ण क्षेत्र विभिन्न सरकारी संस्थानों द्वारा पूर्णतः असुरक्षित घोषित किया जा चुका है और यहाँ पर रहना असुरक्षित है। इन क्षेत्रों के सभी निवासियों को पुनः सूचित किया जाता है कि यह क्षेत्र अग्नि प्रभावित क्षेत्र है एवं इस क्षेत्र में अनेकों बार भू-धसान की घटनाएं हुई है और आगे भी इस तरह की घटनाएँ होने से इंकार नहीं किया जा सकता है। बरसात के मौसम में इस प्रकार की घटनाओं की संभावना काफी अधिक बढ़ जाती है और इसमें जान-माल की क्षति होती है। इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र में जहरीला धुआँ भी काफी निकलता है जिससे आपके स्वास्थ्य पर खराब असर पड़ेगा।

इस कार्यालय के द्वारा आप सभी से समाचार पत्रों के माध्यम से वर्षों से आग्रह किया जा रहा है कि आप सभी इस असुरक्षित क्षेत्र से हटकर सुरक्षित स्थान पर जाए ताकि भविष्य में जान-माल का खतरा ना हो। आप सभी से पुनः आग्रह है कि आप सभी असुरक्षित स्थान से हटकर सुरक्षित स्थानों में अवस्थित हो जायें। सरकार के द्वारा आप सभी के सुरक्षा को ध्यान मे रखते हुए जेएमपी (झरिया मास्टर प्लान) के तहत सुरक्षित आवास का निर्माण कराया गया है। आप आवश्यक प्रमाण-पत्र और दस्तावेज उपायुक्त/JRDA के कार्यालय में आवेदन के साथ जमा कर आवास और मुआवजा पा सकते हैं। इस संबंध में हमारे कार्यालय द्वारा जो न्याय संगत सहयोग हो सकता है वह आपको दिया जाएगा।

कृपया इसे अति आवश्यक समझे एवं शीघ्रति शीघ्र सुरक्षित स्थान पर जाएं। इन अपीलों के बावजूद यदि आप इस क्षेत्र से अन्य सुरक्षित क्षेत्र में पुनर्वास नहीं ले रहे हैं तो जान-माल की क्षति होने पर कोलियरी अथवा बी सी सी एल प्रबंधन जिम्मेदार नहीं होगा और ना ही किसी प्रकार कि क्षतिपूर्ति देय होगी। आप अपने हठ और लापरवाही के लिए स्वयं जिम्मेवार होंगे।

इन क्षेत्रों में रहने वाले बी.सी.सी.एल. कर्मियों को निर्देश दिया जाता है कि यदि उन्हें प्रबंधन के द्वारा वैकल्पिक आवास दिया गया है तो उस आवास में यथा शीघ्र शिफ्ट करें, अन्यथा आपके ऊपर उचित अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती है। यदि उन्हें वैकल्पिक आवास नहीं मिला है, तो अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में संपर्क कर वैकल्पिक आवास हेतु आवेदन करें।
धन्यवाद,

ह0/-
परियोजना पदाधिकारी
गोपालीचक कोलियरी एवं
केंदुआडीह कोलियरी।

यह सूचना बीसीसीएल की वेबसाइट www.bcclweb.in पर भी उपलब्ध है।

आज हड़ताल को सफल बनाने हेतु इंडिया गठबंधन समन्वय सामिति ने की बैठक

मधुबनी, (ईएमएस)। मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के विरोध और ट्रेड यूनियन की हड़ताल को सफल बनाने के लिए सोमवार को पूर्व मंत्री सह नगर विधायक समीर कुमार महासेठ के मधुबनी स्थित आवास पर इंडिया गठबंधन समन्वय समिति जिला इकाई की बैठक आयोजित की गयी। बैठक राजद जिला अध्यक्ष सह संयोजक बीर बहादुर राय की अध्यक्षता में हुआ। बैठक में समन्वय समिति मधुबनी ने संयुक्त रूप से बयान जारी कर कहा कि नोटबंदी के बाद अब सरकार बिहार में वोटबंदी की तैयारी कर रही है। चुनाव आयोग ने फरमान जारी किया है कि 2003 के बाद जिनका भी नाम वोटर लिस्ट में जुड़ा है उन्हें अपना और अपने माता पिता का जन्म और वास का कागज दिखलाना होगा। ऐसा तो कभी नहीं हुआ था। एक महीना का समय दिया गया है और जो लोग कागज नहीं जमा करेंगे उनका नाम वोटर लिस्ट से बाहर कर दिया जाएगा। देश के दस ट्रेड यूनियन ने मोदी सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ 9 जुलाई, 2025 को राष्ट्रीय मजदूर हड़ताल का आह्वान किया हैं। मोदी सरकार ने दशकों से स्थापित 44 श्रम कानूनों का निषेध कर 4 लेबर कोड बनाने का फैसला किया है, जो श्रमिकों के अधिकारों पर कुठाराघात है। उसे वापस लेने की मांग के साथ राष्ट्रीय प्रतिष्ठानों, उपक्रमों और संपत्तियों को बेचे जाने, मजदूरों की मजदूरी और मनरेगा मजदूरी बढ़ाने एवं यूनिवर्सल पेंशन व्यवस्था लाने को मुद्दा बनाया गया है। इंडिया गठबंधन समन्वय समिति, बिहार की हुई बैठक में यह फैसला लिया गया कि हाल में मतदाता पुनरीक्षण के माध्यम से मोदी सरकार के इशारे पर साजिशन भारतीय चुनाव आयोग द्वारा बिहार के प्रवासी मजदूरों, गरीबों और आम मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से हटाने के हिटलरशाही कार्रवाई है। उपरोक्त मुद्दों में शामिल कर मजदूर संगठनों के देशव्यापी हड़ताल को पूर्ण सक्रियता के साथ सड़क पर उतरकर समर्थन देने का निर्णय लिया गया है।एक दिवसीय राष्ट्रीय हड़ताल देश के मेहनतकश वर्ग की पीड़ा, मोदी सरकार द्वारा की जा रही लगातार अनदेखी और उनके अधिकारों के लगातार हो रहे हनन के विरुद्ध देश के मजदूरों किसानों की सामूहिक आवाज है। यह हड़ताल न केवल मजदूरों और कर्मचारियों की लड़ाई है, बल्कि पूरे देश के मेहनतकश, किसान, छात्र, बेरोजगार युवाओं, छोटे दुकानदारों और आम जनता की आवाज है। हम सभी संगठनों, नागरिकों और लोकतंत्र प्रेमियों से अपील करते हैं कि वे 9 जुलाई की आम हड़ताल को सफल बनाने के लिए आगे आएँ और एकजुटता प्रकट करें। बैठक में पूर्व विधायक रामाशीष यादव, राजकुमार यादव, भाकपा माले जिला सचिव ध्रुवनारायण कर्ण, कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुबोध मंडल, पूर्व विधायक कृपानाथ पाठक, मनोज मिश्रा, डिप्टी मेयर अमानुल्लाह खान, सीपीआई जिला सचिव मिथिएश झा, एटक जिला सचिव सत्यनारायण राय, माकपा जिला सचिव मनोज यादव, दिलीप झा, सीटू नेता गणपति झा, वीआईपी जिला अध्यक्ष श्याम सुंदर सहनी, विष्णुदेव चौधरी, राजद के पूर्व जिला अध्यक्ष फ़ुलहसन अंसारी, हनुमान राउत, पवन यादव, प्रदीप प्रभाकर, जिला प्रवक्ता इंद्रजीत राय, राजेंद्र यादव, संजय कुमार यादव, हेमंत सिंह, अमित यादव, सचिन चौधरी, जकी अहमद पम्मू, कांग्रेस के प्रो.अकील अंजुम, मुनीन्द्र कुमार झा, प्रो.मीनू पाठक,वसीम अहमद, सुल्तान शम्सी, गजनफर जलाल गगन, सहित अन्य कई नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बिहार में डायन के शक में एक ही परिवार के पांच सदस्यों को जिन्दा जलाकर मार डाला

पूर्णिया, (ईएमएस)। बिहार के पूर्णिया जिले में एक ही परिवार के पांच लोगों को जिंदा जलाकर मार डालने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। खबर है कि पहले उन पांच सदस्यों की पिटाई की गई और फिर उन्हें जिंदा जला दिया गया। यह लोमहर्षक घटना तेटगामा गांव में हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव के निवासी रामदेव उरांव के बेटे की तीन दिन पहले भूत-प्रेत के साए और इलाज के चलते मौत हो गई थी। दूसरे बेटे की भी तबीयत खराब हो गई थी। गांव वालों को शक था कि उसकी मौत की वजह डायन है। इसी शक के आधार पर गांव वालों ने एक ही परिवार के पांच सदस्यों की बेरहमी से हत्या कर दी। मृतकों में बाबूलाल उरांव, सीता देवी, मंजीत उरांव, रानी देवी और काकतो शामिल हैं। पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक गांव के लोग अपने घर छोड़कर चले गए हैं। यह घटना रविवार रात की है और जिस इलाके में यह घटना हुई वह पूरी तरह आदिवासी बहुल है। यह मामला भूत-प्रेत और काले जादू से जुड़ा है और इसी विवाद के चलते यह घटना हुई। पुलिस ने पास के तालाब से चार शव बरामद किए हैं। सभी शव जली हुई हालत में हैं। पुलिस के अनुसार उन्हें पीटकर जलाया गया या जलाकर मारा गया, यह कहना मुश्किल है। पूरे परिवार को पीटा गया और जिंदा जला दिया गया, उन्हें जलाने के बाद पानी में फेंक दिया गया। इस घटना में अगर कोई बचा तो वह परिवार का बेटा सोनू कुमार था। वह डरकर भाग गया। उसने सुबह 5 बजे पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। लड़के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार परिवार की हत्या में पूरा गांव शामिल था। लड़के ने चार मुख्य आरोपियों के नाम बताए हैं और उनमें से दो को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। दोनों से पूछताछ के दौरान पुलिस उस स्थान पर पहुंची जहां शव छिपाए गए थे। इसके बाद ग्रामीणों की मदद से सभी पांचों शव बरामद किए गए। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लोगों का कहना है गांव के कुछ लोगों को सीता देवी पर डायन होने का शक था। इसी शक के चलते पिछले कुछ सालों से लोग सीता देवी को डायन कहकर प्रताड़ित कर रहे थे। पिछले कुछ महीनों में इस गांव में चार-पांच बच्चों की मौत हो गई थी। उसके बाद लोगों को शक हुआ कि सीता देवी ने ही सभी की हत्या की है। रविवार की शाम को सीता देवी और गांव के कुछ लोगों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। उसके बाद इसी कहासुनी में पूरे परिवार की हत्या कर दी गई।

संक्षिप्त ख़बरें

रेलकर्मियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से कराया अवगत

हाजीपुर, (ईएमएस)। मंगलवार दिनांक 08 जुलाई को मुख्यालय, हाजीपुर में 02 रेलकर्मी/उनके आश्रितों ने पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह से मुलाकात की तथा अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। महाप्रबंधक ने संबंधित विभागों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में मामलों के निष्पादन के निर्देश दिए। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि रेलकर्मियों एवं उनके आश्रितों की विभागीय समस्याओं के निष्पादन के उद्देश्य से महाप्रबंधक से मुलाकात हेतु प्रत्येक मंगलवार का दिन निर्धारित किया गया है। इसके लिए रेलकर्मी अपना नाम पूर्व में कार्मिक विभाग में पंजीकृत करवाकर मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकते हैं।

पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन

हाजीपुर, (ईएमएस)। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार दिनांक 08 जुलाई को मुख्यालय, हाजीपुर में विभागाध्यक्षों एवं अन्य अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की गयी। बैठक के दौरान पांचों मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे। इस बैठक में महाप्रबंधक द्वारा संरक्षित रेल परिचालन, समय-पालन, यात्री सुविधा, माल लदान में बढ़ोत्तरी, रेल संरक्षा सहित पूर्व मध्य रेल पर चल रहे आधारभूत संरचना के विकास से जुड़े कार्यों की समीक्षा की गयी। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि महाप्रबंधक ने पूर्व मध्य रेल द्वारा यात्री सुविधा, सुरक्षा, संरक्षा आदि के संबंध में किये जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने माल लदान में बढ़ोत्तरी हेतु आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिए। निर्माण परियोजनाओं की कार्य प्रगति की मॉनिटरिंग के साथ-साथ उसमें तेजी लाने पर भी महाप्रबंधक ने बल दिया।

मधुबनी जिला में सरकारी सेवकों के सेवांत लाभ से वंचित हैं 29 मामले

मधुबनी, (ईएमएस)। मधुबनी जिला में विभिन्न कार्यालयों से सेवानिवृत्ति 29 कर्मियों को सेवांत लाभ अब तक नहीं मिल पाया है। जिला स्थापना शाखा द्वारा समर्पित प्रतिवेदन के अनुसार जिला के विभिन्न कार्यालय के स्तर पर 29 मामले लंबित हैं। स्थापना उपसमाहर्ता को जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा ने निर्देश दिया है कि सेवांत लाभ से संबंधित लंबित मामलों का अनुसरण करते हुए उसके लंबित मामलों के निष्पादन के लिए उचित कार्रवाई करें। स्थापना उपसमाहर्ता, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं डीपीओ स्थापना को डीएम ने निर्देश दिया है कि सभी अनुमंडल, प्रखंडों से सेवानिवृत कर्मियों का सेवांत लाभ से संबंधित मामलों की सूची प्राप्त कर इसका निष्पादन करना सुनिश्चित करें। अनुमंडल, प्रखंड, अंचल स्तर पर लंबित मामलों की समीक्षा उनके साथ आहूत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में करना सुनिश्चित करें। सभी नियंत्री पदाधिकारी को यह भी निर्देश दिया गया है कि वह यह सुनिश्चित करेंगे कि सेवानिवृत होने वाले कर्मियों से 6 माह पूर्व ही सेवांत लाभ का भुगतान संबंधी प्रपत्र प्रस्ताव स्वीकृति के लिए सक्षम प्राधिकार को भेज दें। ताकि कर्मियों के सेवानिवृत्ति के दिन तक सेवानिवृत होने वाले को देय रकम सेवांत लाभ का भुगतान किया जा सके।

जिला निर्वाचन कार्यालय के नाम से फेक नंबर हो रहा सर्कुलेट

जिला प्रशासन ने किया अलर्ट

मधुबनी, (ईएमएस)। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर मधुबनी जिला निर्वाचन विभाग जोर शोर से मतदाताओं को नए सिरे से मतदाता पहचान पत्र बनवाने के कार्य में लगा हुआ है। इस बीच मधुबनी निर्वाचन कार्यालय के नाम से एक फेक मोबाइल नंबर 6354186398 भारत निर्वाचन आयोग के नाम से सर्कुलेट हो रहा है। जिला प्रशासन द्वारा गलत नंबर की जानकारी देते डीपीआरओ परिमल कुमार ने इसे फेक नंबर बताया है। उन्होंने कहा कि गलत नंबर जिला निर्वाचन के नाम पर सोशल मीडिया में सर्कुलेट किया जा रहा है। यह जिला निर्वाचन कार्यालय मधुबनी का नंबर नहीं है। टोल फ्री नंबर 1950 के आगे जिला कोड 06276 लगाकर जिला निर्वाचन कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान से संबंधित कोई भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

आज अखिल भारतीय संगठन एफएमआरएआई के मेडिकल सेल्स प्रमोशन ईम्प्लाई मांगो के समर्थन में रहेंगे हड़ताल पर

मधुबनी, (ईएमएस)। अखिल भारतीय संगठन एफएमआरएआई के आह्वान पर आज 9 जुलाई को पूरे भारत में मेडिकल एवं सेल्स प्रमोशन इम्प्लाई अपनी मांगों के समर्थन पर हड़ताल पर रहेंगे। इसकी जानकारी बीएसएसआरयू के जिलाध्यक्ष अंकित श्रीवास्तव ने दी। उन्होंने बताया कि संघ की मुख्य मांगों में सरकारी अस्पतालों और संस्थानों में दवा प्रतिनिधियों एसपीईएस के प्रवेश पर प्रतिबंध हटाने, जीवन रक्षक दवाइयां सहित सभी दवाओं को जीएसटी से मुक्त करने, आवश्यक दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करने, सभी दवाओं के निर्माण वितरण और मूल्य निर्धारण पर सार्वजनिक निगरानी लागू करने, निजीकरण पर रोक लगाने और दवा प्रतिनिधियों के लिए न्यूनतम पेंशन 9 हजार रुपया सुनिश्चित करने के अलावा राज्य सरकार से दवा प्रतिनिधियों के लिए न्यूनतम वेतन 26910 घोषित करने, काम के घंटे 8 घंटे तय करने और ओवरटाइम लागू करने सहितअन्य मांग रखी गई है। हड़ताल के आह्वान को सफल के लिए डॉक्टर से भी विजिट नहीं लेने का रिक्वेस्ट किया गया है। मधुबनी शहर के प्रसिद्ध चिकत्सक मैक्स मेडिका के संचालक डॉ. कौशल कुमार झा ने हड़ताल के समर्थन में किसी सेल्स प्रमोशन का हड़ताल के दिन अटेंड करने से इनकार किया है ।

अब तक मधुबनी के सभी विधानसभा क्षेत्रों से 496634 गणना प्रपत्र को किया गया संग्रहण

मधुबनी, (ईएमएस)। मधुबनी जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में संबंधित बीएलओ के माध्यम से गणना प्रपत्र का वितरण तेजी के साथ किया जा रहा है। बीएलओ एवं बीएलओ सहायक के द्वारा प्रपत्र भरने में सहयोग भी किया जा रहा है। भरे हुए प्रपत्र का संग्रह भी तेजी से हो रहा है। अभी तक जिला के सभी विधानसभा क्षेत्रों से अब तक 4,96,634 गणना प्रपत्र का संग्रहण भी किया जा चुका है। जिला पदाधिकारी आंनद शर्मा द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण लगातार मॉनिटरिंग किया जा रहा है। जिलाधिकारी सहित तमाम वरीय पदाधिकारी विशेष गहन पुनरीक्षण के अभियान को लेकर अपने क्षेत्र भ्रमण के क्रम मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के कार्यों का निरीक्षण भी कर रहे है। साथ ही मतदाताओं से मिलकर उनका फीड बैक भी ले रहे है। जिलाधिकारी ने कहा कि 7 जनवरी,2025 को प्रकाशित निर्वाचक सूची में जिन मतदाताओं के नाम शामिल हैं, सभी को फॉर्म भरना है। यह कार्य निर्वाचक सूची की शुद्धता के लिए करना आवश्यक है। यह फॉर्म 26 जुलाई तक भरे जाने हैं। अभी 19 दिन शेष है। उन्होंने बताया कि इस कार्य में पर्याप्त संख्या में बीएलओ सहयोगी बीएलओ को सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 2003 की मतदाता सूची निर्वाचन आयोग के वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध है. जिसे कोई भी देख सकता है। जिलाधिकारी ने कहा कि संग्रहण किए गए फॉर्म का तेजी के साथ अपलोड भी किया जा रहा है। जिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि हाउस टू हाउस सर्वेक्षण का कार्य 25 जून से प्रारंभ हुआ है। जो 26 जुलाई तक चलेगा। ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन 1अगस्त 2025 को कराया जाएगा। इसके पश्चात दावा-आपत्ति की अवधि 1अगस्त से 1 सितंबर तक निर्धारित की गई है। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 30 सितंबर 2025 को किया जाएगा। जिला पदाधिकारी, आनंद शर्मा ने मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर निर्देश दिया है कि कोई भी जिला स्तरीय अधिकारी संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी की पूर्व स्वीकृति के बिना ब्लॉक या पंचायत स्तर पर किसी भी अधिकारी को छुट्टी स्वीकृत नहीं करेगा। जिलाधिकारी ने अपने आदेश में कहा है कि वर्तमान में ये विभागीय अधिकारी जनप्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपी एक्ट) के तहत काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस निर्देश का उल्लंघन करने पर नियमानुसार करवाई की जाएगी।

गिरिराज सिंह ने, बिहार में अपराधिक घटनाओं को नीतीश कुमार के खिलाफ राजनीतिक षड्यंत्र बताया

पटना (ईएमएस)। बिहार की राजधानी पटना में कारोबारी गोपाल खेमका हत्याकांड पर केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय से भाजपा सांसद गिरिराज सिंह ने बड़ा बयान आया है। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ राजनीतिक षड्यंत्र बताया है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि राजनीतिक गैंग के जरिए सोची-समझी साजिश के साथ इस तरह के अपराध से बिहार सरकार को बदनाम करने की साजिश हो रही है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज ने कहा, नीतीश कुमार को बदनाम करने, आतंक फैलाने, अपराध करने और राजनीतिक समर्थन वाले अपराध को बढ़ावा देने की साजिश रची है। कुछ लोग जानबूझकर नीतीश की छवि खराब करने के लिए इस तरह की हरकतें कर रहे हैं, लेकिन साजिश के पीछे की सच्चाई सामने आने वाली है।

राहुल गांधी और तेजस्वी की जोड़ी आज पटना की सड़कों पर

बिहार बंद से गरमाई सियासत, महागठबंधन दिखाएगा ताकत

पटना,(ईएमएस)। बिहार में चुनावी माहौल गरमाने लगा है। विपक्षी महागठबंधन 9 जुलाई को बिहार बंद के समर्थन में पटना की सड़कों पर उतरने को तैयार है। इस 'बंद' की अगुवाई करेंगे आरजेडी नेता तेजस्वी यादव और कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, जिनकी जोड़ी को विपक्ष अब 'जय-वीरू' की तरह पेश कर रहा है।यहां बताते चलें कि बिहार बंद का आह्वान लेफ्ट दलों और ट्रेड यूनियनों ने किया है, जिसे महागठबंधन का भी जोरदार समर्थन मिला हुआ है। बिहार बंद की पृष्ठभूमि में दो बड़े मुद्दे हैं, जिसमें पहला नई श्रम संहिता का विरोध है। इसके अंतर्गत ट्रेड यूनियन इसे मज़दूर विरोधी बताते हुए वापस लेने की मांग कर रहे हैं। जबकि दूसरा मुद्दा वोटर लिस्ट का विशेष गहन पुनरीक्षण है, चुनाव आयोग द्वारा शुरू की गई इस प्रक्रिया में मतदाताओं से नागरिकता साबित करने के लिए दस्तावेज मांगे जा रहे हैं।

तेजस्वी ने बताया 'वोटबंदी'

तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि यह दलितों, गरीबों और अल्पसंख्यकों के वोट काटने की साजिश है। उन्होंने कहा कि आधार कार्ड जहां नए वोटर आईडी के लिए मान्य है, वहीं इस प्रक्रिया में अमान्य करार दिया गया है। बंद को लेकर तेजस्वी ने कहा कि यह बंद केवल श्रमिकों का नहीं है, यह संविधान बचाने की लड़ाई है। वोट मांगने से पहले सरकार बताए कि वोट देने का अधिकार छीना क्यों जा रहा है?

राहुल गांधी चक्का जाम में होंगे शरीक

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पटना में चक्का जाम में शरीक होंगे और चुनाव आयोग तक मार्च करेंगे। सूत्रों के अनुसार, वह उद्योगपति गोपाल खेमका हत्याकांड के पीड़ित परिवार से भी मिल सकते हैं।महागठबंधन इस बंद को राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के रूप में देख रहा है। इंडिया ब्लॉक के नेता पटना में एकजुट होकर शक्ति प्रदर्शन करने को बेताब नजर आए हैं। इस बंद का उद्देश्य भाजपा को जमीनी स्तर पर घेरना, खासकर मतदाता सूची विवाद और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर जनता के समक्ष मुद्दे को ले जाना है। इस बंद को लेकर सियासी गलियारों में चर्चा है कि तेजस्वी-राहुल की सार्वजनिक एकजुटता बिहार चुनाव में विपक्षी एकता का मजबूत संदेश देगी।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

बिहार पुलिस ने बिहार बंद को देखते हुए राजधानी पटना सहित सभी प्रमुख जिलों में कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन से निगरानी की जाएगी और प्रमुख सड़कों पर बैरिकेडिंग व अतिरिक्त बल की तैनाती के साथ ही सीसीटीवी से निगरानी की जाएगी। डीजीपी आलोक राज ने कहा, कि कानून-व्यवस्था से कोई समझौता नहीं होगा। जो उपद्रव करेगा, उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पंचायत उप निर्वाचनः 10 प्रखंडों में 84 मतदान केंद्रों पर आज होगा मतदान

कड़ी सुरक्षा में सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा मतदान

मधुबनी, (ईएमएस)। पंचायत उप निर्वाचन 2025 के तहत आज दिनांक 9 जुलाई को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण में मतदान संपन्न करवाने को लेकर सभी तैयारियों को पूरी कर ली गई है। मधुबनी के जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि मतदान के दौरान निर्वाचन आयोग द्वारा जारी सभी निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि ससमय अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर पहुंचकर नियंत्रण कक्ष को सूचित करें। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में मोबाइल स्विच ऑफ नहीं रहना चाहिए। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि मंगलवार को ही सभी अधिकारी अपने अपने संबंधित मतदान केन्द्रों पर जाकर वहां उपलब्ध सभी सुविधाओं का जायजा ले लें और रास्तों को भी समझ लें। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी परिस्थिति में संबंधित प्रखंडों के बज्र गृह तक ईवीएम मशीनों को जमा करने के बाद ही अपनी ड्यूटी को पूर्ण समझें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि किसी अप्रिय घटना की सूचना तत्काल अनुमंडल पदाधिकारी एवं जिला मुख्यालय को प्रेषित करें। उन्होंने कहा कि अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी निगाह रखी जा रही है। किसी भी सूरत में उपद्रवी तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा।

10 प्रखंडों में 84 मतदान केंद्रों पर होगा चुनाव, सुरक्षा के तगड़े इंतजाम

विदित हो कि यह पंचायत उप चुनाव जिले के 10 प्रखंडों में 84 मतदान केंद्रों पर आज बुधवार सुबह 7 बजे से संध्या 5 बजे तक होगा।

खेमका हत्याकांडः एमएलसी का करीबी है शूटर उमेश तो मास्टरमाइंड अशोक साव निकला

पटना(ईएमएस)। व्यवसायी गोपाल खेमका हत्याकांड में पटना पुलिस ने बड़ी सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने इस सनसनीखेज मामले में मुख्य शूटर उमेश यादव उर्फ विजय को गिरफ्तार कर लिया है जो सूत्रों के मुताबिक एक प्रभावशाली एमएलसी का करीबी है। शूटर उमेश का एमएलसी कनेक्शन-जांच में पता चला कि गोपाल खेमका की हत्या की साजिश बेऊर जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर अजय वर्मा के इशारे पर रची गई हो सकती है।सूत्रों के अनुसार, शूटर उमेश यादव एक एमएलसी के करीबी के रूप में जाना जाता है जिनका नाम अभी गोपनीय रखा गया है। उमेश ने पूछताछ में खुलासा किया कि उसे अशोक कुमार साव ने 3.5 लाख रुपये की सुपारी दी थी। अशोक कुमार साव के बारे में बताया जाता है कि वह पहले सरिया का कारोबार करता था, लेकिन अब बड़ा बिल्डर है। पटना पुलिस को शक है कि हत्या के पीछे जमीन विवाद या कारोबारी रंजिश मुख्य कारण हो सकता है।हत्याकांड का मास्टरमाइंड सरिया कारोबारी से बिल्डर बना अशोक कुमार साव भी पुलिस की गिरफ्त में है। पुलिस आज इस मामले में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कई बड़े खुलासे कर सकती है। बता दें कि पटना के बड़े कारोबारी गोपाल खेमका की हत्या बीते 4 जुलाई की रात गांधी मैदान थाना क्षेत्र में उनके अपार्टमेंट के बाहर गोली मारकर की गई थी। सीसीटीवी फुटेज में हेलमेट पहने शूटर उमेश को 6 सेकंड में वारदात को अंजाम देते हुए देखा गया।इसके बाद पटना पुलिस ने बेऊर जेल में छापेमारी के बाद अहम सुराग हासिल किए थे। इस छापेमारी में तीन मोबाइल, सिम कार्ड और संदिग्ध नंबरों की पर्ची बरामद हुई थी। बता दें कि शूटर उमेश यादव को गिरफ्तार करने के बाद पटना पुलिस ने पटना सिटी और हाजीपुर इलाके में भी छापेमारी की। अब तक पटना पुलिस ने छह लोगों को हिरासत में लिया है। इस क्रम में सोमवार को एसआइटी बेऊर जेल गयी थी जहां बंद कुख्यात अजय वर्मा से पूछताछ की गयी। इस पूछताछ में पटना पुलिस को अहम जानकारी हाथ लगी और शूटर उमेश यादव को उस समय दबोच लिया गया जब वो अपने बच्चे को लाने उसके स्कूल जाने निकला था। इसके बाद मास्टरमाइंड अशोक कुमार साव का भी पता लग गया। इस बीच शूटर उमेश यादव की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल पिस्तौल, स्कूटी और 3 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। पटना पुलिस ने उदयगिरी अपार्टमेंट में छापेमारी कर अशोक साव को हिरासत में लिया। डीजीपी विनय कुमार ने दावा किया कि सभी आरोपियों को जल्द सजा दिलाई जाएगी।

नवोदय विद्यालय मामले में प्रिंसिपल वार्डन पर हत्या का आरोप

दरभंगा : नवोदय विद्यालय में आठवीं कक्षा के छात्र यतिन गौतम की संदिग्ध हालात में मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। परिजन इसे आत्महत्या मानने से इंकार कर रहे हैं और स्कूल प्रशासन पर रैगिंग व टॉर्चर का गंभीर आरोप लगा रहे हैं। मृतक के चाचा अजय साहू ने प्रिंसिपल और हॉस्टल वार्डन पर हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया है। यतिन के पिता संतोष कुमार साहू भाजपा के मंडल महामंत्री हैं जबकि माता रूबी देवी केवटी पंचायत की मुखिया हैं। राजनीतिक रसूख के बावजूद परिजनों का आरोप है कि स्कूल प्रशासन ने छात्र की मौत की सूचना देने में भी लापरवाही बरती। परिजनों के मुताबिक घटना से पहले रात करीब 11 बजे यतिन ने अपने चाचा अजय साहू को फोन किया था। फोन पर उसने बताया था कि सीनियर छात्र उसे पीटते हैं और प्रताड़ित करते हैं। उसने कहा था कि मैं अब यहां नहीं रहूंगा। इसके बाद पिता ने उसे समझाकर कहा था कि वे अगले दिन स्कूल आएंगे। परिजन जब गुरुवार सुबह स्कूल पहुंचे तो यतिन का शव हॉस्टल के कमरे में पंखे से लटका मिला। मृतक के चाचा अजय साहू ने कहा कि जिस कमरे में यतिन रहता था, वहां 19 छात्र रहते हैं। लेकिन घटना के वक्त बाकी छात्र कहां थे, यह साफ नहीं है। हैरानी की बात यह भी है कि शव जिस बेड के पास मिला, वह बेड यतिन का नहीं था। ऐसे में यह मामला आत्महत्या कम और हत्या ज्यादा लग रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यतिन पांच दिन पहले ही घर से हॉस्टल में रहने लौटा था। वह दो भाइयों में छोटा था और उसकी बहन भी नवोदय विद्यालय में 11वीं कक्षा में पढ़ती है। यतिन की मां मुखिया रूबी देवी ने भी हत्या की आशंका जाहिर की है। उन्होंने कहा कि "बीती रात आफताब आलम नाम के एक छात्र ने फोन किया था और कहा था कि बेटा बात करेगा। बातचीत में यतिन ने बताया कि स्कूल के कुछ लड़के उसे टॉर्चर करते हैं और लगी चोट ठीक नहीं हो रही है। हमें शक है कि रात में ही उसकी हत्या कर दी गई। स्कूल प्रशासन ने मेरी बेटी को तो घर भेज दिया लेकिन यतिन के बारे में कोई सूचना नहीं दी।

संक्षिप्त ख़बरें

उत्तरकाशी में आए भूकंप के झटके

उत्तरकाशी(ईएमएस)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में मंगलवार को भूकंप के झटकों ने लोगों को दहशत में डाल दिया। दोपहर 1 बजकर 7 मिनट पर आए इस भूकंप की पुष्टि राज्य के आपदा कंट्रोल रूम और राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र दोनों ने की है। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.2 मापी गई और इसका केंद्र जमीन से लगभग 5 किलोमीटर नीचे था। भूकंप के झटके कुछ ही क्षणों के लिए महसूस हुए, लेकिन इतने थे कि कई लोग डर के मारे घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने भूकंप के झटके महसूस होने की पुष्टि की और कई जगहों से छोटे स्तर की कंपन की रिपोर्ट मिली। राहत की बात यह है कि समाचार लिखे जाने तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं आई है।

इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

इंदौर(ईएमएस)। इंदौर से रायपुर जा रही इंडिगो की फ्लाइट में उड़ान के करीब आधे घंटे बाद तकनीकी खराबी आ गई। विमान की इंदौर में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इसके बाद फ्लाइट रद्द कर दी गई। पैसेंजर्स को टिकट का पैसा वापस लेने या बुकिंग रीशेड्यूल करने के विकल्प दिए गए हैं। विमान ने मंगलवार सुबह 6:35 बजे रायपुर के लिए टेक ऑफ किया था। यात्रियों ने बताया कि फ्लाइट में अचानक जोर का झटका महसूस हुआ। जिसके कुछ ही देर बाद पायलट ने फ्लाइट को वापस इंदौर लाने की घोषणा की। इसे सुबह 7:15 बजे सुरक्षित लैंड करा लिया गया।

छांगुर की कोठी पर चला बुलडोजर

बलरामपुर(ईएमएस)। यूपी में धर्मांतरण के मास्टरमाइंड जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की कोठी पर बुलडोजर एक्शन हुआ। बलरामपुर में मंगलवार को प्रशासन की टीम 3 बुलडोजर लेकर पहुंची और कोठी में अवैध निर्माण को तोड़ा। यह कोठी छांगुर बाबा की महिला मित्र नीतू उर्फ नसरीन के नाम पर है। नीतू का धर्मांतरण करके बाबा ने उसे नसरीन नाम दिया था। 3 करोड़ लागत से 3 बीघा में बनी यह कोठी छांगुर बाबा का अड्डा था। एटीएस का दावा है कि वह यहीं से धर्मांतरण का नेटवर्क चलाता था। मंगलवार सुबह 10 बजे प्रशासन की टीम कोठी पर पहुंची तो मेन गेट पर ताला लगा था। अफसरों की निगरानी में ताला तोडक़र टीम अंदर गई।

पंजाब में सेहत कार्ड योजना लॉन्च 10 लाख तक मुफ्त इलाज

चंडीगढ़(ईएमएस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री सेहत बीमा योजना लॉन्च की। इस योजना के तहत पंजाब के हर व्यक्ति के सेहत कार्ड बनाए जाएंगे। सेहत कार्ड से उन्हें 10 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। 2 अक्टूबर से कार्ड बनने शुरू हो जाएंगे। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि इस योजना में बड़े-बड़े अस्पताल शामिल हैं। लोगों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। लोग पहले नीले-पीले कार्डों के चक्कर में फंसे रहते थे। अब सेहत कार्ड के जरिए हमने तय किया है कि जो पंजाब का निवासी होगा, उसे हर हाल में इलाज मिलेगा।

गोपाल खेमका की हत्या बिल्डर ने कराई, आरोपी अशोक साह गिरफ्तार, एक आरोपी एनकाउंटर में ढेर

पटना (ईएमएस)। बिहार के कारोबारी गोपाल खेमका की हत्या बिल्डर अशोक साह ने कराई थी। दोनों के बीच कारोबार को लेकर विवाद था। हत्या के लिए अशोक साह ने शूटर उमेश को हायर किया था। उमेश ने ही गोपाल खेमका को 4 जुलाई को घर के गेट पर गोली मारी थी। पुलिस ने सोमवार को बिल्डर अशोक साह, शूटर उमेश को गिरफ्तार किया। पुलिस ने शूटर के पास से 3 लाख कैश बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि उदयगिरि अपार्टमेंट के फ्लैट संख्या 601 से अशोक साह को गिरफ्तार किया गया। इस फ्लैट में कभी कुख्यात अशोक सम्राट और बृजबिहारी का सहयोगी रत्नेश्वर साह भी रहता था। शूटर उमेश की निशानदेही पर पुलिस गन सप्लायर विकास से पूछताछ करने पटना सिटी के मालसलामी इलाके में पहुंची थी। इसी दौरान विकास ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उसे ढेर कर दिया। एनकाउंटर मंगलवार तडक़े 4 बजे हुआ। घटनास्थल से 1 पिस्टल, गोली और खोखा बरामद किया गया है। विकास उर्फ राजा के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल भेज दिया गया है। उस पर पहले से कई मामले दर्ज थे।

एएआईबी ने अहमदाबाद विमान हादसे की शुरुआती जांच रिपोर्ट मंत्रालय को सौंपी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अहमदाबाद विमान हादसे की विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने शुरुआती रिपोर्ट सौंपी है। यह रिपोर्ट नागरिक उड्डयन मंत्रालय को सौंपी गई है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि जो रिपोर्ट सौंपी गई है वह जांच के शुरुआती निष्कर्षों पर आधारित है। एएआईबी ने दुर्घटना की जांच की। जांच के बाद एक शुरुआती रिपोर्ट तैयार की है। बता दें 12 जून को लंदन जाने वाली एयर इंडिया की बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर अहमदाबाद से उड़ान भरने के तुरंत बाद एक हॉस्टल से टकरा गई थी। इस हादसे में विमान में सवार 241 लोगों की जान चली गई थी। एक यात्री बच गया था। ब्लैक बॉक्स 13 जून को दुर्घटना स्थल से बरामद हुआ था। हाल ही में नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने बताया था कि अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान हादसे की ब्लैक बॉक्स की जांच भारत में ही हो रही है। एएआईबी इसकी जांच कर रहा है। मंत्री ने उन खबरों को गलत बताया जिनमें कहा जा रहा था कि ब्लैक बॉक्स को जांच के लिए विदेश भेजा गया है। नायडू ने कहा ब्लैक बॉक्स भारत में ही है। उन्होंने साफ कहा कि ब्लैक बॉक्स को विदेश नहीं भेजा गया है।

खनिज संसाधनों का इस्तेमाल दूसरों के खिलाफ हथियार के रूप में नहीं हो

नई दिल्ली,(ईएमएस)। पीएम नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स देशों से अहम खनिजों की सप्लाई चेन को सुरक्षित रखने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि इन सप्लाई चेन पर किसी भी देश का एकाधिकार नहीं होना चाहिए। ब्राजील के रियो डी जनेरियो में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने चेतावनी दी कि रणनीतिक संसाधनों का इस्तेमाल हथियार के रूप में नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी देश को इन संसाधनों का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए या दूसरों के खिलाफ हथियार के रूप में नहीं करना चाहिए। उनका इशारा चीन की ओर था, जो दुर्लभ पृथ्वी के खनिजों के उत्पादन में सबसे आगे है। पीएम मोदी ने ब्रिक्स देशों से मिलकर काम करने और सप्लाई चेन को सुरक्षित बनाने का आह्वान किया। उन्होंने वैश्विक संस्थानों में सुधार की बात कही ताकि विकासशील देशों को ज्यादा महत्व मिल सके। बता दें हाल ही में चीन ने दुर्लभ धातुओं के निर्यात पर नियंत्रण बढ़ा दिया है। ये धातुएं स्वच्छ ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए बहुत जरूरी हैं। कई देश इसे चीन का आर्थिक दबाव बनाने का तरीका मान रहे हैं। भारत, ब्राजील, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका ब्रिक्स समूह के सदस्य हैं। अब इस समूह में 11 देश शामिल हो गए हैं। पीएम मोदी ने सभी देशों से मिलकर सप्लाई चेन को सुरक्षित बनाने और तकनीकी सहयोग बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, आईएमएफ, विश्व बैंक और डब्ल्यूटीओ जैसे संगठनों में बदलाव की मांग की। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों में विकासशील देशों को ज्यादा महत्व मिलना चाहिए।

दुनिया के कई देशों में जून का महीना रहा सबसे गर्म, यूएन ने जताई चिंता

नई दिल्ली,(ईएमएस)। जून 2025 का महीना 12 देशों के लिए अब तक का सबसे गर्म महीना रहा, जबकि 26 अन्य देशों में भी रिकॉर्ड स्तर की गर्मी पड़ी। यूरोप, एशिया और अफ्रीका के करीब 790 मिलियन लोग इस खतरनाक गर्मी से प्रभावित हुए। आंकड़ों के मुताबिक यह बढ़ती गर्मी जलवायु परिवर्तन का संकेत है। पश्चिमी और दक्षिणी यूरोप में जून के अंत में पड़ी लू ने बेल्जियम, फ्रांस और नीदरलैंड जैसे देशों को बुरी तरह झुलसा दिया। स्विट्जरलैंड, इटली और सभी बाल्कन देशों में तापमान जून के औसत से 3 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। जापान में 1898 से रिकॉर्ड रखे जाने के बाद से सबसे गर्म जून रहा। 14 शहरों में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ी। समुद्री तापमान भी सामान्य से 1.2 डिग्री ज्यादा रहा।

देशभर में जमकर बरस रहे बदरा, अब तक सामान्य से 15 प्रतिशत ज्यादा बारिश

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देशभर में दक्षिण-पश्चिम मानसून जमकर बरस रहा है। मानसून सीजन में अब तक सामान्य से 15 प्रतिशत ज्यादा बारिश हो चुकी है। वर्तमान में 221.6एमएम बारिश होनी थी, लेकिन 254 एमएम बारिश हो चुकी है। मध्य प्रदेश में लगातार हो रही बारिश से बालाघाट, मंडला, सिवनी, नर्मदापुरम और कटनी सहित कई जिलों में बाढ़ के हालात बन गए हैं। अनूपपुर में पुल टूटने से कार बह गई। इसमें पति-पत्नी और 2 बच्चों की मौत हो गई।

वहीं हिमाचल प्रदेश में बीते 6 दिन में तेज बारिश के चलते 14 लोगों की मौत हुई है, जबकि 28 लापता हैं। हालांकि, अब मौसम सामान्य हो गया है। वहीं, उत्तराखंड के पीपलकोटी में बद्रीनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड से रास्ता बंद हो गया है। देहरादून में घरों में पानी घुस गया है।

छत्तीसगढ़ में बीते 3 दिनों से जोरदार बारिश हो रही है। बिलासपुर में कई इलाके डूबे हैं। इधर, राजस्थान के 20 से ज्यादा जिलों बारिश जारी है। दौसा में दीवार ढहने से महिला की मौत हो गई। झुंझुनूं में बाघोली नदी के तेज बहाव से एनएच-52 को जोड़ने वाली सड़क धंस गई।

मध्यप्रदेश के दमोह में भारी बारिश से बटियागढ़-छतरपुर मार्ग पर जूड़ी नदी का पुल डूब गया है। दमोह-कटनी मार्ग पर पटेरा के पास ब्यारमा नदी का पुल डूबने से यातायात रुक गया है। दमोह-पथरिया मार्ग पर कोपरा नदी के पुल पर पानी आने से वह मार्ग भी बंद है।

सागर में सुबह 3 बजे से शुरू हुआ बारिश का सिलसिला सुबह 8 बजे तक चलता रहा। 6 घंटे हुई झमाझम बारिश में करीब 163 एमएम से अधिक बारिश दर्ज हुई है। मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित बंडा तहसील में भयंकर बारिश हुई। सागर की देवरी क्षेत्र में एक बड़ी दुर्घटना भी देखने को मिली। जहां आकाशीय बिजली गिरने से सुजानपुर ग्राम पंचायत के सरपंच सुरजीत सिंह लोधी (गुड्डू) की मौत हो गई। वह अपने खेत से घर लौट रहे थे, जहां रास्ते में आकाशीय बिजली के प्रकोप का शिकार हो गए।

ग्रेटर नोएडा के दादरी में रेलवे रोड पर एक निर्माणाधीन 4 मंजिला मकान ढह गया। बारिश के कारण मकान का निर्माण काम पहले से ही रुका हुआ था। रविवार को हुई तेज बारिश से मकान की नींव में पानी भर गया। सोमवार देर रात मकान पूरी तरह से ढह गया। घटना के समय मकान में कोई नहीं था। निर्माण काम बंद होने के कारण सभी मजदूर पहले ही वहां से जा चुके थे।

पश्चिम बंगाल के पश्चिम मिदनापुर के खड़गपुर भारी बारिश और कम विजिबिलिटी के कारण ट्रक फ्लाईओवर की रेलिंग तोड़कर रेलवे ट्रैक पर गिर गया। हादसे में ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। रेलवे अधिकारियों ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

महाराष्ट्र के भंडारा जिले में लगातार हो रही भारी बारिश से नदियां और नाले उफान पर हैं। इसके चलते 13 सड़कें बंद करनी पड़ी हैं। प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले गांवों को सतर्क रहने की सलाह दी है। उत्तराखंड के चमोली जिले में नंदप्रयाग घाट के आगे मुख गांव में बादल फटने की खबर है। फिलहाल किसी जानमाल के नुकसान की जानकारी नहीं है। एसडीआरएफ की टीम मौके के लिए रवाना हो गई है।

बरेली और बाराबंकी में एएनटीएफ का बड़ा एक्शन

करोड़ों रुपये की ड्रग्स जब्त कई तस्कर गिरफ्तार

लखनऊ,(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। बरेली और बाराबंकी में पुलिस ने अभियान चलाकर करोड़ों रुपये की ड्रग्स जब्त कर कई तस्करों को गिरफ्तार किया है। दरअसल एएनटीएफ की बरेली यूनिट ने एक हाईटेक महिला तस्कर गिरोह का पर्दाफाश किया है। गिरोह पूर्वोत्तर से पश्चिमी भारत तक नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल था। इस कार्रवाई में असम निवासी प्रियंका दास और बरेली निवासी सिमरन कौर को गिरफ्तार किया है। इनके पास से भारी मात्रा में अवैध हेरोइन और अन्य मादक पदार्थ, क्रिप्टोकरेंसी सर्वर, लैपटॉप, आईपैड, मोबाइल, हाइड्रोक्लोरिक एसिड, डिजिटल तुला, अवैध असलहा और तस्करी में इस्तेमाल की गई एक गाड़ी बरामद हुई है। इनके खिलाफ बारादरी थाने में एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ है। यह गिरोह डिजिटल और हाईटेक माध्यमों का उपयोग कर तस्करी करता था। एएनटीएफ की बाराबंकी यूनिट ने एक अन्य बड़ी कार्रवाई में मुजफ्फरपुर जिले से राजेश तिवारी नामक तस्कर को गिरफ्तार किया है। यह तस्कर बिहार से मॉर्फिन की तस्करी में शामिल था। आरोपी राजेश तिवारी के पास से 2 किलो 60 ग्राम अवैध मॉर्फिन बरामद हुई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत लगभग 4.10 करोड़ है। इसके अलावा एक बोलेरो गाड़ी, मोबाइल फोन और आईडी कार्ड भी जब्त किए गए हैं। पूछताछ में राजेश ने बताया कि उस यह मादक पदार्थ पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में एक व्यक्ति ने सौंपा था, जिसे वह पूर्वी चंपारण पहुंचाने वाला था। एएनटीएफ अब इस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है ताकि इसके पीछे के मास्टरमाइंड तक पहुंचा जा सके। ये दोनों कार्रवाइयां वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गईं। एएनटीएफ की इस दोहरी कार्रवाई से नशे के कारोबारियों को एक कड़ा संदेश दिया गया है कि उत्तर प्रदेश में नशीले पदार्थों की तस्करी को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश- 26 दिन बाद आई शुरुआती जांच रिपोर्ट

नई दिल्ली(ईएमएस)। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने अहमदाबाद विमान हादसे के 26 दिन बाद प्राइमरी जांच रिपोर्ट मंगलवार को केंद्र सरकार को सौंपी। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, प्राइमरी रिपोर्ट शुरुआती जांच में मिले सबूतों और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर तैयार की गई है। इससे पहले 28 जून को केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने बताया था कि विमान हादसे की जांच सभी पहलुओं से की जा रही है, जिसमें साजिश (सैबोटाज) की संभावना को भी खंगाला जा रहा है। वहीं, 3 महीने में विस्तृत जांच रिपोर्ट आ सकती है। 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 टेकऑफ के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें 241 यात्री और क्रू मेंबर शामिल थे। सिर्फ एक यात्री इस हादसे में जिंदा बचा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा था कि हादसे की वजह अभी स्पष्ट नहीं है कि यह इंजन फेलियर, फ्यूल सप्लाई की समस्या या कोई तकनीकी गड़बड़ी की वजह से हुआ। ब्लैक बॉक्स भारत में ही है, उसे विदेश नहीं भेजा जाएगा।

ज्वैलरी शॉप में घुसे बदमाश, रोकने पर व्यापारी को मारी गोली

सूरत। गुजरात के सूरत में लूटपाट करते समय चार हथियारबंद लुटेरों ने एक सराफा व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी और एक को घायल कर दिया। डीएसपी ने बताया कि घटना सोमवार की रात को हुई इस वारदात के बाद तीन लुटेरे भागने में कामयाब रहे जबकि एक को लोगों ने पीछा कर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अन्य आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने बताया कि सोमवार रात चार हथियारबंद लुटेरे सचिन इलाके में श्रीनाथ ज्वैलर्स शोरूम में घुसे।

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की रिपोर्ट में खुलासा

ई-कॉमर्स वेबसाइट्स की मदद से भारत में हुए आतंकी हमले

नई दिल्ली(ईएमएस)। दुनियाभर में आतंकी गतिविधियों के लिए होने वाली फंडिंग पर नजर रखने वाली फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने ई-कॉमर्स वेबसाइटों के दुरुपयोग को लेकर चेतावनी दी है। टास्क फोस ने कहा कि आतंकवाद को फंड देने के लिए अब ई-कॉमर्स वेबसाइटों और ऑनलाइन पेमेंट सेवाओं का इस्तेमाल किया जा रहा है।

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने अपनी रिपोर्ट में 2019 के पुलवामा आतंकी हमले और 2022 में गोरखनाथ मंदिर पर हुए हमले का जिक्र किया है। इन दो मामलों का उदाहरण देते हुए फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने बताया कि किस तरह ये सेवाएं गलत हाथों में जाकर आतंक को बढ़ावा देने का जरिया बन रही हैं।

आतंकवाद की फंडिंग को समझ नहीं पा रहे कई देश

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की इस रिपोर्ट का नाम 'कॉम्प्रिहेंसिव अपडेट ऑन टेररिस्ट फाइनेंसिंग रिस्क' है। यह रिपोर्ट बताती है कि बहुत से देशों में आतंकवाद की फंडिंग को समझने और रोकने की क्षमता में अब भी बड़ी कमियां हैं, और अगर इन्हें समय पर ठीक नहीं किया गया तो आतंकी संगठन मौजूदा कमजोरियों का फायदा उठाते रहेंगे। इसमें यह बताया गया है कि किस तरह आतंकी संगठन अंतरराष्ट्रीय फाइनेंशियल सिस्टम का इस्तेमाल अपनी गतिविधियों को जारी रखने और हमले करने के लिए करते हैं। इस रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि आतंकवाद से जुड़ी फंडिंग की रणनीतियां एक जैसी नहीं होतीं, बल्कि अलग-अलग जगहों पर, अलग परिस्थितियों के हिसाब से अलग तरीके अपनाए जाते हैं।

अमेजन से मंगवाया गया विस्फोटक

14 फरवरी 2019 को सीआरपीएफ का एक काफिला श्रीनगर-जम्मू हाईवे से गुजर रहा था। ट्रक पुलवामा के पास पहुंचा था, तभी एक सुसाइड अटैकर 200 किलो विस्फोटक लदी मारुति ईको कार लेकर घुस गया। विस्फोट इतना तेज था कि सुरक्षाबलों को लेकर जा रही 2 बसों के परखच्चे उड़ गए। इसमें 40 जवान शहीद हुए थे। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की रिपोर्ट में बताया गया है कि हमले में इस्तेमाल हुआ विस्फोटक पदार्थ ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म अमेजन के जरिए खरीदा गया था।

गोरखनाथ मंदिर के हमलावर को पे-पल से फंडिंग

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की रिपोर्ट में दूसरा उदाहरण गोरखनाथ मंदिर पर 4 अप्रैल 2022 में हुए हमले का दिया गया। इसमें एक शख्स ने ने वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों पर धारदार दरांती से हमला किया था। इसमें जवान गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस घटना में दोषी शख्स मुर्तजा अब्बासी के पास से पुलिस को मजहबी किताब, धारदार हथियार, उसके मोबाइल और लैपटॉप से मिले जेहादी वीडियो आदि मिले थे। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने इस मामले की जांच में पाया कि हमलावर ने विदेशों में पे-पल के जरिए लगभग 6.7 लाख रुपये ट्रांसफर किए थे।

कार्यालय, जिला मत्स्य पदाधिकारी
–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गिरिडीह

अतिअल्पकालीन सूचना

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) झारखण्ड, रॉची के राज्यादेश सं0 10 दिनांक 04.07.2025 के आलोक में तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजनान्तर्गत जलाशयों में मछली की शिकारमाही करने वाले जलाशय मत्स्यजीवी सहयोग समितियों/सदस्यों/विस्थापितों/प्रवासी मजदूरों को मछली की शिकारमाही हेतु प्रति लाभुक अधिकतम 05 कि0 ग्रा0 गिल नेट (Fish Net Nylon Poly, Twin size 1/3, Mesh size 75mm-150mm, M.D 100) हेतु अनुदान उपलब्ध कराया जाना है। गिल नेट हेतु निर्धारित इकाई लागत 590/– रू0 के विरूद्ध 90 प्रतिशत की अनुदान राशि अर्थात 2655/–रू0 दी जाएगी एवं 10 प्रतिशत का वहन लाभुकों द्वारा किया जाएगा। गिल नेट क्रय हेतु लक्ष्य प्राप्त है जो निम्नवत है–

क्र0 सं0	योजना का नाम	लक्ष्य	इकाई दर	लाभुक का अंशदान	अनुदान	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7
1	गिल नेट	08	590/– रू0 प्रति किलो ग्रा0	10%	90%	5 कि0 ग्रा0 का गिल नेट मत्स्य जीवी सहयोग समितियों/सदस्यों/विस्थापितों/ प्रवासी मजदूरों को दिया जायेगा।

अहर्त्ता/अनुलग्नक :–
1. लाभुकों का चयन जिला स्तरीय सुरक्षित जमा निर्धारण समिति द्वारा किया जायेगा।
2. लाभुकों को अपना अंशदान लगाने की लिखित सहमति एवं विगत दो वर्षों का मछली शिकारमाही का आँकड़ा लिखित रूप से आवेदन के साथ संलग्न करना होगा।
3. संबंधित समिति का सदस्यता प्रमाण पत्र/विस्थापन प्रमाण पत्र/प्रवासी मजदूर संबंधित प्रमाण पत्र।

उक्त हेतु सुयोग्य लाभुक/लाभुक समिति से विहित प्रपत्र में दिनांक 05.08.2025 समय 5:00 बजे अप0 तक जिला मत्स्य कार्यालय, गिरिडीह में आवेदन आमंत्रित की जाती है।

* योजना से संबंधित विशेष जानकारी कार्यालय से संपर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी गिरिडीह

PR 356753 (Fish)25-26*D

झारखण्ड सरकार, समाहरणालय धनबाद
(जिला योजना कार्यालय)
Phone No. - 9123268095 Email ID :- dhanbad.dp@gmail.com

–: विज्ञापन संख्या–01/2025 :–

Mission Director, Aspirational District & Block Programme, NITI Aayog, Govt. of India के Circular on Key Initative under Aspirational Blocks Programme दिनांक– 25.08.2023 में अंकित निर्देशों के अनुरुप धनबाद जिला में आकांक्षी प्रखण्ड कार्यक्रम हेतु Aspirational Block Fellow की सेवा प्राप्त करने के लिए पूर्णतः अस्थायी तौर पर 01 वर्ष के लिये इच्छुक अभ्यार्थियों से अभ्यावेदन विहित प्रपत्र में निम्न शर्तों के अधीन आमंत्रित किया जाता है:–

No. of Post	Age	Qualifiaction
01	18-40	1) Postgraduate in any discipline from a reputed institution (Preferably from Central or State government universities). 2) Should possess excellent data analysis and presentation skills. 3) Should be conversant with the use of social media. 4) Should possess Project Management skills. 5)Experience working with Government, NGOs, and Development organizations. 6) Self-driven with good communication and coordination skills. 7) Proficient in English, Hindi and the local language of the respective Aspirational Block will be an added advantage for Aspirational Blocks Fellow. **Note: Preference will be given to candidates who have completed their higher education in Rural Development /Development studies.**

(2) Role of Aspirational Blocks Fellow :
The Aspiration Blocks Fellows will be positioned as a critical link between the Block level Officials and NITI Aayog. Their primary responsibilities will include :
1) Collaborating with block level Officials to design and execute development strategies aligned with ABP thematics areas.
2) Conduct regular field visits to assess project implementation, address challenges, and collect ground-level insights.
3) Analyzing data and providing evidence recommendations to BLO and district-level Officials to optimize developmental initiatives.
4) Organizing workshops, awareness campaigns, and skill-building programs to empower the local community.
5) Keeping states and NITI abreast with the issues, challenges, and need for support.

(3) नियम व शर्तें :–
1. आवेदन हेतु किसी भी प्रकार का शुल्क देय नहीं है।
2. नीति आयोग के Term of Reference (ToR) के अनुसार नियम एवं शर्तो का अनुपालन किया जाएगा। (अनुलग्नक संलग्न)
3. उक्त पद अनारक्षित रहेंगे।
4. उच्च योग्यता एवं अनुभव वाले अभ्यार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी।
5. कम्प्यूटर ज्ञान आवश्यक है।
6. उक्त विज्ञापन को स्थगित/रदद् करने एवं शर्तों में परिवर्तन/संशोधन करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा। अधोहस्ताक्षरी का निर्णय ही अंतिम निर्णय होगा।
7. **Rural Development** कार्य क्षेत्र में अनुभव होना अनिवार्य होगा।
8. **Goverment/Public Sector** में कार्य करने वाले अभ्यार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

(4) आवेदन की प्रक्रिया :–
1. आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि दिनांक–23.07.2025 के अपराह्न 04:00 बजे तक है। उक्त समय के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।
2. आवेदन विहित प्रपत्र (कम्प्यूटरीकृत) में भरकर सभी प्रमाण पत्रों की स्वअभिप्रमाणित प्रति के साथ हाथोंहाथ अथवा निबंधित डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से ''जिला योजना कार्यालय, धनबाद, तृतीय तल, कमरा सं0–307, न्यू समाहरणाालय भवन, धनबाद पिन– 826004'' के पता पर तथा **E-mail –dhanbad.dp@gmail.com** पर स्वीकार किया जायेगा। अंतिम तिथि के पश्चात् किसी भी परिस्थिति में आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।
3. अपूर्ण एवं अहस्ताक्षरित आवेदनों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(5) मूल्यांकन :–
1. अभ्यार्थियों का मूल्यांकन 100 अंको के आधार पर किया जाएगा जो निम्न खण्डों में विभाजित रहेगा:–

अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता	वांछित शैक्षणिक योग्यता (Higher Education in Rural Development/Development Studies)	कम्पयूटर ज्ञान	कार्य अनुभव (Work Expreince)	साक्षात्कार (Interview)

2. उक्त मूल्यांकन के आलोक में कुल प्राप्तांकों के आधार पर मेधा सूची तैयार कर अभ्यार्थियों का चयन किया जाएगा।
3. आवेदनों का मूल्यांकन एवं मेधा सूची में अंकों का निर्धारण चयन समिति के द्वारा किया जाएगा।
4. चयन समिति द्वारा लिया गया निर्णय अंतिम, सर्वमान्य, चुनौतीरहित एवं विवादरहित होगा।

नोट :– उक्त संबंधी विज्ञापन की विस्तृत जानकारी एवं नियुक्ति से संबंधित सूचना समय–समय पर जिला के Website: dhanbad.nic.in पर देखी जा सकती है।

उपायुक्त, धनबाद

PR 356787 District (25-26)_D

संपादकीय
कोयलांचल संवाद

आठवें वेतन आयोग का इंतजार तीन गुना वेतनवृद्धि?

दिल्ली विधानसभा चुनाव के समय केंद्र सरकार ने आठवें वेतन आयोग के गठन की घोषणा की थी। दिल्ली विधानसभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को इसका बड़ा फायदा हुआ था। दिल्ली में आम आदमी पार्टी रुखसत हो गई। भाजपा सत्ता मे आ गई। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा इस वर्ष की शुरुआत में कहा गया था। वह दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद, केंद्रीय वेतन आयोग का गठन करेगी। दिल्ली में भाजपा की सरकार भी बन गई है इसके बाद भी अभी तक 7वें वेतन आयोग की अधिकृत घोषणा नहीं की गई है। नाही वेतन आयोग के अध्यक्ष और आयोग के सदस्यों की घोषणा हुई। केंद्र सरकार के सभी कर्मचारियों को आठवें वेतन आयोग का इंतजार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आठवें वेतन आयोग के गठन की बात कही थी। कर्मचारियों को लग रहा है, जल्द ही आयोग के गठन की अधिसूचना जारी होगी। 2027 तक आठवें वेतन आयोग की अनुशंसा लागू हो जाएंगी। केंद्रीय कर्मचारियों को जिन्हें वर्तमान में 18000 रुपये मूल वेतन प्राप्त हो रहा है, उन्हें 51480 रुपए तक का लाभ हो सकता है। लेवल 2 के कर्मचारी जिनका वेतन 19000 है, वह बढ़कर 56914 रुपए हो सकता है। लेवल 3 के कर्मचारियों का वेतन 21700 से बढ़कर 62062 रुपए हो सकता है। लेवल 6 का मूल वेतन अभी 35400 है, जो बढ़कर 100000 रूपये के आसपास हो सकता है। इससे आईपीएस, आईएएस अधिकारियों सहित स्तर 10 तक के अधिकारियों को इसका बड़ा लाभ होना तय है। केंद्रीय वेतन आयोग जो अनुशंसा करता है। उसके अनुसार भारत सरकार केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन ढांचे को संशोधित कर मूल वेतन और भत्तों में वृद्धि करती है। केंद्र सरकार द्वारा जब वेतन आयोग की अनुशंसा लागू कर दी जाती है, उसके बाद राज्यों में भी सरकारी कर्मचारियों के मूल वेतन ओर भत्तों में वृद्धि होती है। अभी 2016 मे गठित 7वें वेतन आयोग की अनुशंसा के अनुसार केंद्रीय कर्मचारियों और कुछ राज्यों के कर्मचारियों को वेतन भक्तों का लाभ मिल रहा है। सरकारी कर्मचारियों द्वारा आठवें वेतन आयोग का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। राज्यों के भी सरकारी कर्मचारी वेतन आयोग के गठन को लेकर आसान्वित हैं। जैसे ही आठवें वेतन आयोग का गठन होगा, उसके बाद केंद्र के साथ-साथ राज्यों के अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतनमान में वृद्धि होगी। वर्तमान में वेतनमान का मानक स्तर सातवें वेतन आयोग के अनुसार 2.57 था। केंद्रीय कर्मचारियों को उम्मीद है, यह बढ़कर 2.86 मानक स्तर हो जाएगा। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के ऊपर वेतन और पेंशन का बोझ लगातार बढ़ता चला जा रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकारों के ऊपर सबसे ज्यादा बोझ पेंशन का है। वेतन आयोग की सिफारिश के बाद पेंशन में भी वृद्धि होती है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के ऊपर लगातार कर्ज बढ़ता चला जा रहा है। राज्यों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। केंद्र एवं राज्य सरकारों के ऊपर ब्याज का बोझ लगातार बढ़ रहा है। केंद्र सरकार ने 6 महीने पहिले वेतन आयोग के गठन की घोषणा की थी। उसके बाद भी अभी तक आठवें वेतन आयोग के गठन की अधिसूचना जारी नहीं हुई है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के पहले केंद्रीय कर्मचारियों को प्रभावित करने के लिए उस समय इसे चुनावी हथकंडा माना गया था। इस साल के अंत में बिहार विधानसभा के चुनाव होने जा रहे हैं। अगले साल 6 राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं। वेतन आयोग का मामला राज्यों से भी जुड़ा होता है। केंद्र में जब वेतन और भत्ते बढ़ते हैं, उसके बाद राज्यों में भी वेतन, पेंशन और भत्तों में वृद्धि होती है। केंद्र सरकार द्वारा जल्द ही आठवें वेतन आयोग की घोषणा नहीं की गई, तो इसका असर आगामी विधानसभा के चुनावों में पड़ना तय है। केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारी दबाव बना रहे हैं। सरकार जल्द से जल्द आठवें वेतन आयोग का गठन करे। कर्मचारी संगठनों द्वारा अभी से हिसाब किताब लगाना शुरू कर दिया गया है। उनके वेतन भत्तों में कितनी वृद्धि होगी। बहरहाल सरकारी कर्मचारियों को आठवें वेतन आयोग के गठन का इंतजार है। देखें यह कब पूरा होता है।

वन्यजीव संकटः टूटती पारिस्थितिकी की कड़ी!

सोनम लववंशी

हमारे देश में 1 जुलाई से 7 जुलाई तक मनाया जाने वाला 'वन महोत्सव' केवल औपचारिकता बन कर न रह जाए, इसके लिए अब गहराई से चिंतन की आवश्यकता है। इस उत्सव का मूल उद्देश्य वनों की सुरक्षा और संरक्षण को लेकर जागरूकता फैलाना है। क्या एक सप्ताह की सक्रियता हमारे घटते वनों की पीड़ा को शांत कर सकती है? भारत एक समय हराभरा देश था। आज ये हरियाली लगातार सिकुड़ती जा रही है। भारतीय वन सर्वेक्षण 2023 की रिपोर्ट के अनुसार देश में कुल वन क्षेत्र लगभग 80.73 मिलियन हेक्टेयर है, जो कि भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का मात्र 24.62 प्रतिशत है। यह आंकड़ा सुनने में बड़ा प्रतीत होता है। जब यह ज्ञात होता है कि इसमें से 12 फीसदी से अधिक क्षेत्र केवल स्क्रब, झाड़ियाँ या क्षतिग्रस्त वन भूमि है, तब स्थिति की गंभीरता स्पष्ट हो जाती है। वैश्विक औसत के मुकाबले भारत वन आच्छादन में अब भी पीछे है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, किसी देश का कम से कम 33 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित होना चाहिए। हमारा लक्ष्य अब भी अधूरा है। वन केवल हरियाली नहीं हैं, ये एक जटिल परिस्थकीय तंत्र का हिस्सा हैं। वन पृथ्वी के फेफड़े हैं, जो वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड लेकर हमें प्राणवायु ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। वनों के कारण वर्षा होती है, मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है, भूजल स्तर संतुलित रहता है और जैव विविधता संरक्षित होती है। भारत जैसे देश में जहां कृषि मुख्य व्यवसाय है, वहां वनों का विनाश सीधे तौर पर किसान की आजीविका से जुड़ा होता है। वन कटने से मिट्टी का कटाव बढ़ता है। जल स्त्रोत सूखने लगते हैं। इसका असर खाद्य उत्पादन, पशुपालन और ग्रामीण जीवन की स्थिरता पर गहरा पड़ता है। आर्थिक विकास के नाम पर सड़कें, रेललाइन, बिजली परियोजनाएं और उद्योग वनों को निगल रहे हैं। पिछले एक दशक में भारत में विकास परियोजनाओं के चलते 14,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक वन क्षेत्र साफ किया गया है। कई बार यह कटाई उस पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट कर देती है, जिसे बनने में सैकड़ों साल लगे थे। उदाहरण के तौर पर मध्य भारत के जंगलों में पाए जाने वाले बाघ, हाथी, गौर, और अन्य कई प्रजातियों का आवास क्षेत्र सीमित होता जा रहा है। जैव विविधता का यह संकट केवल वन्यजीवों का नहीं, मानव जाति का भी है। बढ़ती वन कटाई और अवैध शिकार का एक दर्दनाक प्रमाण देश में बाघों की लगातार हो रही मौतें हैं। वर्ष 2025 के पहले छह महीनों में ही 107 बाघ अपनी जान गंवा चुके हैं, जिनमें 20 मासूम शावक भी शामिल हैं। यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत अधिक है और बीते पाँच वर्षों में सबसे भयावह आँकड़ा है।

वर्ष 2021 से अब तक देश में 666 बाघ मृत पाए गए हैं। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में सबसे अधिक मौतें दर्ज हुई हैं, जो बताता है कि जंगलों का सिकुड़ता दायरा और मानवीय दखल अब उन प्रजातियों को भी निगल रहा है, जिन्हें हमने कभी 'राष्ट्रीय गौरव' कहा था। वैसे भी जब एक पारिस्थितिक तंत्र नष्ट होता है, तो उसकी कड़ी में जुड़े सभी अंग प्रभावित होते हैं जिनमें हम भी शामिल हैं। वनों के संरक्षण के लिए सरकारें पौधरोपण अभियान चलाती हैं। प्रश्न यह है कि क्या यह पर्याप्त है? बरसात के मौसम में लगाए गए पौधे जीवित भी रह पाएँ, इसके लिए देखरेख और स्थानीय लोगों की सहभागिता आवश्यक है। आंकड़ों के अनुसार, भारत में लगाए गए लगभग 60 प्रतिशत पौधे पहले दो वर्षों में ही सूख जाते हैं या नष्ट हो जाते हैं। इसका कारण केवल जलवायु नहीं है। प्रशासनिक लापरवाही, देखरेख की कमी और जनमानस में स्वामित्व की भावना का अभाव भी इसकी वजहें हैं।

'चिपको आंदोलन' की तरह आज फिर से एक जनआंदोलन की ज़रूरत है। सोशल मीडिया पर पर्यावरण बचाने की बातें करने से आगे बढ़ना होगा। स्थानीय स्तर पर पौधे लगाने, उन्हें संरक्षित करने और जंगलों को बचाने के ठोस प्रयास करने होंगे। वनों का संकट केवल वन विभाग का विषय नहीं है। यह पूरे समाज का प्रश्न है। वनों को बचाने के लिए नीति निर्धारण में आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। केवल शहरी क्षेत्रों में पौधरोपण कर लेने से पर्यावरण नहीं बचेगा। ग्रामीण और वनवासी क्षेत्रों में मौजूद प्राकृतिक वनों की रक्षा ज़रूरी है। वनवासी समुदायों का पारंपरिक ज्ञान, जंगल से उनका संबंध, और उनकी जीवनशैली को संरक्षण के केंद्र में लाना होगा। वन महोत्सव का यह सप्ताह महज एक उत्सव नहीं है। यह एक चेतावनी है। समय रहते नहीं चेते तो सांस लेने के लिए हवा भी बाजार में बिकेगी और पानी की एक-एक बूँद के लिए संघर्ष होगा।

जनसंख्या वृद्धि से महंगाई बढ़ेगी

संजय गोस्वामी

जनसंख्या वृद्धि से तात्पर्य किसी विशेष क्षेत्र में व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि से है, और यह हाल के दशकों में दुनिया के सामने सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक रहा है। जैसे-जैसे मानव आबादी बढ़ती जा रही है, भोजन, पानी और ऊर्जा की मांग भी बढ़ती जा रही है। जनसंख्या में यह तीव्र वृद्धि प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव से लेकर पर्यावरणीय क्षरण तक कई चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है। हम जनसंख्या की घातीय वृद्धि में योगदान करने वाले कारकों, ग्रह पर इस वृद्धि के प्रभावों और इस लगातार बढ़ती समस्या को प्रबंधित करने के लिए आवश्यक समाधानों की खोज करके जनसंख्या वृद्धि पर कुछ निबंधों पर चर्चा करेंगे। सभी के लिए एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित करने के लिए अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि के परिणामों को समझना महत्वपूर्ण है।दुनिया के सामने आने वाली प्रमुख समस्याओं में से एक जनसंख्या की घातीय वृद्धि की समस्या है। यह समस्या सबसे बड़ी है। दुनिया के अधिकांश देशों में जनसंख्या के आंकड़ों में भारी वृद्धि देखी जा रही है। दुनिया के संसाधन सीमित हैं और इसलिए वे एक निश्चित सीमा से ज़्यादा आबादी का भरण-पोषण नहीं कर सकते। दुनिया भर में खाद्यान्न की कमी और नौकरियों की कमी की खबरें आती रही हैं। मनुष्यों की संख्या स्थिर दर से बढ़ रही है। दुनिया की आबादी पहले ही छह अरब का आंकड़ा पार कर चुकी है और अगले तीन या चार दशकों में इसके दोगुना होने की उम्मीद है।अगर जनसंख्या इसी दर से बढ़ती रही तो अधिक आबादी वाले देशों की अर्थव्यवस्था जनसंख्या वृद्धि का सामना करने में असमर्थ हो जाएगी। सभी के दरवाज़े पर शांति, आराम और कल्याण लाने की हर कोशिश नाकाम हो जाएगी और अगर जनसंख्या को उचित सीमा में नहीं रखा गया तो दुख प्रमुख हो जाएगा। कुछ देशों को छोड़कर, सभी देश जनसंख्या वृद्धि का सामना कर रहे हैं। वर्तमान में, दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश चीन है और भारत दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश है। भारत दुनिया की 17% आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। बांग्लादेश, जापान, इंडोनेशिया और यूरोप के कुछ देशों जैसे अन्य देशों में जनसंख्या विस्फोट का ख़तरा है। वर्तमान में, दुनिया की आबादी खतरनाक दर से बढ़ रही है, जिससे कई चुनौतियाँ पैदा हो रही हैं। अभी तक, वैश्विक जनसंख्या लगभग 7.6 बिलियन है और 2025 तक 8 बिलियन से अधिक होने की उम्मीद है। यह तीव्र वृद्धि पृथ्वी के संसाधनों पर अत्यधिक दबाव डालती है, क्योंकि ग्रह भोजन, पानी, आवास और नौकरियों की माँगों को पूरा करने के लिए संघर्ष करता है। अधिक जनसंख्या के कारण संसाधनों की कमी, पर्यावरण क्षरण और गरीबी के स्तर में वृद्धि हो सकती है, साथ ही पारिस्थितिकी तंत्र पर भी दबाव पड़ सकता है।उच्च जन्म दर, परिवार नियोजन तक अपर्याप्त पहुँच, प्रवास और गरीबी जैसे कारक इस समस्या में योगदान करते हैं। बढ़ती जनसंख्या के कारण वनों की कटाई, जैव विविधता का ह्रास और प्रदूषण में वृद्धि होती है, जिससे जलवायु परिवर्तन और भी बदतर हो जाता है। इसे संबोधित करने के लिए, राष्ट्रों को परिवार नियोजन, शिक्षा और संधारणीय प्रथाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। केवल प्रभावी रणनीतियों को अपनाकर ही हम आने वाली पीढ़ियों और ग्रह के लिए एक स्थिर, स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं।जनसंख्या वृद्धि से तात्पर्य किसी निश्चित अवधि में किसी विशिष्ट क्षेत्र में रहने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि से है। दुनिया की आबादी खतरनाक दर से बढ़ रही है, जो वर्तमान में 7.6 बिलियन के करीब है, और 2025 तक इसके 8 बिलियन को पार करने की उम्मीद है। यह घातीय वृद्धि ग्रह के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां पेश करती है, क्योंकि पृथ्वी के संसाधन सीमित हैं और लगातार बढ़ती आबादी को अनिश्चित काल तक सहारा नहीं दे सकते।तेजी से बढ़ती जनसंख्या की मुख्य चिंताओं में से एक यह है कि यह प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव डालती है। अधिक जनसंख्या के कारण अधिक खेती, वनों की कटाई और अत्यधिक पानी की खपत होती है, जिससे पर्यावरण का क्षरण होता है। अधिक लोगों को भोजन, पानी और आश्रय की आवश्यकता होने के कारण, भूमि और पारिस्थितिकी तंत्र पर दबाव बढ़ता है, जिससे आवश्यक संसाधनों का ह्रास होता है। इसके अतिरिक्त, बढ़ती आबादी से बढ़ता कचरा और प्रदूषण जलवायु परिवर्तन में योगदान देता है। परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्रह की भविष्य की स्थिरता को खतरा है।जनसंख्या वृद्धि का मुख्य कारण मृत्यु दर में कमी और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि है। अतीत में, सीमित स्वास्थ्य सेवा, युद्ध और प्राकृतिक आपदाओं के कारण जन्म और मृत्यु दर अधिक संतुलित थी। हालाँकि, जैसे-जैसे शिक्षा फैली, लोगों में स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूकता आई और उन्होंने बुनियादी बीमारियों को रोकने और उनका इलाज करने का तरीका है। जनसंख्या वृद्धि में योगदान देने वाला एक अन्य कारक अशिक्षा है। जब लोग कम शिक्षित होते हैं, तो वे पुरानी मान्यताओं और अंधविश्वासों का पालन करते हैं, जिससे स्वास्थ्य और जीवन के बारे में गलतफहमियाँ पैदा होती हैं। शिक्षित लोग जन्म नियंत्रण विधियों से अच्छी तरह वाकिफ होते हैं।परिवार नियोजन, कल्याण कार्यक्रम और नीतियों से अपेक्षित परिणाम नहीं मिले हैं। जनसंख्या में वृद्धि सीमित बुनियादी ढांचे पर बहुत अधिक दबाव डाल रही है और किसी भी देश की प्रगति को नकार रही है।अंधविश्वासी लोग मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों से आते हैं, वे सोचते हैं कि बेटा पैदा करने से उन्हें समृद्धि मिलेगी और इसलिए माता-पिता पर तब तक बच्चे पैदा करने का काफी दबाव होता है जब तक कि बेटा पैदा न हो जाए। इससे भारत, बांग्लादेश जैसे अविकसित देशों में जनसंख्या वृद्धि होती है।गरीबी इसका एक और मुख्य कारण है। गरीब लोगों का मानना है कि परिवार में जितने ज़्यादा लोग होंगे, रोटी कमाने वालों की संख्या उतनी ही ज़्यादा होगी। इसलिए यह जनसंख्या वृद्धि में योगदान देता है।पड़ोसी देशों से लोगों के लगातार अवैध प्रवास से देशों में जनसंख्या घनत्व में वृद्धि होती है।धार्मिक भावना जनसंख्या विस्फोट का एक और कारण है। कुछ रूढ़िवादी समुदायों का मानना है कि निषेध का कोई भी आदेश या वैधानिक तरीका अपवित्र है।जनसंख्या वृद्धि का लोगों के जीवन स्तर पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। दुनिया भर में अधिक जनसंख्या के कारण मीठे पानी की आपूर्ति की अधिक मांग हो सकती है और यह एक बड़ा मुद्दा बन गया है क्योंकि पृथ्वी पर केवल 3% मीठा पानी है।जनसंख्या की घातीय वृद्धि के कारण पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधन समाप्त हो रहे हैं। इन संसाधनों की भरपाई इतनी आसानी से नहीं की जा सकती। अगर जनसंख्या वृद्धि पर कोई रोक नहीं लगाई गई तो अगले कुछ सालों में एक दिन ऐसा आएगा जब ये प्राकृतिक संसाधन पूरी तरह से खत्म हो जाएँगे।जनसंख्या वृद्धि के कारण जलवायु परिस्थितियों पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है। मानवीय गतिविधियाँ वैश्विक तापमान में परिवर्तन के लिए जनसंख्या वृद्धि जिम्मेदार हैं।

संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों जैसे अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का उद्देश्य गरीबी को कम करना, स्वास्थ्य सेवा में सुधार करना और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है। जबकि जनसंख्या वृद्धि प्रगति को गति दे सकती है, यह संसाधनों और पर्यावरण पर भी दबाव डालती है। विकास को संधारणीय रूप से प्रबंधित करने और सभी के लिए समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए एक समन्वित, बहुआयामी दृष्टिकोण आवश्यक है।पृथ्वी की वर्तमान जनसंख्या लगभग 7.6 बिलियन लोग हैं, और यह बढ़ रही है। 2025 तक इसकी संख्या 8 बिलियन, 2040 तक 9 बिलियन और 2100 तक 11 बिलियन से अधिक होने की उम्मीद है। जनसंख्या तेज़ी से बढ़ रही है, जो मौजूदा आदतों को देखते हुए इसे बनाए रखने की हमारी ग्रह की क्षमता से कहीं अधिक है।अधिक जनसंख्या कई तरह के हानिकारक पर्यावरणीय और आर्थिक परिणामों से जुड़ी हुई है, जिसमें अत्यधिक खेती, वनों की कटाई और जल प्रदूषण शामिल है, जैसा कि हम जानते हैं। जनसंख्या वृद्धि को संबोधित करने के लिए प्रभावी नीतियों और वैश्विक सहयोग की आवश्यकता है। मुख्य कदमों में परिवार नियोजन कार्यक्रमों को लागू करना, लड़कियों और महिलाओं को प्रजनन दर कम करने के लिए शिक्षित करना और संधारणीय जीवन सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य सेवा में सुधार करना शामिल है। सरकारों को छोटे परिवारों को प्रोत्साहित करना चाहिए और पर्यावरण के अनुकूल शहरी नियोजन, किफायती आवास और स्वच्छ जल तक पहुँच जैसे संधारणीय बुनियादी ढाँचे में निवेश करना चाहिए। इसके अलावा, जनसंख्या वृद्धि गरीबी, बेरोजगारी और शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा तक अपर्याप्त पहुंच जैसे मुद्दों को बढ़ाती है। बड़ी आबादी वाले देश अक्सर बुनियादी सेवाएं प्रदान करने के लिए संघर्ष करते हैं, जिससे असमानता और सामाजिक अशांति होती है।इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए, स्थायी जनसंख्या नियंत्रण उपायों को लागू करना महत्वपूर्ण है। शिक्षा, परिवार नियोजन और परिवार के आकार को सीमित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने से विकास दर को रोकने में मदद मिल सकती है। अंततः, जनसंख्या वृद्धि और संसाधन प्रबंधन के बीच संतुलन बनाना आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने की कुंजी है।

ब्रिक्स में भारत का बढ़ता वर्चस्व संतुलित दुनिया का आधार

ललित गर्ग

ब्राजील के रियो डी जनेरियो में रविवार को हुए 17वें ब्रिक्स सम्मेलन में सदस्य देशों ने 31 पेज और 126 पॉइंट वाला एक जॉइंट घोषणा पत्र जारी किया। इसमें पहलगाम आतंकी हमले और ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की गई। इससे पहले 1 जुलाई को भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मेंबरशिप वाले क्वाड ग्रुप के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पहलगाम हमले की निंदा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में पहलगाम की आतंकी घटना पर कठोर शब्दों में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। मोदी ने शांति एवं सुरक्षा सत्र में कहा कि पहलगाम में हुआ 'कायरतापूर्ण' आतंकवादी हमला भारत की 'आत्मा, पहचान और गरिमा' पर सीधा हमला है। इसके साथ ही उन्होंने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समिट में महत्वपूर्ण मुद्रा में दिखाई दिये। उन्होंने एक बार फिर इसके विस्तार की बात की और सदस्य देशों से भी आग्रहपूर्ण ढंग से दबाव बनाया कि कि ब्रिक्स को विस्तार होना चाहिए। ब्रिक्स यानी बी से ब्राजील, आर से रूस, आई से इंडिया (भारत), सी से चीन और एस से दक्षिण अफ्रीका- ये दुनिया की पांच सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों का एक समूह है। ब्रिक्स एक ऐसा बहुपक्षीय मंच है, जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग, वैश्विक विकास और सामूहिक सुरक्षा की भावना को बल देता है। ब्रिक्स समिट काफी सफल एवं निर्णायक रहा है। ब्रिक्स सम्मेलन में आतंकवाद, विशेषकर कश्मीर में फैले इस्लामी आतंकवाद को लेकर चर्चा ने इस मंच को वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाले संगठनों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा कर दिया है। इसमें भारत की भूमिका, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निर्णायक भूमिका रही है। इन शक्तिसम्पन्न पांचों देशों का वैश्विक मामलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव है और दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। चीन इसे अपने हित के लिए इस्तेमाल करना चाहता है, जबकि भारत इसे सही मायनों में लोकतांत्रिक संगठन बनाना चाहता है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स समूह मिलकर दुनिया में शांति, सह-जीवन, अहिंसा, लोकतांत्रिक मूल्य, समानता एवं सह-अस्तित्व पर बल देते हुए दुनिया को युद्ध, आतंक एवं हिंसामुक्त बनाया जाये। ब्रिक्स देशों के इस सम्मेलन में एक विशेष बिंदु जो उभरकर सामने आया वह था-अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का बदलता स्वरूप और इसके कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभाव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट रूप से यह रेखांकित किया कि आतंकवाद अब किसी एक राष्ट्र की समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह एक वैश्विक संकट बन चुका है। उन्होंने कश्मीर में हो रहे आतंकवादी हमलों, पाकिस्तान समर्थित गतिविधियों और भारत की सीमाओं पर हो रही हिंसक घटनाओं को उदाहरण के रूप में सामने रखा। मोदी ने ब्रिक्स मंच से यह भी स्पष्ट किया कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन जब आतंक का राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल होता है, तो वह मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाता है। भारत ने लंबे समय से कॉम्प्रेहेंसिव कॉन्वेंशन ऑन इन्टरनेशनल टेरिजम्स (सीसीआईटी) की पैरवी की है। इस बार ब्रिक्स मंच पर मोदी ने इस प्रस्ताव को फिर से प्रमुखता से उठाया और एक साझा परिभाषा व वैश्विक नीति की मांग की ताकि आतंकवादियों को सुरक्षा और राजनीतिक सहारा न मिल सके। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी सुझाव दिया कि ब्रिक्स को एक साझा आतंकवाद निरोधी तंत्र बनाना चाहिए, जो सूचनाओं का आदान-प्रदान, निगरानी तंत्र और आतंक के वित्तपोषण को रोकने में सहयोग करे। भारत ने इस बार पाकिस्तान का नाम लिए बिना यह सिद्ध किया कि कश्मीर में आतंकवाद एक स्थानीय असंतोष नहीं, बल्कि बाहरी प्रायोजित आतंक है। ब्रिक्स देशों, विशेषकर रूस और ब्राज़ील ने इस बात को स्वीकारा कि कश्मीर में फैले आतंकवाद पर चिंता जायज़ है और उन्होंने भारत के दृष्टिकोण का समर्थन किया। यह कूटनीतिक जीत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व कौशल को रेखांकित करती है। उन्होंने न केवल भारत के राष्ट्रीय हितों की रक्षा की, बल्कि वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध एक नैतिक और व्यावहारिक आधार भी प्रस्तुत किया। भारत 2026 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करने जा रहा है। यह भारत के लिए भविष्य को गढ़ने का एक सुनहरा अवसर है। भारत अब न केवल आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगा कि ब्रिक्स एक न्यायसंगत, सुरक्षित और आतंकवादमुक्त विश्व के निर्माण की दिशा में कार्य करे।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत की भूमिका न केवल आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक स्वरूप में दिखाई दी, बल्कि यह भी स्पष्ट हुआ कि भारत अब एक वैश्विक नेतृत्वकर्ता राष्ट्र के रूप में उभर चुका है। नरेंद्र मोदी ने जिस सूझबूझ, तर्कशक्ति और साहस के साथ कश्मीर मुद्दे को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया, वह भारत की कूटनीति के नए युग की शुरुआत है। आगामी वर्ष में जब भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता करेगा, तब यह विश्वास किया जा सकता है कि न केवल भारत, बल्कि समूचा विश्व भारत की नीति, नैतिक दृष्टि और नेतृत्व क्षमता का सम्मान करेगा। इस मंच से भारत केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि मानवता, शांति और न्याय की नई इबारत लिखेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई उन्होंने कहा कि आज दुनिया को एक बहुध्रुवीय और समावेशी व्यवस्था की जरूरत है। इसकी शुरुआत वैश्विक संस्थाओं में बदलाव से करनी होगी। मोदी ने कहा, 'बीसवीं सदी में बनाई गई वैश्विक संस्थाएं इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों से निपटने में नाकाम हैं। एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमता के दौर में तकनीक हर हफ्ते अपडेट होती है, लेकिन एक वैश्विक संस्थान 80 सालों में एक बार भी अपडेट नहीं होती। बीसवीं सदी के टाइपराइटर इक्कीसवीं सदी के सॉफ्टवेयर को नहीं चला सकते। प्रधानमंत्री ने कहा, ग्लोबल साउथ के देश अक्सर डबल स्टैंडर्ड का शिकार रहे हैं। चाहे विकास हो, संसाधनों की बात हो, या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की, ग्लोबल साउथ को कभी प्राथमिकता नहीं दी गई है। इनके बिना, वैश्विक संस्थाएं ऐसे मोबाइल की तरह हैं, जिसमें सिम कार्ड तो है लेकिन नेटवर्क नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, वैश्विक अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान ज्यादा है, उन्हें फैसले लेने का हक नहीं है। यह सिर्फ प्रतिनिधित्व का नहीं, बल्कि विश्वसनीयता और प्रभावशीलता का भी सवाल है। भारत का मानना था कि समान सोच वाले देशों को साथ लेकर चला जा सकता है। आनेवाले समय में ब्रिक्स दुनिया की आधी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने लगेगा। निश्चित ही ब्रिक्स की ताकत से एक वैश्विक संतुलन स्थापित हो रहा है और अमेरिका एवं पश्चिमी देशों के अहंकार एवं दुनिया पर शासन करने की मंशा पर पानी फिरा है।

हमारा भविष्य सितारों पर नहीं, जमीन पर निर्भर है, वह हमारा दिलों में छिपा हुआ है, दूसरे शब्दों में कहें तो हमारा कल्याण अन्तरिक्ष की उड़ानों, युद्ध, आतंक एवं शस्त्रों में नहीं, पृथ्वी पर आपसी सहयोग, शांति, सह-जीवन एवं सद्भावना में निहित है। 'वसुधैव कुटुम्बकम का मंत्र इसलिये सारी दुनिया को भा रहा है। इसलिये बदलती हुई दुनिया में, बदलते हुए राजनैतिक हालात में सारे देश एक साथ जुड़ना चाहते हैं। ब्रिक्स का संगठन ऐसा सपना है जिसे भारत रत्न स्व. प्रणव मुखर्जी ने भारत के विदेश मन्त्री के तौर पर 2006 में देखा था। प्रणव दा बदलते विश्व शक्ति क्रम में उदीयमान आर्थिक शक्तियों की समुचित व जायज सहभागिता के प्रबल समर्थक थे और पुराने पड़ते राष्ट्रसंघ के आधारभूत ढांचे में रचनात्मक बदलाव भी चाहते थे। इसके साथ ही वह बहुधुरवीय विश्व के भी जबर्दस्त पक्षधर थे जिससे विश्व का सकल विकास न्यायसंगत एवं लोकतांत्रिक तरीके से हो सके। अब नरेन्द्र मोदी ने इसमें सराहनीय भूमिका निभाई है। उनके दूरगामी एवं सूझबूझ भरे सुझावों का ब्रिक्स देशों ने लोहा माना है। ब्रिक्स संगठन में भारत का वर्चस्व चीन की तुलना में बढ़ा है जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता एवं कूटनीति का परिणाम है।

आओ अनियोजित निर्णय पर ध्यान दें

किशन सनमुखदास भावनानीं

मानव के व्यावहारिक जीवन में अनेक बार ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न होती है जहां उस विशेष अनियोजित परिस्थितियों में अचानक ही निर्णय लेने की ज़रूरत होती है बस !यही वह समय होता है जब अपनी बुद्धि कौशलता के साथ हमें बड़े बुजुर्गों द्वारा कही गई कहावतों, मुहावरों, विचारों को रेखांकित करने की अत्यंत तात्कालिक ज़रूरत होती है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र से, मेरा मानना है कि उससे हमें अति उच्च गुणवत्ता का सकारात्मक निर्णय लेने में आसानी होती है,जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम होते हैं और उन परिस्थितियों में पढ़ने वाले विपरीत नुकसान, दुष्परिणामों से बचा जा सकता है जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम निकलते हैं और हम उसका श्रेय बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद के रूप में ले सकते हैं।

साथियों बात अगर हम व्यवहारिक जीवन में निर्णय लेने की करें तो यह दो प्रकार का हो सकता है नियोजित और अनियोजित निर्णय, ऐसे निर्णय जो किसी परिस्थिति विशेष पर अकस्मात लेने पड़ते हैं जिसके लिए कोई पूर्व योजना नहीं होती है अनियोजित निर्णय कहलाते हैं। इसके विपरीत ऐसे निर्णय जो किसी पूर्व योजना पर आधारित होते हैं, नियोजित निर्णय कहलाते हैं। नियोजित निर्णय ठोस तथ्यों पर आधारित होते हैं क्योंकि यह पूर्व निर्धारित योजना पर आधारित होते हैं। साथियों बात अगर हम बड़े बुजुर्गों की कहावतों की करें तो, कहावत उस छोटे से वाक्य या लाइन को कहा जाता है जिसके माध्यम से बड़ी-बड़ी बातें कह दी जाती है। गाँव, घर में अक्सर बड़े-बुजुर्गों के द्वारा बहुत सारी कहावतें सुनने को मिलती है। इन कहावतों को स्कूल में नही पढाया जाता है, इसे ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों के लोग बोलने में प्रयोग करते है। बहुत सारी ऐसी कहावतें होती है जो घर की महिलाओं के द्वारा प्रयोग की जाती है, कई बार गाँव में बड़े बुजुर्गों की कहावत का अर्थ तो पढ़े लिखे लोग भी नहीं निकाल पाते है, और शर्म में हाँ में हाँ मिलाकर आगे बढ़ जाते है। साथियों बात अगर हम तुरंत निर्णय लेने वाली परिस्थितियों की करें तो, मानव जीवन में अनेक बार ऐसी परिस्थितियां आती है जब मनुष्य समझ नहीं पाता कि उसे किस तरह उस परिस्थिति का सामना करना है । परिस्थितिवश उत्पन्न स्थिति स्वयं में इतनी उलझी होती है की अगर सूझ बूझ और दूर दृष्टि का सहारा न लिया जाये तो निर्णय गलत होने की पूरी सम्भावना रहती है ।अनेको बार छोटी छोटी बातें हमें नकारात्मक गहराई तक प्रभावित करती हैं । ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर बेहतर तो यह है की हम शांति और धैर्य से उस परिस्थिति का विश्लेषण करें तथा उस स्थिति के पक्ष विपक्ष दोनों के बारे में सोंचे क्योंकि प्रत्येक स्थिति के दो पहलू होते है , एक अगर सकारात्मक है तो दूसरा नकारात्मक अवश्य होगा । हमें परिस्थिति के गुण दोष के आधार पर निर्णय लेना चाहिए न कि जल्दबाजी में या घबराकर कोई कदम उठाना चाहिए जिससे की हमारे पक्ष में होने वाली बात का भी विपरीत असर हो जाये ।सबसे बड़ी बात हमें किसी भी विपरीत स्थिति में धैर्य , सहनशीलता और शांति से निर्णय लेने की आदत डालनी चाहिए अगर ऐसा हुआ तो हम अपने जीवन में अवश्य सफल होंगे । साथियों बात अगर हम कानों सुनी और आंखों देखी पर भी सोच समझकर निर्णय लेने की करें तो,आँखों देखी या कानों से सुनी हर बात सत्य हो, यह आवश्यक नहीं है। हम उस एक ही पक्ष को देखते और सुनते हैं, जो हमें प्रत्यक्ष दिखाई या सुनाई देता है। उसके दूसरे पहलू के विषय में जानकारी न होने के कारण हम कोई विशेष धारणा बना लेते हैं। जब हमारा वास्तविकता से सामना होता है तब पश्चाताप करना पड़ता है। अपनी नजरों को झुकाकर क्षमा-याचना करनी पड़ती है। उस दयनीय स्थिति से बचने के लिए मनुष्य को सावधान रहना चाहिए। उसे ऐसा कुछ भी नहीं कहना चाहिए जो उसके तिरस्कार का कारण बन जाए। साथियों बात अगर हम परिस्थितियों पर निर्भर सटीक निर्णय लेने की करें तो, आधा-अधूरा ज्ञान सदा ही विध्वंस कारक होता है। जो भी देखें या सुने उसे निकष पर कसें। इससे भी बढ़कर यह जानने का प्रयास करना चाहिए कि हमारी सोच कहाँ तक सही है। किसी भी घटना के सारे पहलुओं को जाने बिना कोई धारणा नहीं बनानी चाहिए। इसके अतिरिक्त चटकारे लेकर, मिर्च-मसाला लगाकर दूसरों को अपमानित करने की प्रवृत्ति से बचना चाहिए। ऐसे अफवाहें फैलाने वालों की जब पोल खुल जाती है तो वे कहीं के भी नहीं रह जाते। लोग उन पर विश्वास करना छोड़ देते हैं और उनकी बातों को सीरियसली न लेकर मजाक में उड़ा देते हैं। इसलिए मनुष्य को ऐसी स्थितयों से बचना चाहिए। उसे एक जिम्मेदार मनुष्य बनने का प्रयास करना चाहिए। साथियों बात अगर हम परिस्थितियों व निर्णय पर बीरबल और अकबर के सीख वाले किस्से की करें तो उपरोक्त कहावतों को सटीकता से समझने के लिए, मेरे पिताजी द्वारा बताया गया किस्सा जरूर सुनना चाहिए, राजा अक़बर जंगल में शिकार करते हुए रास्ता भटक गए, देर होने के कारण रानी साहिबा ने नौकर को रूम बेड क्लीन का आदेश दिया नौकर नें रूम में मखमली बेड को देखा तो दिल बेड पर एक बार सोने के लिए ललचाया और वह चादर ओढ़ कर सो गया उसे नींद आ गई!!उधर रानी साहिबा भी अपनी धुन में ही आई और बेड पर राजा आराम फरमा रहे हैं समझकर उन पर हाथ रख कर सो गई। जब देर रात्रि राजा अपने रूम में आया तो किसी और के साथ रानी को सोते देख गुस्से से लाल हुआ और बंदूक निकाल कर दोनों को गोली से उड़ाने ही वाले थे कि उन्हें बीरबल की बात याद आई कि कानों सुनी तो क्या आंखों देखी पर भी विश्वास नहीं करना चाहिए!! इसलिए राजा रुक गया और इंतजार किया!! जब रानी और नौकर की नींद टूटी तो दोनों बहुत भौचक्के रह गए और रानी ने नौकर पर चिल्लाया तब नौकर ने माफी मांगी और बेड पर सोने का अपना किस्सा सुनाया कि वह मखमली बेड देखकर वह सोया और रानी ने भी राजा समझ कर बेड पर सोई यह सच्चाई सुनकर राजा ने कहा बड़े बुजुर्गों की कहावतों के निर्णय नें आज रानी और नौकर की जान बचाई यह समझ में आया और दूसरे दिन बीरबल को बुलाकर पुरस्कृत किया।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरणका अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ अनियोजित निर्णय पर ध्यान दें, कानों सुनी तो क्या आंखों देखी पर भी सोच समझकर निर्णय लेना चाहिए,अनियोजित निर्णय लेते समय बड़े बुजुर्गों की कहावतों पर गौर करने से विपत्तियों से बचने और लक्ष्यों को प्राप्त करने में सुविधा होती है।

प्राकृतिक मेकअप रिमूवर का इस्तेमाल होता है फायदेमंद

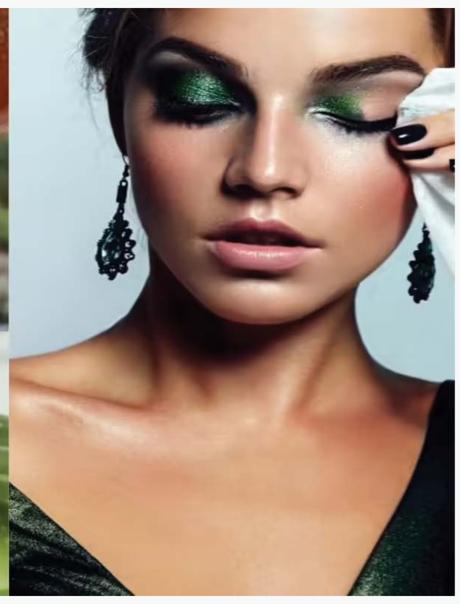

मेकअप हटाने के लिए प्राकृतिक मेकअप रिमूवर का इस्तेमाल त्वचा की सेहत के लिए फायदेमंद है।अगर आप नियमित रूप से मेकअप करती हैं तो आपके लिए उसे ठीक तरह से उतारना भी बेहद जरूरी है। ऐसा इसलिए क्योंकि मेकअप ठीक से न उतारने की वजह से आप कई तरह की स्किन प्रॉब्लम्स की चपेट में आ सकती हैं। चेहरे से मेकअप उतारने के लिए बेहतर मेकअप रिमूवर ढूंढना आपके लिए किसी कठिन चुनौती से कम नहीं है। कई तरह के मेकअप रिमूवर काफी ऑयली होते हैं, तो कुछ ऐसे भी होते हैं जो चेहरे पर गहरे धब्बे छोड़ जाते हैं। ऐसे में आपको चाहिए कि मेकअप हटाने के लिए प्राकृतिक मेकअप रिमूवर का इस्तेमाल करें। जिनकी त्वचा कुछ ज्यादा सेंसिटिव होती है उनके लिए यह किसी वरदान से कम नहीं होती। आज हम आपको कुछ ऐसे ही नेचुरल मेकअप रिमूवर के बारे में बताने जा रहे हैं।

ऑलिव ऑयल – थोड़ा सा ऑलिव ऑयल किसी सूती कपड़े पर लेकर उसे अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं। यह आपके चेहरे की सारी गंदगी को दूर कर उसे पूरी तरह से साफ कर देगा।

खीरे का पेस्ट – खीरे की तासीर काफी ठंडी होती है, यह हम सभी जानते हैं। खीरे को कद्दूकस पर घिसकर उसका पेस्ट बना लीजिए। इस पेस्ट में एक चम्मच बादाम का तेल मिलाकर पूरे चेहरे पर रगड़िए। कुछ देर बाद गर्म पानी से इसे धो लीजिए। यह आपके चेहरे को प्राकृतिक सुंदरता देगा।

एलोवेरा जेल – एलोवेरा त्वचा का काफी लोकप्रिय प्राकृतिक उपचार है। दो चम्मच एलोवेरा जेल को तीन चम्मच जैतून के तेल के साथ मिलाएं और सूती कपड़े की मदद से इसे पूरे चेहरे पर लगाएं। दो मिनट बाद इसे

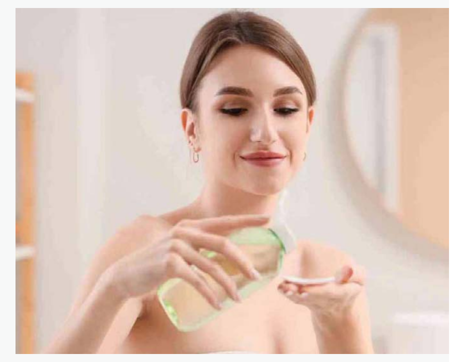

धोकर साफ कपड़े से पोछ लें।

दूध – अगर आपकी त्वचा थोड़ी सेंसिटिव है तो आपके लिए दूध का प्रयोग मेकअप रिमूवर के बतौर ज्यादा सही रहेगा। कॉटन बॉल को दूध में भिगोकर इससे अपने चेहरे को साफ करें। यह आपके चेहरे को पूरी तरह से साफ कर देगा।

दही – दही एक बेहतरीन मेकअप रिमूवर की तरह काम करता है। दही को अच्छी तरह से फेंटकर किसी कॉटन बॉल की सहायता से अपने चेहरे पर लगाएं। थोड़ी देर हल्के हाथों से रगड़ें। जब मेकअप पूरी तरह से उतर जाए तो चेहरे को पानी से अच्छी तरह से धो लें।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, आषाढ़ शुक्ल पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु अस्त, पश्चिमी शुक्रोदय, पूर्वे तिथी, 14 चतुर्दर्शी, बुधवासरे, मूल नक्षत्रे, वृण योगे, गरकरणे, धनु की चंद्रमा, भद्रा 19/59, चतुर्दर्शी व्रत, मूल समाप्त रात्रि, रात्रि आरंभ 5/09 रवियोग 34/59 रोग स्नान, तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभफल कारक होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, धनी-मानी, वक्ता-अधिवक्ता, कुशल व्यापारी, किराना-कपड़ा मर्चेन्ट, क्राकरी व्यापारी होगा।

मेष राशि :- इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, मनोबल बनाये रखें, विचार हीनता से बचें, धैर्य रखें।

वृष राशि :- भाग्य का सितारा साथ देगा, इष्ट मित्र सहयोग करेंगे, रुके कार्य अवश्य बनेंगे।

मिथुन राशि :- इष्ट मित्रों से परेशानी, अशांति के वातावरण से बचें, दैनिक कार्य में अनुकूलता बनेगी।

कर्क राशि :- मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि, स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास होगा, दैनिक कार्य में बाधा बनेगी।

सिंह राशि :- कार्यगति अनुकूल होगी, सामाजिक कार्य में प्रभुत्व वृद्धि होगी, समय अनुकूलता से लाभ लें।

कन्या राशि :- कुटुम्ब की परेशानी, चिन्ता, व्यग्रता, मानसिक उद्विघ्नता से अवश्य बचें, धैर्य से काम लें।

तुला राशि :- धन हानि, शरीर कष्ट तथा मानसिक बेचैनी तथा भ्रमण एवं विरोध होगा, धैर्य से काम लें।

वृश्चिक राशि :- इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, अधिकारियों का समर्थन फलप्रद रहेगा, समय स्थिति का लाभ लें।

धनु राशि :- कार्य कुशलता से संतोष होगा, दैनिक समृद्धि के साधन बनेंगे, फलप्रद स्थिति रहेगी।

मकर राशि :- दैनिक कार्यवृत्ति में सुधार होगा, योजनायें फलीभूत होंगी, कार्य समय पर करें।

कुंभ राशि :- विशेष कार्य स्थगित रखें, मानसिक विभ्रम एवं उद्विघ्नता बनेगी, कार्य योजना पर ध्यान दें।

मीन राशि :- कार्य विफलत्व, कार्य करने पर भी सफलता दिखायी न दे, कार्य अवश्य करें।

फटी एड़ियों ऐसे होंगी ठीक

महिलाएं आम तौर पर पैरों पर कम ध्यान देती हैं पर पैरों की खूबसूरती भी जरुरी है पर कई बार धूल लगने से एडियां फट जाती है। इससे पैरों की खूबसूरती कम हो जाती है पर फटी एडियों को ठीक करने के लिए कहीं बाहर जाने की बजाय कुछ घरेलू उपायों को करना ठीक रहता है।

नींबू रहेगा फायदेमंद

नींबू का इस्तेमाल करके फटी एड़ियों को सही किया जा सकता है। इसके लिए नींबू के रस को गर्म पानी में मिलाएं और 10 से 15 मिनट तक पैरों को पानी में डुबोए रखें. इसके बाद एड़ी को प्यू मिक स्टोसन से साफ करें और फिर पैरों को धो कर तौलिये से पोछ लें।

गुलाब जल और ग्लीएसरीन

ग्लीबसरीन और रोजवॉटर (गुलाब जल) फटी एड़ियों को सही करने और एड़ियों को मुलायम करने में मदद करता है। सबसे पहले ग्लीयसरीन और रोजवॉटर को बराबर मात्रा में लेकर पेस्टट तैयार कर लें। रात को सोने से पहले इस पेस्ट को एडियों पर लगा लें।

वनस्पति तेल

वनस्पति तेल भी फटी एड़ियों के लिए काफी सही रहता है। वनस्पति तेल में जैतून, नारियल, तिल या किसी भी तरह का वनस्पति तेल लेकर रात को सोने से पहले एडियों में मसाज करने से फायदा मिलेगा। इसके लिए सबसे पहले पैरों को गर्म पानी में भिगोकर रखें और बाद में स्क्राब कर के सुखा लें। इसके बाद वनस्पति तेल को एड़ी और तलवों पर लगाकर मोजे पहनकर सो जाएं।

नीम

नीम भी फटी एड़ियों को सही करने में कारगर साबित हो सकता है. इसके लिए सबसे पहले नीम की पत्तिोयों को हल्दीर के साथ मिक्सो कर के पेस्टे तैयार कर लें और इस पेस्टं को एडियों पर लगा लें। इस पेस्ट को 1 घंटे लगाकर रखें और फिर पानी से साफ कर लें।

इस तरह आप हर उम्र में दिखेंगी सुंदर

एक समय था जब महिलाओं के लिए शादी के कुछ साल बाद तक ही सुंदर दिखना जरूरी समझा जाता था। लेकिन सौंदर्य के प्रति बढ़ती जागरूकता और बाजार के तेजी से विकास ने इस धारणा को बदल दिया है कि महिलाएं उम्र के एक खास मोड़ तक ही खुद को सुंदर बनाए रख सकती हैं। नई धारणा यह कहती है कि आप हर उम्र में सुंदर दिख सकती हैं। बस जरूरत है तो केवल खुद पर अधिक ध्यान देने की।

किशोरियों के लिए

यह लड़कियों की ऐसी उम्र होती है, जब बाहर की दुनिया में लड़कियों को अपने होने का अहसास होता है। यही वह उम्र भी है जब लड़कियों में शारीरिक बदलाव आते हैं और वे बहुत सारी बातों को जानना और समझना चाहती हैं। और साथ ही वे चाहती हैं खुद सुंदर और सुंदर दिखना। इस उम्र में ही लड़कियों को मुंहासों की परेशानी का भी सामना करना पड़ता है।नीम की दो-तीन पत्तियों को सुबह खाली पेट खाने से खून साफ होता है, जिससे मुंहासे नहीं होते।गुलाब जल में मुल्तानी मिट्टी और चंदन पाउडर मिला कर लगाने से चेहरे पर ग्लो आता है। मुंहासे ठीक करने के लिए जायफल को दूध में मिला कर चेहरे पर लगाएं।

सबसे पहले अपने चेहरे के प्रकार को पहचानें, त्वचा रूखी, तैलीय, सामान्य तीन तरह की होती हैं। हर त्वचा की देखभाल के तरीके अलग होते हैं। तैलीय त्वचा पर मुंहासों की समस्या ज्यादा होती है। ऐसे चेहरे को गुनगुने पानी से दिन में दो-तीन बार धोएं और एन्टीबैक्टीरियल साबुन का प्रयोग करें। इस उम्र में त्वचा नाजुक होती है इसलिए फेशियल न करवाएं, चेहरे की सफाई पर ज्यादा ध्यान दें।

दिन में 8-10 ग्लास पानी जरूर पिएं। घूप में सनस्क्रीन प्रयोग करें।

मुंहासों को फोड़े नहीं, वरना इनके गहरे निशान पड़ जाते हैं, जो आपके चेहरे पर लम्बे समय तक नहीं जाते।

कम से कम मेकअप करें।

बीस से तीन की उम्र

यह वह उम्र होती है, जब लड़कियों का बाहर की दुनिया से संपर्क बढ़ता है। वे पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ डेटिंग और घूमने फिरने के शौक भी पूरे करती हैं। जाहिर है, इस उम्र में लड़कियों को सुंदर लगने की सबसे ज्यादा जरूरत महसूस होती है। वे बदलते फैशन के अनुसार खुद को बदलना चाहती हैं इस समय खूबसूरती के लिए यह उपाय करें।

अगर आपके चेहरे पर ज्यादा पसीना आता है तो मेकअप से पहले चेहरे पर बर्फ के टुकड़े से मसाज करें।

कैलामाइन और चंदन पाउडर को गुलाब जल में मिला कर लगाएं।

मेकअप उतारने के लिए कच्चे दूध का इस्तेमाल करें।

रात को सोने से पहले सारा मेकअप उतार दें और कॉटन से चेहरे पर गुलाब जल लगाएं। इससे आपके चेहरे के रोम छिद्र बंद नही होंगे।

इस प्रकार करें मेकअप

हमेशा अपने चेहरे के कॉम्पलेक्शन के हिसाब से फाउंडेशन चुनें।

चेहरे पर अच्छी कम्पनियों के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें।

मेकअप से चेहरे के सबसे अच्छे फीचर को हाईलाइट करें।

बरसात के मौसम में वॉटर प्रूफ मेकअप करें और नेचुरल प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें।

महीने में एक बार फेशियल जरूर करवाएं।

तीस के बाद करें सादा मेकअप

यह लड़कियों की वह उम्र होती है, जब उनकी शादी हो चुकी होती है। और शादी के दो-तीन साल तो वह सुंदरता पर खास ध्यान देती हैं, लेकिन धीरे-धीरे सजने-संवरने की उनकी आदत कम होती जाती है। लिहाजा इस उम्र में महिलाओं के चेहरे पर बढ़ती उम्र के लक्षण दिखने लगते हैं। चेहरे पर हल्की लकीरें उभरना, छोटे-छोटे काले धब्बे होना, झुर्रियां और झाइयां पड़ना शुरू हो जाती हैं। चेहरे में आ रहे इन बदलावों को नजरअंदाज न करें। यह वो उम्र होती है, जब आप अपनी बढ़ती उम्र को रोक सकती हैं।

बहुत से स्किन स्पेशलिस्ट ये सलाह देते हैं कि झुर्रियों की शुरुआत में ही उनकी रोकथाम कर ली जाए तो उन्हें बढ़ने से रोका जा सकता है।

इस प्रकार बढ़ती उम्र में भी रहे स्टायलिश

सबसे पहले अपने खाने-पीने की आदतों में बदलाव लाएं। बढ़ती उम्र में अंदरूनी खूबसूरती पर ध्यान दें।

खाने में विटामिन और कैल्शियम वाली चीजों की मात्र बढ़ा दें।

आंखों के आस-पास उभरने वाली मरीन रेखाओं पर अच्छी आईक्रीम लगाएं।

इस प्रकार के उपाय करें

केले में शहद मिलाकर चेहरे पर 15-20 मिनट तक लगाएं, फिर गुनगुने पानी सें धोएं। इससे झुर्रियों का आना कम होता है।

त्वचा को मुलायम बनाने के लिए पपीते के गूदे को चेहरे पर लगाएं।

चेहरे पर साबुन का प्रयोग न करें। बेसन और दही के मिश्रण से चेहरा साफ करें।

चालीस की उम्र पार करते ही मानो महिलाओं की दुनिया बहुत सीमित हो जाती है। इस उम्र में बच्चों बड़े हो रहे होते हैं और ऐसे में महिलाओं को लगता है कि अब किसके लिए सजना है।

लेकिन यह सोच भी अब बदल रही है। महिलाओं की बाहरी दुनिया का भी विस्तार हो रहा है। और शायद यही वह समय है जब महिलाओं को लग रहा है कि उन्हें इस उम्र में भी सुंदर लगना चाहिए।

15-20 दिन में एक बार फेशियल करवाएं।खाने पर ज्यादा ध्यान दें, 7 बादाम, 7 किशमिश, 2 अखरोट रोज खाएं। झुर्रियों को छुपाने के लिए कंसीलर का सही तरीके से इस्तेमाल करें।

धूप में सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें और किसी अच्छी एंटी- रिंकल क्रीम से फेशियल करवाएं।

ज्यादा हैवी मेकअप न करें, हल्के रंग की लिपस्टिक का इस्तेमाल करें।

मोटापे के कारण महिलाओं के प्रजनन स्तर पर भी पड़ता है विपरीत प्रभाव

मां बनना हर महिला का सपना होता है पर गर्भधारण करने से पहले अगर कुछ सावधानी रखें तो मां और बच्चा दोनो ही स्वस्थ रहते हैं। इसलिए गर्भधारण करने से पूर्व पूरी तरह से स्वस्थ रहना बहुत जरूरी होता है। इस दौरान आपको अपने वजन का भी खास ध्यान रखना पड़ता है। अगर आप गर्भधारण करने के बारे में सोच रहीं हैं तो आपको सबसे पहले अपने बढ़ते वजन को नियंत्रित करना चाहिए। अगर आप गर्भावस्था से पहले मोटी हैं तो इसके कारण आपको गर्भावस्था के दौरान कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कुछ किलो वजन घटाकर आप गर्भावस्था से जुड़ी कई तरह की समस्या को दूर कर सकती हैं। तो चलिए हम आपको इसके कुछ और कारण बताते हैं कि क्यों गर्भावस्था से पहले आपको अपना वजन कम कर लेना चाहिए। इन कारणों को जानने के बाद आप वजन घटाने के लिए तैयार हो जाएंगीं। कई शोधों में ये दावा किया जा

चुका है कि गर्भपात, बच्चे में कोई कमी और जन्म के दौरान किसी भी तरह की परेशानी का कारण मोटापा हो सकता है। प्रजनन में आती हैं दिक्कतें मोटापे के कारण आपकी प्रजनन क्षमता भी कम हो सकती है। मोटापे का असर महिलाओं के प्रजनन स्तर पर भी पड़ता है। जी हां, ये बात सच है कि मोटापे के कारण कई महिलाएं शुरुआती स्तर में ही गर्भधारण नहीं कर पाती हैं। गर्भावस्था के दौरान मोटापे की वजह से उच्च रक्तचाप, मधुमेह और अन्य कई तरह की समस्यासओं का खतरा बढ़ जाता है। जन्म से ही मधुमेह इन सामान्य खतरों के अलावा आपके बच्चे को कोई घातक परेशानी या रोग भी हो सकता है। अगर गर्भावस्था के दौरान मोटापे के कारण बच्चे को जन्म से ही मधुमेह की शिकायत हो सकती है। इसके अलावा बच्चे को और भी कई रोग होने का खतरा बना रहता है। वहीं अगर आपका वजन सामान्य है या सामान्य से थोड़ा ज्यादा है तो आपको बहुत ज्यादा चिंता करने की जरूरत बिलकुल नहीं है पर इसका मतलब ये नहीं है कि आप लापरवाह हो जाएं और जो कुछ भी मन करे वो खाएं। इस समय आपके शरीर को कई ज्यादा पोषण और देखभाल की जरूरत होती है। इसलिए गर्भावस्था से पहले, गर्भावस्था के दौरान और प्रसव के बाद अपने खानपान और वजन का खास ख्याल रखें

खानपान का रखें ध्यान

अगर आपका वजन सामान्य है या सामान्य से थोड़ा ज्यादा है तो आपको बहुत ज्यादा चिंता करने की जरूरत बिलकुल नहीं है। लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि आप लापरवाह हो जाएं और जो कुछ भी मन करे वो खाएं। इस समय आपके शरीर को कई ज्यादा पोषण और देखभाल की जरूरत होती है इसलिए गर्भावस्था से पहले, गर्भावस्था के दौरान और प्रसव के बाद अपने खानपान और वजन का खास ख्याल रखें।

महिलाएं इस प्रकार रखें सेहत का ध्यान

महिलाओं को ऐसी बहुत सी समस्याएं होती है जिसका सही समय पर इलाज न होने पर वो किसी बड़ी बीमारी का रुप ले लेती है। इसलिए उन्हें शुरुआत से ही सावधान रहना चाहिये। वैसे तो लहसुन का इस्तेमाल खाना बनाने के लिए किया जाता है लेकिन इससे महिलाओं की कई तरह की समस्याएं दूर हो सकती है। रोजाना केवल एक लहसुन का सेवन करने से आप कई तरह बीमारियों से छुटकारा पा सकती हैं। इसके लिए आपको दवाइयों का सहारा भी नहीं लेना पड़ेगा। एक आम समस्या कब्ज की है जो महिलाएं किसी से कह नहीं पातीं। जिसके कारण उनकी ये समस्यां किसी बड़ी बीमारी का रुप ले लेती है। इसके लिए रोजाना एक लहसुन की कली को शहद में मिला कर खाने से शरीर के विषाक्त पदार्थों बाहर निकल जाएंगे और आपकी कब्ज की समस्या दूर हो जाएगी।

पैरों की झनझनाहट

पैरों में झनझनाहट होने पर आप इसे छोटी सी बात समझ कर अनदेखा कर देते है। लहसुन में मौजुद प्रोटीन, वसा, कार्बोज, खनिज पदार्थ नसों की झनझनाहट की समस्यां दूर हो जाती है। रोजाना एक लहसुन की कली खाने से बार-बार पैरों में झनझनाहट होनी बंद हो जाएगी। आज के समय में ब्लड प्रैशर की समस्यां ज्यादातर महिलाओं में देखने को मिलती है। विशेषज्ञों के अनुसार हाई बल्ड प्रैशर होने पर खाली पेट लहसुन का सेवन करने से इस समस्यां से छुटकरा पाया जा सकता है। ये ब्लड सर्कुलेशल को बढ़ने से रोकता है। इसके अलावा लहसुन खाना दिल के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है।

इम्युन सिस्टम मजबूत

शरीर की ज्यादातर बीमारियां इम्यून सिस्टम के कमजोर होने पर होती है। रोजाना खाली पेट एक लहसुन का पेस्ट बनाकर नींबू और शहद मिला कर खाने से इम्यून सिस्टम तो ठीक रहता ही है साथ ही इससे कोलेस्ट्रॉल भी कंट्रोल में होता है। लहसुन इन दोनों को बेहतर बनाकर शरीर से बीमारियों को दूर रखता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 270 और निफ्टी 61 अंक उछला

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 270.01 अंकों की बढ़त के साथ ही 83,712.51 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी इंडेक्स भी 61.20 अंकों की तेजी के साथ ही 25,522.50 अंकों पर बंद हुआ। गत दिवस बाजार सपाट बंद हुआ था।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 18 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि शेष सभी 12 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। इसी प्रकार निफ्टी की 50 में से 27 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही ऊपर आये जबकि शेष सभी 23 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर सबसे ज्यादा 3.40 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए जबकि टाइटन के शेयर आज सबसे ज्यादा 6.17 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आज एशियन पेंट्स 1.69 फीसदी , एनटीपीसी 1.64 फीसदी , बीईएल 1.20 फीसदी , अडाणी पोर्ट्स 0.94 फीसदी , एसबीआई 0.72 फीसदी , एचडीएफसी बैंक 0.72 फीसदी , इंफोसिस 0.69 फीसदी , एलएंडटी 0.68 फीसदी , टेक महिंद्रा 0.64 फीसदी , टाटा मोटर्स 0.64 फीसदी , पावरग्रिड 0.63 फीसदी , अल्ट्राटेक सीमेंट 0.55 फीसदी , बजाज फिनसर्व 0.54फीसदी , आईसीआईसीआई बैंक 0.42 फीसदी , बजाज फाइनेंस 0.31 फीसदी बढ़त के साथ बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर ट्रेंट के शेयर में 1.12 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.85 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.81 फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.72 फीसदी, सनफार्मा 0.41 फीसदी, टाटा स्टील 0.28 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 0.16 फीसदी, टीसीएस 0.16 फीसदी, भारती एयरटेल 0.11 फीसदी, एचसीएल टेक 0.11 फीसदी ।

इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में बढ़त के बीच ही घरेलू बाजार गिरावट के साथ लगभग सपाट स्तर पर खुला। अमेरिकी व्यापार नीतियों पर अनिश्चितता के कारण निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया । सेंसेक्स 50 से ज्यादा अंक की गिरावट लेकर 83,387.03 पर खुला जो 10.05 अंक की गिरावट लेकर 83,432.45 पर कारोबार कर रहा था।

इसी तरह निफ्टी-50 भी मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में लगभग सपाट लेवल 25,427.85 पर खुला । एशियाई बाजार मिलीजुली शुरुआत के बाद बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। जापान के निक्केई 225 बेंचमार्क में 0.21 फीसदी की बढ़त रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.13 फीसदी ऊपर आया। ऑस्ट्रेलिया के एसएंडपी/एएसएक्स 200 बेंचमार्क में रिजर्व बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया के ब्याज दर निर्णय से पहले 0.21 फीसदी की वृद्धि हुई। हांगकांग के हैंग सेंग में 0.17 फीसदीकी वृद्धि हुई।

नेक्टर लाइफसाइंसेज के शेयरों में जोरदार गिरावट

52 सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली (ईएमएस)। नेक्टर लाइफसाइंसेज के शेयरों में मंगलवार को जोरदार गिरावट दर्ज की गई। कंपनी के प्रमुख एपीआई और फॉर्मूलेशन बिजनेस को 1,270 करोड़ रुपए में बेचने की घोषणा के बाद शेयर इंट्रा-डे ट्रेडिंग में करीब 20 फीसदी गिरकर 18.60 पर पहुंच गया, जो इसका 52 सप्ताह का निचला स्तर है। कंपनी ने यह डील सेफ लाइफसाइंसेज के साथ की है, जिसके तहत एपीआई और फॉर्मूलेशन यूनिट सेफ लाइफसाइंसेज को ट्रांसफर कर दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, कंपनी अपनी मेंटॉल यूनिट की संपत्तियां 20 करोड़ रुपए में अलग से बेचेगी। यह सौदा 20 सितंबर 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है, लेकिन यह शेयरधारकों और नियामकीय मंजूरी पर निर्भर करेगा। कंपनी ने स्पष्ट किया कि इस सौदे से मिलने वाली राशि का उपयोग मौजूदा कर्ज चुकाने, नए क्षेत्रों में निवेश, शेयरधारकों को रिवॉर्ड देने और भविष्य की ग्रोथ योजनाओं को लागू करने में किया जाएगा। हालांकि प्रबंधन का मानना है कि यह निर्णय दीर्घकालीन वैल्यू निर्माण में मदद करेगा, लेकिन बाजार की तात्कालिक प्रतिक्रिया नकारात्मक रही। निवेशक कंपनी के मुख्य बिजनेस से बाहर निकलने और भविष्य की रणनीति को लेकर अनिश्चित हैं।

मोबाइल प्लान होंगे महंगे, मीडियम और प्रीमियम यूजर्स होंगे प्रभावित

नई दिल्ली (ईएमएस)। मोबाइल यूजर्स के लिए साल के अंत तक टैरिफ का झटका आ सकता है। टेलीकॉम कंपनियां कॉल और डेटा प्लान में 10–12 फीसदी तक की बढ़ोतरी करने की तैयारी में हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वृद्धि मुख्य रूप से मीडियम और हाई-वैल्यू ग्राहकों पर केंद्रित होगी, जबकि लो-वैल्यू यूजर्स पहले ही कीमतों की मार झेल चुके हैं। मई 2025 में देश में 74 लाख नए एक्टिव यूजर्स जुड़े, जो पिछले 29 महीनों में सबसे बड़ी मासिक वृद्धि है। यह लगातार पांचवां महीना है जब यूजर बेस में इज़ाफा हुआ है। इससे कंपनियों को टैरिफ बढ़ाने का आत्मविश्वास मिला है। जुलाई 2024 में कंपनियों ने बेस प्लान में 11 से 23 फीसदी तक की बढ़ोतरी की थी, जिसके चलते 2.1 करोड़ यूजर्स ने सेवाएं छोड़ दी थीं। हालांकि, अब एक बार फिर यूजर ग्रोथ तेज हो गई है, जिससे कंपनियां दोबारा कीमतें बढ़ाने पर विचार कर रही हैं। रिलायंस जियो ने मई में सबसे ज्यादा 55 लाख नए एक्टिव यूजर्स जोड़े और उसका बाजार शेयर 53 फीसदी तक पहुंच गया। वहीं एयरटेल ने 13 लाख नए यूजर्स जोड़कर 36 फीसदी हिस्सा हासिल किया। विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि कंपनियां केवल प्लान की कीमत नहीं बढ़ाएंगी, बल्कि डेटा लिमिट घटाकर अप्रत्यक्ष रूप से भी टैरिफ महंगे कर सकती हैं। इससे यूजर्स को अतिरिक्त डेटा पैक खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया को मिले नए अध्यक्ष और सीईओ हरदीप सिंह बरार

गुरुग्राम (ईएमएस)। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने हरदीप सिंह बरार को अपना नया अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की है। यह नियुक्ति 1 सितंबर से प्रभावी होगी। बरार, विक्रम पावाह की जगह लेने वाले हैं, जो अब बीएमडब्ल्यू ग्रुप ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का पदभार संभालने वाले है।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप के एशिया-प्रशांत, पूर्वी यूरोप, मध्य पूर्व और अफ्रीका क्षेत्र के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, जीन-फिलिप पैरेन ने नियुक्ति पर कहा कि भारत बीएमडब्ल्यू ग्रुप के लिए सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है और उनकी दीर्घकालिक सफलता की रणनीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। उन्होंने कहा कि बरार के पास इस गतिशील बाजार का नेतृत्व करने और बीएमडब्ल्यू ग्रुप के संचालन को मजबूत करने के लिए व्यापक विशेषज्ञता और भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग की गहरी समझ है। बरार भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग में 30 से अधिक वर्षों का समृद्ध अनुभव रखते हैं, उन्होंने कई वरिष्ठ प्रबंधन पदों पर काम किया है। हाल ही में उन्होंने किआ इंडिया में सेल्स और मार्केटिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया था। बीएमडब्ल्यू, मिनी और मोटरराड के साथ, बीएमडब्ल्यू ग्रुप ने भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार के प्रीमियम क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत की है। बीएमडब्ल्यू इंडिया बीएमडब्ल्यू ग्रुप की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी है और इसका मुख्यालय गुरुग्राम (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में है। बीएमडब्ल्यू इंडिया ने 2007 में परिचालन शुरू किया था। जनवरी 2012 में लांच होने के बाद से मिनी ने भारत में प्रीमियम स्मॉल कार ब्रांड के रूप में खुद को सफलतापूर्वक स्थापित किया है।

ईडीएस में 91 फीसदी खुदरा निवेशकों को 1.06 लाख करोड़ घाटा

डेरिवेटिव ट्रेड पर सेबी का खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। वित्तीय वर्ष 2024-25 में शेयर बाजार के इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट (ईडीएस) में खुदरा निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार इस अवधि में लगभग 91 फीसदी खुदरा निवेशक घाटे में रहे, और उनका कुल नुकसान 1.06 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में 41 फीसदी अधिक है। सेबी का यह विश्लेषण दिसंबर 2024 से मई 2025 के बीच की ट्रेडिंग गतिविधियों पर आधारित है। रिपोर्ट उन मीडिया दावों के बाद आई है, जिनमें कहा गया था कि अक्टूबर 2023 में डेरिवेटिव ढांचे में किए गए सुधारों के बाद खुदरा निवेशकों को नुकसान कम हुआ है। सेबी ने खुदरा निवेशकों की सुरक्षा के लिए लॉट साइज बढ़ाने जैसे कई सख्त कदम उठाए। इसके चलते प्रीमियम के आधार पर इंडेक्स ऑप्शन टर्नओवर में 9 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि दो वर्षों की तुलना में इसमें अब भी 14 फीसदी की वृद्धि देखी गई है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि एफएंडओ सेगमेंट में ट्रेड करने वाले रिटेल निवेशकों की संख्या में सालाना 20 फीसदी की गिरावट आई है, लेकिन यह संख्या दो वर्षों में अब भी 24 फीसदी अधिक है। वहीं प्रीमियम के हिसाब से रिटेल टर्नओवर में एक वर्ष में 11 फीसदी की कमी आई, पर दो वर्षों में 36 फीसदी की वृद्धि हुई है।

सोभा की पहली तिमाही में बिक्री बुकिंग बढ़कर 2079 करोड़ रही

बेंगलुरु (ईएमएस)। रियल एस्टेट कंपनी सोभा ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 11 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,078.8 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग दर्ज की। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में 1,873.7 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल की थी। सोभा लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि अप्रैल-जून अवधि में उसने 14.44 लाख वर्ग फुट क्षेत्र बेचा जबकि पिछले साल उसने 11.75 लाख वर्ग फुट क्षेत्र की बिक्री की थी। अप्रैल-जून तिमाही में 10.7 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र पूरा किया और विभिन्न परियोजनाओं में 594 मकानों को ग्राहकों को सौंपा। देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक सोभा ने अपनी स्थापना के बाद से करीब 14.5 करोड़ वर्ग फुट का निर्माण किया है। कंपनी की उपस्थिति 13 शहरों में है।

अमेरिका से व्यापार समझौते में भारत को बरतनी चाहिए सतर्कताः जीटीआरआई

नई दिल्ली (ईएमएस)। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा है कि अमेरिका के साथ संभावित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देते समय भारत को अत्यंत सावधानी बरतनी चाहिए। संस्थान ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्यापार मॉडल मुक्त व्यापार को बढ़ावा देने का नहीं, बल्कि अन्य देशों पर जवाबी शुल्क का दबाव बनाकर समझौते कराने का है। जीटीआरआई के अनुसार, अमेरिका ने शुल्क लागू करने की समय-सीमा 9 जुलाई से बढ़ाकर 1 अगस्त कर दी है, जिससे देशों को अंतिम तीन सप्ताह का समय मिल गया है। अमेरिका ने जिन 14 देशों को पत्र भेजकर चेताया है, उनमें भारत फिलहाल शामिल नहीं है, लेकिन यह स्पष्ट संकेत है कि भारत भी दबाव में आ सकता है। जीटीआरआई के संस्थापक ने बताया कि ट्रंप प्रशासन ने जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, बांग्लादेश, थाईलैंड मेत कई देशों पर 25 फीसदी से 40 फीसदी तक शुल्क लगाने की घोषणा की है। इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो सकती है और अमेरिका में उपभोक्ता कीमतों में वृद्धि संभव है।

अमेरिका ने जवाबी शुल्क निलंबन बढ़ाया

- भारतीय निर्यातकों को मिली अस्थायी राहत

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका ने भारत सहित कुछ देशों पर प्रस्तावित जवाबी शुल्क को 1 अगस्त तक टाल दिया है, जिससे भारतीय निर्यातकों को अस्थायी राहत मिली है। यह निर्णय पहले लागू 90 दिवसीय निलंबन की अवधि 9 जुलाई को समाप्त होने से ठीक पहले लिया गया है। अब भारत और अमेरिका को द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने के लिए अतिरिक्त समय मिल गया है। ट्रंप प्रशासन ने बांग्लादेश, कंबोडिया, जापान, दक्षिण कोरिया जैसे देशों को शुल्क से संबंधित पत्र भेजे हैं, पर भारत को इस सूची में शामिल नहीं किया गया है। यह दर्शाता है कि अमेरिका फिलहाल भारत के साथ रचनात्मक संवाद बनाए रखना चाहता है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन के महानिदेशक ने कहा कि यह विस्तार हमारे वार्ताकारों को विवादित मुद्दों को सुलझाने का अवसर देता है। वहीं व्यापार विशेषज्ञ विश्वजीत धर ने इसे भारत के लिए रणनीतिक सफलता बताया।
मुंबई के एक निर्यातक ने आगाह किया कि यह राहत बहुत छोटी है और भारत को वैकल्पिक बाजारों की खोज शुरू कर देनी चाहिए, क्योंकि अमेरिकी नीति में अनिश्चितता बनी हुई है। भारत और अमेरिका के बीच 2024-25 में 131.84 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ, जिसमें भारत को 41.18 अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष प्राप्त हुआ। यह निलंबन व्यापारिक संबंधों में सुधार की संभावनाओं को बढ़ाता है। यदि जुलाई के अंत तक बीटीए को अंतिम रूप दे दिया जाए, तो यह भारत के निर्यातकों के लिए दीर्घकालिक लाभदायक सिद्ध हो सकता है।

सीडीएससीओ ने जारी की 17 खतरनाक दवाओं की सूची

फ्लश करने की दी सलाह, गलत तरीके से इस्तेमाल होने पर हो सकती हैं जानलेवा

नई दिल्ली (ईएमएस)। कई बार इमरजेंसी में खरीदी गई दवाएं बिना इस्तेमाल के घर में पड़ी रहती हैं और समय के साथ एक्सपायर हो जाती हैं। अधिकतर लोग इन्हें कूड़ेदान में फेंक देते हैं, लेकिन कुछ दवाएं इतनी खतरनाक होती हैं कि उनका गलत हाथों में जाना जानलेवा साबित हो सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत की शीर्ष दवा नियामक संस्था सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) ने हाल ही में 17 संवेदनशील दवाओं की सूची जारी की है, जिन्हें अगर घर में पड़ी हों और उपयोग में नहीं आ रही हों, तो तुरंत टॉयलेट में फ्लश कर देना चाहिए। इन दवाओं में फेंटेनिल, ट्रामाडोल, मॉर्फिन सल्फेट, बुप्रेनॉर्फिन, मिथाइलफेनिडेट, टापेन्टाडोल, ऑक्सीकोडोन और डायजेपाम जैसे शक्तिशाली पेनकिलर और एंटी-एंग्जायटी ड्रग्स शामिल हैं। ये सभी नशे की लत पैदा कर सकती हैं और गलत तरीके से इस्तेमाल होने पर जानलेवा हो सकती हैं। सीडीएससीओ ने यह भी स्पष्ट किया है कि इन 17 दवाओं को छोड़कर अन्य सामान्य दवाओं को टॉयलेट में फ्लश करना पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकता है। इसके लिए ड्रग टेक-बैक जैसी वैज्ञानिक और पर्यावरण-अनुकूल पहल अपनाने का सुझाव दिया गया है, जिसमें राज्य औषधि विभाग और स्थानीय केमिस्ट शामिल हो सकते हैं। एआईआईएमएस की एक स्टडी के अनुसार, दवाओं को डस्टबिन में फेंकने से वे जल स्रोतों में पहुंचकर मल्टी-ड्रग रेसिस्टेंट बैक्टीरिया को जन्म देती हैं, जो न इंसानों के लिए खतरा हैं, न ही जलीय जीवन के लिए सुरक्षित।

शंख एयर उत्तर प्रदेश, लखनऊ से छह गंतव्यों के लिए उड़ान सेवा शुरू करेगी

अन्य स्थानों में क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने पर कर रही है विचार

मुंबई (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश की नई विमानन कंपनी शंख एयर ने राज्य की राजधानी लखनऊ से छह प्रमुख गंतव्यों को जोड़ने की योजना बनाई है। कंपनी की यह पहल क्षेत्रीय हवाई संपर्क को मजबूत करने और स्थानीय विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की जा रही है। शंख एयर फिलहाल नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से उड़ान संचालन की मंजूरी का इंतजार कर रही है। शंख एयर शुरुआत में लखनऊ से वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, चित्रकूट, इंदौर और देहरादून के लिए हवाई सेवाएं संचालित करेगी। कंपनी ने अपनी उड़ानों के लिए 'नैरो-बॉडी' एयरबस एA320 विमानों को पट्टे पर लेने का निर्णय लिया है, जो टर्बोप्रॉप विमानों की तुलना में अधिक कुशल और आरामदायक माने जाते हैं। यह कदम क्षेत्रीय विमानन क्षेत्र में एक नई दिशा का संकेत देता है, जहां बड़े विमानों के जरिए बेहतर सेवा देने की कोशिश की जा रही है। शंख एयर के चेयरमैन ने हाल ही में नई दिल्ली में केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू से मुलाकात कर कंपनी की योजनाओं और सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि शंख एयर ने डीजीसीए से उड़ान अनुमति के लिए आवेदन कर दिया है और मंजूरी मिलने के बाद सेवा शुरू करने की तैयारी में है। उन्होंने कहा कि कंपनी नीति निर्माताओं के साथ मिलकर काम कर रही है ताकि उसकी विस्तार योजनाएं राष्ट्रीय विमानन लक्ष्यों के अनुरूप हों। शंख एयर का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के वंचित और पिछड़े क्षेत्रों को जोड़कर स्थानीय व्यवसाय, पर्यटन और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही कंपनी सरकार की क्षेत्रीय विकास और रोजगार सृजन की प्राथमिकताओं का समर्थन करेगी। इस पहल से राज्य के लोगों को हवाई यात्रा के अधिक विकल्प और बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

ऐप्पल की नई आईफोन 17 सीरीज जल्द होगी लॉन्च

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऐप्पल अपनी नई आईफोन 17 सीरीज को सितंबर में लॉन्च कर सकता है। कंपनी चार मॉडल पेश करेगी –आईफोन 17 , आईफोन 17 प्रो ,आईफोन 17 प्रो मैक्स और एक बिल्कुल नया आईफोन 17 स्लीम। सभी मॉडल आईओएस 26 पर चलेंगे, जिसमें नया लिक्विड ग्लास इंटरफेस और कई अनोखे फीचर्स शामिल होंगे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईफोन 17 प्रो और 17 प्रो मैक्स में लेटेस्ट ए19 प्रो चिपसेट होगा, जिसे टीएसएमसी की थर्ड जनरेशन 3एनएम टेक्नोलॉजी पर तैयार किया गया है। इससे बेहतर परफॉर्मेंस और बैटरी एफिशियंसी की उम्मीद है। डिज़ाइन में भी बड़े बदलाव की चर्चा है। आईफोन 17 प्रो के रियर पैनल पर एप्पल लोगो की जगह थोड़ी नीचे शिफ्ट की जा सकती है, जिससे मेगसेफ मैग्नेट के लेआउट में बदलाव होगा। इस मॉडल में एल्यूमीनियम फ्रेम हो सकता है, जो आईफोन 15 और 16 प्रो के टाइटेनियम फ्रेम से अलग होगा। कैमरा बंप भी बड़ा और रेक्टेंगुलर आकार का होने की संभावना है, हालांकि लेंस का ट्रायंगल लेआउट बरकरार रह सकता है। आईफोन 17 प्रो एक नए स्काई ब्लू रंग में भी आ सकता है। आईफोन 17 प्रो मॉडल्स में 12जीबी रैम मिलने की अफवाह है, जो मौजूदा 8जीबी से ज्यादा है और इससे मल्टीटास्किंग और एआई फीचर्स के इस्तेमाल में मदद मिलेगी। साथ ही, एप्पल अपने खुद के वाय-फाय 7 चिप पर भी काम कर रहा है, जो इन नए आईफोन मॉडल्स में ब्रॉडकॉम चिप्स की जगह ले सकता है। कैमरा सिस्टम में भी अहम अपग्रेड की चर्चा है। फ्रंट कैमरा 12एमपी से बढ़कर 24एमपी का हो सकता है। वहीं, रियर में टेलीफोटो लेंस 12एमपी से 48एमपी तक अपग्रेड होने की उम्मीद है। 8के वीडियो रिकॉर्डिंग सपोर्ट और डुअल वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे फीचर्स भी जोड़े जा सकते हैं।

ट्रंप से मिले नेतन्याहू किया डिनर, फिलिस्तीनियों के विस्थापन पर की चर्चा

इजराइली पीएम बोले, हम फिलिस्तीनियों को बेहतर भविष्य देना चाहते हैं

गाजा,(ईएमएस)। इजराइल के वीएम बेंजामिन नेतन्याहू इस समय अमेरिका दौरे पर हैं। उन्होंने व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप के साथ डिनर किया। इस दौरान नेतन्याहू ने ट्रंप को नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट भी किया, लेकिन इस दौरान एक और जरूरी मुद्दे पर बातचीत की और वो था फिलिस्तीनियों का विस्थापन।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिका और इजराइल फिलिस्तीनियों को अन्य देशों में बसाने के विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। हम फिलिस्तीनियों को बेहतर भविष्य देना चाहते हैं। ऐसे में गाजा के लोगों को पड़ोसी मुल्कों में रिलोकेट करने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर फिलिस्तीनी गाजा में रहना चाहते हैं तो वे रुक सकते हैं लेकिन अगर वे रिलोकेट होना चाहते हैं तो उन्हें जाना चाहिए। हम इन लोगों के लिए ऐसे देश ढूंढना चाहते हैं, जहां इन्हें शिफ्ट करना चाहिए। हम ऐसे देश ढूंढ निकालने के करीब हैं।नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल और अमेरिका ऐसे देशों पर विचार कर रहा है, जो फिलिस्तीनी नागरिकों को शरण देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने बताया कि सीरिया पर लगे अमेरिकी प्रतिबंध हटाने से देश को फायदा पहुंचेगा। वहीं तेहरान पर लगे प्रतिबंध को भी हटाना चाहूंगा और देश के पुनर्निर्माण के लिए उन्हें एक मौका देना चाहूंगा। इससे पहले नेतन्याहू ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो और मिडिल ईस्ट में अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ से अलग-अलग बात की। ये बैठकें व्हाइट हाउस के पास ब्लेयर हाउस में हुई।इससे पहले गाजा को लेकर ट्रंप ने 5 प्वॉइन्ट प्लान तैयार किया था। उन्होंने कहा था कि फिलिस्तीनियों को गाजा पट्टी खाली करनी होगी। उन्हें मिस्र, जॉर्डन और अन्य देशों में स्थाई तौर पर बस जाना चाहिए। अब गाजा रहने लायक नहीं बचा। ट्रंप ने कहा था कि गाजा को खाली करवाने के बाद यहां पर जोर-शोर से पुनर्निर्माण का कार्य करवाया जाएगा और गाजा को रिवेरा वह मिडिल ईस्ट में तब्दील किया जाएगा। ट्रंप ने कहा था कि हम गाजा को मिडिल ईस्ट का रिवेरा बनाने पर फोकस करेंगे।

दिवंगत यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के मस्क ने ट्रंप पर साधा निशाना

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अरबपति एलन मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि 'क्या समय आ गया है? अरे देखो, यह फिर से किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है' और एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें लिखा था- 'आधिकारिक जेफरी एपस्टीन गिरफ्तारी काउंटर। मस्क ने जेफरी एपस्टीन मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं होने की बात को उजागर करने के लिए एक 'गिरफ्तारी काउंटर' पोस्ट किया। जाहिर तौर पर उनका ये कदम डोनाल्ड ट्रंप को निशाना बनाते हुए है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का संबंध दिवंगत यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ जोड़ा गया था।बहरहाल स्पेसएक्स और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने किसी का नाम नहीं लिया है। मगर उनका यह पोस्ट ट्रंप प्रशासन के न्याय विभाग (डीओजे) और संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के यह निष्कर्ष निकाले जाने के बाद आया है कि एपस्टीन की हत्या के कोई सबूत नहीं हैं।एक अलग मामले में यौन अपराधी के रूप में दोषी ठहराए गए इस बदनाम फाइनेंसर पर यौन संबंध बनाने के लिए कम उम्र की लड़कियों का एक विशाल नेटवर्क चलाने का आरोप था।

चीन ने राफेल को बदनाम करने के लिए रची साजिश

लंदन (ईएमएस)। राफेल को मार गिराने के पाकिस्तान के दावों की पोल खुलती दिख रही है। अब लड़ाकू विमान बनाने वाली कंपनी ने भी दो टूक कह दिया है कि पाकिस्तान ने भारत का कोई राफेल नहीं गिराया है। इसके पहले एक इंटरव्यू के दौरान भारत के रक्षा सचिव भी इसकी पुष्टि कर चुके हैं।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दसॉ एविएशन के अध्यक्ष और सीईओ एरिक ट्रैपियर ने बताया है कि एक राफेल जेट ऊंचाई पर जाकर तकनीकी खामी आ गई थी, इसकारण वह क्रैश हुआ। संघर्ष के दौरान कोई जेट नहीं गिरा था।बात दें कि रक्षा सचिव आरके सिंह ने कहा कि यह कहना गलत है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के राफेल विमान गिराए गए थे। उन्होंने कहा, आपने राफेल्स का इस्तेमाल बहुवचन में किया है। मैं आपको भरोसा दिला सकता हूं कि यह सच नहीं है। भारत के मुकाबले पाकिस्तान को जान और माल के मामले कई गुना नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए। उन्होंने कहा है कि भारतीय बलों को ऑपरेशन के दौरान पूरी छूट दी गई थी। उन्होंने कहा, हमारे सशस्त्र बलों पर कोई राजनीतिक रोक नहीं थी और उनके पास पूरी स्वतंत्रता थी।दरअसल चीन ने मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के बाद फ्रांस निर्मित राफेल लड़ाकू विमानों के प्रदर्शन के बारे में भ्रम की स्थिति पैदा करने की जिम्मेदारी अपने दूतावासों को दी थी, ताकि विमान की प्रतिष्ठा और बिक्री को नुकसान पहुंचे। फ्रांसीसी सैन्य और खुफिया अधिकारियों ने इसका निष्कर्ष निकाला है।फ्रांसीसी खुफिया सेवा की रिपोर्ट के अनुसार, चीनी दूतावासों में रक्षा अधिकारियों (डिफेंस अताशे) ने राफेल की बिक्री को प्रभावित करने के लिए एक रणनीतिक अभियान चलाया, जिसका उद्देश्य उन देशों को राजी करना था, जिन्होंने पहले से ही फ्रांस निर्मित लड़ाकू विमान का ऑर्डर दे दिया है। विशेष रूप से इंडोनेशिया कि वे राफेल विमान न खरीदें तथा अन्य संभावित खरीदारों को चीन निर्मित विमान चुनने के लिए प्रोत्साहित किया। पाकिस्तान ने दावा किया कि उसकी वायुसेना ने सैन्य संघर्ष के दौरान पांच भारतीय विमानों को मार गिराया, जिसमें तीन राफेल भी शामिल थे। फ्रांसीसी अधिकारियों का कहना है कि इससे उन देशों की ओर से राफेल के प्रदर्शन को लेकर सवाल उठे, जिन्होंने फ्रांसीसी निर्माता दसॉ एविएशन से लड़ाकू विमान खरीदे हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

रूस के पूर्व परिवहन मंत्री रोमन स्टारोवोइट की संदिग्ध मौत

मॉस्को (ईएमएस)। रूस के पूर्व परिवहन मंत्री रोमन स्टारोवोइट राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा पद से बर्खास्त करने के कुछ ही घंटों बाद वे मृत पाए गए। उनका शव मॉस्को में उनकी टेस्ला कार के पास गोली लगने के घावों के साथ मिला। रूसी जांच समिति ने पुष्टि की है कि स्टारोवोइट का शव उनकी कार के बाहर, कथित तौर पर उनके घर के पास एक पार्क में झाड़ियों में मिला। घटनास्थल पर उनके नाम से पंजीकृत एक पिस्तौल भी मिली। जांच समिति उनकी मौत की सटीक परिस्थितियों का पता लगा रही है, लेकिन रिपोर्टों के अनुसार स्टारोवोइट ने बर्खास्तगी की घोषणा के बाद खुद को गोली मार ली। पुतिन के आदेश में स्टारोवोइट को बर्खास्त करने का कोई कारण नहीं बताया गया, जिन्हें मई 2024 में परिवहन मंत्री नियुक्त किया गया था। वह इससे पहले 5 वर्षों तक कुर्क के गवर्नर रहे थे। यह घटनाक्रम सप्ताहांत के दौरान रूस की हवाई यातायात प्रणाली में आई अव्यवस्था और यूक्रेनी ड्रोन हमलों के बाद सामने आया है।5 और 6 जुलाई को यूक्रेनी ड्रोन हमलों के कारण मॉस्को के शेरेमेत्येवो और सेंट पीटर्सबर्ग के पुल्कोवो एयरपोर्ट पर 300 उड़ानें रद्द करनी पड़ी थीं। उस्त-लुगा बंदरगाह पर एक टैंकर में विस्फोट से अमोनिया रिसाव भी हुआ था, जिस पर मंत्रालय की कार्यशैली पर सवाल उठे थे। स्टारोवोइट का नाम कुर्क के गवर्नर रहते हुए भ्रष्टाचार के मामलों से भी जुड़ा था। अगस्त 2024 में यूक्रेनी सेना की कुर्क में घुसपैठ के लिए भी उनकी नीतियों को जिम्मेदार ठहराया गया था। उनके कार्यकाल के दौरान कुर्क के तत्कालीन गवर्नर एलेक्सी स्मिरनोव को 95 करोड़ रुपये की हेराफेरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

ईरान सरकार ने माना, 12 दिन में 1,060 लोग मारे गए

तेहरान (ईएमएस)। ईरान सरकार ने इजरायल के साथ 12 दिवसीय युद्ध में मरने वालों की संख्या जारी की है, जिसके अनुसार करीब 1,060 लोग मारे गए हैं, और यह संख्या 1,100 तक पहुंचने की आशंका है। फाउंडेशन ऑफ मार्टर एंड वेटरंस अफेयर्स के प्रमुख सईद ओहादी ने बताया कि गंभीर रूप से घायल हुए लोगों के कारण मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। ईरान ने शुरुआत में युद्ध के प्रभावों को कम करके आंका था, लेकिन युद्धविराम लागू होने के बाद वह धीरे-धीरे विनाश की असली कहानी सामने आ रही है। इतना ही नहीं ईरान ने अपनी वायु रक्षा प्रणाली को तबाह होने की बात स्वीकार की है। हालांकि, ईरान ने अभी तक अपनी सेना को हुए नुकसान के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। वाशिंगटन स्थित मानवाधिकार कार्यकर्ता समूह के अनुसार, कुल 1,190 लोग मारे गए, जिसमें 436 नागरिक और 435 सुरक्षाबलों के सदस्य शामिल हैं, जबकि 4,475 लोग घायल हुए हैं। यह संघर्ष 13 जून को शुरू हुआ था, जब इजरायल ने ईरान पर हमला किया था, जिसमें ईरान के परमाणु ठिकाने, बैलिस्टिक मिसाइल स्थल, शीर्ष जनरलों के आवास और दो दर्जन से अधिक परमाणु वैज्ञानिक निशाना बने थे। बाद में अमेरिका भी इस संघर्ष में शामिल हो गया और उसने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर 30,000 पाउंड के बंकर बस्टर बम गिराए। 12 दिनों के संघर्ष के बाद इजरायल और ईरान के बीच युद्धविराम हो गया।

भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ से मैत्री पुल बहा, 18 लोग लापता

काठमांडू (ईएमएस)। नेपाल और चीन सीमा पर भारी बारिश के कारण भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ से मैत्री पुल बह गया है। घटना में 18 लोग लापता हो गए हैं, जिसमें 12 नेपाली और 6 चीनी नागरिक शामिल हैं। मानसून की शुरुआत के बाद नेपाल के कई हिस्सों में भारी बारिश हो रही है, जिससे नदियाँ उफान पर हैं। इसी कड़ी में, नेपाल और चीन को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मैत्री सेतु भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ की भेंट चढ़ गया। यह पुल नेपाल के रसुवा जिले को चीन से जोड़ता था। अधिकारियों के अनुसार, पुल बीती रात करीब 3:15 बजे पानी के तेज बहाव में बह गया। राजधानी काठमांडू से करीब 120 किलोमीटर दूर स्थित पुल के बहने के साथ ही 18 लोग भी लापता हो गए हैं। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, नेपाली सेना और पुलिस मिलकर इन लापता लोगों की तलाश कर रही है। रसुवा के मुख्य जिला अधिकारी अरुण पौडेल ने बताया कि नदी में आई बाढ़ से नेपाल को काफी नुकसान हुआ है। प्रशासन ने आसपास रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए हैं। भोटेकोशी नदी चीन के रास्ते नेपाल में प्रवेश करती है। चीन के हिमालयी क्षेत्र में हुई भारी बारिश के कारण भोटेकोशी नदी का जलस्तर अचानक खतरे के निशान से ऊपर चला गया, जिसके कारण यह पुल बह गया।

जंग रोकना नहीं चाह रहा रुस, हम यूक्रेन को देंगे हथियारः ट्रंप

वाशिंगटन,(ईएमएस)। रूस और यूक्रेन जंग रुकने के कोई आसार नहीं दिख रहे हैं। दोनों देशों के बीच सीजफायर पर सहमति न बनने के बाद अब ट्रंप ने बड़ा एलान कर दिया है। ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका जल्द ही यूक्रेन को हथियार भेजेगा। मीडिया से बातचीत में ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि सभी को अपनी रक्षा करने का अधिकार है, इसलिए अमेरिका यूक्रेन को हथियार देगा।मीडिया रिपोरट में ट्रंप के मुताबिक हम यूक्रेन को हथियार भेजने की तैयारी कर रहे हैं। उन्हें भी अपनी सुरक्षा करने का पूरा अधिकार है। उनपर काफी ज्यादा हमले को रहे हैं। वहां बहुत सारे लोग मर रहे हैं। बता दें ट्रंप ने 3 जुलाई को रूस के राष्ट्रपति पुतिन से फोन पर बात की थी। दोनों की बातचीत करीब एक घंटे तक चली। ट्रंप ने पुतिन को सीजफायर के लिए मनाने की पूरी कोशिश की, लेकिन पुतिन ने शर्त रख दी कि अगर यूक्रेन नाटो में शामिल होगा तभी सीजफायर होगा।रूस और यूक्रेन के युद्ध ने भयानक मोड़ ले लिया है। 3 जुलाई को रूसी हमले में यूक्रेन के एक बड़े जनरल मारे गए थे। इसके बाद 3-4 जुलाई की रात को रूस ने यूक्रेन पर 539 ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलें दाग दीं, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई थी।

भारत ने अफगानिस्तान पर यूएन के प्रस्ताव पर नहीं किया वोट

बोला, अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल कर रहे आतंकवादी संगठन

जनेवा,(ईएमएस)। भारत ने अफगानिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक प्रस्ताव पर वोट नहीं दिया। भारत के यूएन में स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वाथानेनी हरीश ने कहा कि भारत को चिंता है कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल आतंकवादी संगठन कर रहे हैं। इसलिए भारत ने वोट नहीं दिया। हरीश ने यूएन में कहा कि अफगानिस्तान ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की थी, जिसका भारत स्वागत करता है।उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को मिलकर यह तय करना चाहिए कि यूएन सुरक्षा परिषद द्वारा तय किए गए आतंकवादी संगठन, जैसे अल कायदा, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद, अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के लिए न करें। साथ ही जो देश इन संगठनों की मदद करते हैं, उन पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। भारत इस पर चिंता जताता रहा है कि आतंकवादी संगठन पड़ोसी देशों से अपनी गतिविधियां चला रहे हैं। भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इन संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।हरीश ने बताया कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी से बात की थी। भारत ने अफगानिस्तान द्वारा पहलगाम हमले की निंदा करने का स्वागत किया। इससे पहले भारत के विदेश सचिव और अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री के बीच भी मुलाकात की थी। इसमें दोनों देशों ने कई मुद्दों पर बात की थी। जयशंकर ने मई में मुत्ताकी से बात की थी। तालिबान के विदेश मंत्री के साथ यह उनकी पहली बातचीत थी।हरीश ने कहा कि भारत हमेशा से अफगानिस्तान के लोगों के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत का यह फैसला सिद्धांतों और व्यवहारिकता दोनों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि मैं अफगानिस्तान के लोगों के साथ भारत के ऐतिहासिक संबंधों को दोहराना चाहता हूं। हम उनकी मानवीय और विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए हमेशा तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी संबंधित पक्षों के साथ मिलकर काम करने और अफगानिस्तान को स्थिर, शांतिपूर्ण और समृद्ध बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के प्रयासों का समर्थन करते हैं लेकिन, भारत ने इस प्रस्ताव पर वोट नहीं देने का फैसला किया है।भारत का मानना है कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल आतंकवाद के लिए नहीं होना चाहिए। भारत इस मुद्दे पर आवाज उठाता रहा है और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से इस पर ध्यान देने की अपील करता रहा है। पहलगाम में हुए हमले के बाद भारत ने और भी सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। भारत चाहता है कि अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता बनी रहे और वहां के लोगों को तरक्की करने का मौका मिले।

भारत से सैन्य संघर्ष में पाकिस्तान को बाहरी समर्थन मिलने का दावा गलतः मुनीर

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने कहा है कि भारत के साथ हाल में हुए सैन्य संघर्ष में पाकिस्तान को बाहरी समर्थन मिलने का दावा गलत है। मुनीर ने भारत पर निशाना साधते हुए कहा कि पाकिस्तान की संप्रभुता को कमजोर करने के किसी भी दुस्साहस या प्रयास का बिना किसी संकोच के त्वरित और दृढ़ प्रतिक्रिया के साथ जवाब दिया जाएगा।उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के सफल ऑपरेशन बन्यनम मार्सूस में बाहरी समर्थन के बारे में लगाए गए आरोप गैर-जिम्मेदाराना और तथ्यात्मक रूप से गलत हैं और दशकों के रणनीतिक विवेक से विकसित स्वदेशी क्षमता और संस्थागत लचीलेपन को स्वीकार करने में उसकी पुरानी अनिच्छा को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि विशुद्ध रूप से द्विपक्षीय सैन्य संघर्ष में अन्य देशों को भागीदार बताना भी खेमेबाजी की राजनीति करने का एक घटिया प्रयास है।बता दें कुछ दिन पहले भारतीय सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने कहा था कि चीन ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को सक्रिय सैन्य सहायता पहुंचाई और संघर्ष को कई हथियार प्रणालियों के परीक्षण के लिए एक प्रयोगशाला के रूप में इस्तेमाल किया।

नेतन्याहू के साथ डिनर करते हुए ट्रंप ने ममदानी को चेताया

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क सिटी के मेयर उम्मीदवार जोहरान ममदानी पर फिर से निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि वे एक सोशलिस्ट नहीं बल्कि कम्युनिस्ट हैं। पहले वह डेमोक्रेट नेताओं को सोशलिस्ट कहते थे, लेकिन अब कम्युनिस्ट ही कह रहे हैं। अमेरिका में कम्युनिस्ट विचारधारा के लोगों को बहुत सकारात्मक तरीके से नहीं देखा जाता। इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के साथ डिनर के दौरान ट्रंप ने तीखे शब्दों में ममदानी को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि ममदानी को अपने व्यवहार में सुधार लाना होगा वरना बड़ी परेशानियों में घिर सकते है।ट्रंप ने कहा, ममदानी सोशलिस्ट नहीं है बल्कि एक कम्युनिस्ट है। ममदानी ने यहूदी लोगों के बारे में बहुत सी गलत बातें कही हैं। मुझे लगता है कि अभी उसका हनीमून चल रहा है। इसके आगे ट्रंप ने कहा कि ऐसा हमेशा नहीं चल सकता। उन्हें अपने व्यवहार में सुधार करना होगा या फिर वह कुछ बड़ी परेशानियों में घिर सकते हैं। ऐसा पहली बार नहीं है, जब ट्रंप ने ममदानी पर हमला बोला है। वे पहले भी कह चुके हैं कि ममदानी को अपने रुख में सुधार लाना होगा। इस बार नेतन्याहू के साथ बैठकर एक मेयर कैंडिडेट पर इस तरह निजी हमला करना और महत्वपूर्ण है।इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि यदि ममदानी मेयर बने और अपने रवैये में सुधार नहीं किया, तब फिर न्यूयॉर्क सिटी के फंड में कटौती होगी। न्यूयॉर्क में नवंबर में मेयर का चुनाव होना है। यही नहीं ट्रंप ने इतना तक कहा था कि ममदानी के पास शायद अमेरिका की नागरिकता भी नहीं है। मैं देखूंगा कि अमेरिका में वह कानूनी रूप से हैं या फिर अवैध तौर पर यहां रह रहे हैं। ट्रंप ने कहा, इसतरह के काफी लोग हैं, जो कहते हैं कि वह अवैध रूप से यहां हैं। हम हर चीज देख रहे हैं। उन्हें खुद को कम्युनिस्ट पहचान से अलग होना होगा, लेकिन फिलहाल वह एक कम्युनिस्ट हैं।बता दें कि 1 जुलाई को जोहरान ममदानी ने मेयर चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल की है। अब उनका मुकाबला एरिक एडम्स से होगा। नवंबर में न्यूयॉर्क सिटी का चुनाव होगा और जोहरान ममदानी पहले ऐसे मुस्लिम नेता हैं, जो मेयर चुनाव में उतरे हैं।

ब्रिक्स का मकसद न टकराव और ना ही किसी देश को निशाना बनाना है : ट्रंप

राष्ट्रपति ट्रंप की ब्रिक्स समूह को धमकी के बाद चीन ने दी प्रतिक्रिया

बीजिंग,(ईएमएस)। चीन ने कहा है कि ब्रिक्स टकराव के लिए नहीं है और यह किसी अन्य देश को निशाना नहीं बनाता है। बता दें इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स समूह की अमेरिकी विरोधी नीतियों से जुड़े देशों पर अतिरिक्त 10 फीसदी शुल्क लगाने की धमकी दी थी। इस पर चीन ने यह प्रतिक्रिया दी है।चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि ब्रिक्स उभरते बाजारों और विकासशील देशों के बीच सहयोग के लिए एक अहम मंच है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स खुलेपन, समावेशन और सभी के फायदे के लिए सहयोग की वकालत करता है। ब्रिक्स की स्थापना ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका द्वारा की गई थी, लेकिन इस समूह का पिछले साल विस्तार हुआ और इसमें इंडोनेशिया, ईरान, मिस्र, इथियोपिया और संयुक्त अरब अमीरात को भी शामिल किया गया है। नए सदस्य देशों के अलावा, इस समूह में 10 रणनीतिक साझेदार देश भी शामिल हैं। यह श्रेणी पिछले साल के शिखर सम्मेलन में बनाई गई थी, जिसमें बेलारूस, क्यूबा और वियतनाम जैसे देश शामिल हैं।बता दें ट्रंप ने ब्रिक्स समूह की 'अमेरिका विरोधी नीतियों' का साथ देने वाले देशों पर 10 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी दी है। ब्रिक्स समूह के ट्रंप का नाम लिए बिना शुल्क वृद्धि की निंदा करने के बाद ट्रंप ने यह धमकी दी। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा था- ब्रिक्स की अमेरिका विरोधी नीतियों से जुड़ने वाले किसी भी देश पर 10 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा। इसमें कोई अपवाद नहीं होगा। इस मामले पर ध्यान देने के लिए आपका धन्यवाद।

ट्रैरिफ को लेकर ट्रंप कंफ्यूज, कई देशों के लिए डेडलाइन 1 अगस्त तक बढ़ाई

यह बढ़ोतरी समझौतों पर बातचीत को और समय देने के उद्देश्य से की

वाशिंगटन,(ईएमएस)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के व्यापारिक साझेदारों पर टैरिफ बढ़ाने की अपनी योजना को आगे बढ़ाया है, हालांकि मूल रूप से तय की गई 9 जुलाई की समय सीमा को अब ज्यादातर देशों के लिए 1 अगस्त तक बढ़ा दिया है। व्हाइट हाउस ने बयान जारी कर कहा कि यह विस्तार समझौतों पर बातचीत को और समय देने के उद्देश्य से किया गया है। हालांकि इस फैसले का जो मैसेज जा रहा है, वह ट्रंप प्रशासन को आर्थिक अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया से बचने के लिए समय सीमा को टालना पड़ा है।ट्रंप ने अपने कार्यकाल में 90 दिनों में 90 सौदे करने का वादा किया था, लेकिन अब तक सिर्फ दो समझौते ही हुए हैं। एक ब्रिटेन के साथ और दूसरा वियतनाम के साथ। ये समझौते भी अभी प्राइमरी स्टेज में हैं और इन्हें अंतिम रूप देने के लिए बातचीत जरुरी है। वियतनाम के साथ करार में मिनिमम 20 फीसदी का टैरिफ शामिल है, जो पहले की 46 फीसदी की टैरिफ धमकी से कम है। अभी भी 10 फीसदी की मौजूदा दर से ज्यादा है।अमेरिका का चीन के साथ भी एक अस्थायी समझौता हुआ है, जिसमें कुछ टैरिफों को वापस लेने पर सहमति बनी है। वहीं भारत और यूरोपीय संघ के साथ बातचीत चल रही है, लेकिन ठोस नतीजों की कमी बनी हुई है। भारत के साथ बातचीत अमेरिकी मांग पर अटकी है, जिसमें वह भारतीय कृषि और डेयरी बाजारों तक अपनी पहुंच बढ़ाना चाहता है। भारत के लिए राजनीतिक और सामाजिक रूप से ये अत्यंत संवेदनशील हैं।ट्रंप ने 13 देशों को पत्र भेजकर चेतावनी दी है कि अगर 1 अगस्त तक कोई समझौता नहीं होता है, तो उन पर 10 से 70 फीसदी तक नए टैरिफ लगाए जा सकते हैं।अमेरिका के करीबी सहयोगी जैसे जापान और दक्षिण कोरिया पहले ही इस नोटिस की चपेट में आ चुके हैं। इसके अलावा ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका-विरोधी मानी जा रही ब्रिक्स नीतियों का समर्थन करने वाले देशों पर भी अतिरिक्त 10 फीसदी टैरिफ की धमकी दी है।व्हाइट हाउस ने बताया कि रेसिप्रोकल टैरिफ को अब 1 अगस्त तक टाल दिए गए हैं। पहले ये टैरिफ 9 जुलाई से लागू होने थे। ट्रंप इस डेडलाइन एक्सटेंशन को औपचारिक रूप देने के लिए एक्जीक्यूटिव लेटर्स जारी करेंगे। ये पत्र डोनाल्ड ट्रंप के ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किए जाते रहेंगे, जैसा जापान और दक्षिण कोरिया के साथ किया है। बता दें ट्रंप ने सोमवार को बांग्लादेश समेत 14 देशों पर नई टैरिफ का ऐलान कर वैश्विक व्यापार में हलचल मचा दी है। उन्होंने इसका ऐलान करते हुए इन सभी देशों को पत्र भेजे हैं, जिनके शब्द और भाषा बिल्कुल एक जैसे हैं। अब तक उन्होंने म्यांमार पर सबसे ज्यादा 40 फीसदी का टैरिफ लगाया है।बता दें टैरिफ एक तरह का सीमा शुल्क या टैक्स होता है। ये कोई भी देश उन सामानों पर लगा सकता है, जो विदेशों से उनके यहां आता है। ये टैक्स सरकार इम्पोर्ट करने वाली कंपनियों से वसूलती है। इसे घटा-बढ़ाकर ही देश आपस में व्यापार को कंट्रोल करते हैं। कोई देश टैरिफ बढ़ाता है तो उसके घरेलू बाजार में विदेशी सामान महंगे होते हैं। इस तरह सरकार की कमाई तो बढ़ती ही है, विदेशी माल की खपत कम हो जाती है। इस तरह घरेलू माल की मांग बढ़ती है प्रोडक्शन भी बढ़ता है। ट्रंप अपनी अमेरिका फर्स्ट की नीति के तहत ये टैरिफ लगा रहे हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ आज सीरीज जीतने उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

मैनचेस्टर (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार को यहां चौथे टी20 मैच को जीतकर सीरीज अपने नाम करने उतरेगी। अभी भारतीय टीम इस सीरीज में 2-1 से आगे है। इस मैच में सभी की नजरें कप्तान हरमनप्रीत कौर और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा पर रहेंगी। पिछले मैच में शेफाली और हरमनप्रीत बड़ी पारी नहीं खेल पाये थे। वहीं स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और अमनजोत कौर का लक्ष्य इस मैच में भी बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। अब तक इन सभी ने अच्छा खेला है। शेफाली टीम में वापसी के बाद से वह अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाई हैं, ऐसे में वह बड़ी पारी खेलना चाहेंगी। वहीं हरमनप्रीत पहले मैच में नहीं खेल पाई थी। उन्होंने दूसरे मैच में वापसी करते हुए केवल एक रन ही बना सकी थी। वहीं उनकी जगह पिछले मैच में

शामिल हरलीन ने 43 रन बनाये थे इस सीरीज में भारत की स्पिनरों एन श्री चरणी ने 8 विकेट और दीप्ति शर्मा ने 6 विकेट लिए हैं। तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी भी 4 विकेट लेकर अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है स्पिनर राधा यादव और तेज गेंदबाज अमनजोत को इस मैच में अच्छी गेंदबाजी करनी होगी। वहीं दूसरी ओर मेजबान इंग्लैंड को अगर सीरीज में बराबर करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। पिछले मैच में उसके सलामी बल्लेबाज सोफिया डंकले और डैनी व्याट-हॉज ने अर्धशतक लगाए थे पर अन्य बल्लेबाज विफल रहीं थीं। इसके साथ ही उसके गेंदबाजों को भी प्रभावी प्रदर्शन करना होगा। दोनो ही टीमें इस प्रकार हैंः भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, शुचि उपाध्याय, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे। इंग्लैंडः टैमी ब्यूमोंट (कप्तान), एम अर्लट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फिलर, एमी जोन्स (विकेट कीपर), पैगे स्कोल्फील्ड, लिंसी स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज, इसी वोंग, माइया बाउचियर।

एमसीसी ने आकाशदीप की गेंद को सही करार दिया, रुट हुए थे बोल्ड

लंदन (ईएमएस)। मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने कहा है कि जिस गेंद पर भारतीय टीम के तेज गेंदबाज आकाशदीप सिंह ने इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रुट को आउट किया था। वह नो बॉल नहीं थी। ऐसे में इस गेंद को लेकर जो भी सवाल उठाये जा रहे हैं वह गलत हैं। रुट के विकेट पर सवाल नहीं उठाया जा सकता है। इससे पहले आकाश की जिस गेंद पर इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट आउट हुए थे। उस गेंद को नो बॉल करार देकर उसकी वैधानिकता पर मेजबान टीम के प्रशंसकों ने सवाल उठाये थे। उनका कहना था कि आकाश दीप ने वाइड ऑफ क्रीज जाकर ये गेंद फेंकी थी, जिसे रूट ने रोकने का प्रयास किया पर वह बोल्ड हो गये। ये भी कहा जा रहा था कि आकाश ने जो गेंद रूट को डाली, उस गेंद पर उनका पैर बॉलिंग की साइड में रिटर्न क्रीज से लगा था पर नियमों को देखें तो पाएंगे कि रिटर्न क्रीज को छूना कोई गुनाह नहीं है, आकाश दीप का पंजा क्रीज के अंदर था और जब वे गेंद करने के लिए आगे गए तब उनका पैर रिटर्न क्रीज पर लग गया। इस तरह आकाश दीप की ये गेंद पूरी तरह से वैध थी, जिस पर जो रूट आउट हुए।कुछ लोगों का कहना था कि यह बैकफुट नो बॉल थी और इसलिए गेंद लीगल नहीं थी, जिस पर बल्लेबाज को आउट नहीं दिया जाना था। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज जोनाथन ट्रॉट सहित कुछ कमेंटेटरों ने कमेंट किया कि यह नो बॉल होनी चाहिए थी पर भारत के रवि शास्त्री ने इस गेंद को पूरी तरह सही माना ।वहीं एमसीसी के प्रवक्ता ने इस मामले को लेकर कहा, पिछले सप्ताह इंग्लैंड के खिलाफ भारत के टेस्ट मैच के चौथे दिन, आकाश दीप की गेंद पर सवाल उठे थे, जिस पर जो रूट बोल्ड हो गए थे, कुछ प्रशंसकों और कमेंटेटरों का मानना था कि यह नो बॉल थी, जबकि आकाश दीप असामान्य रूप से क्रीज पर वाइड लैंड हुए और उनका पिछला पैर रिटर्न क्रीज के बाहर जमीन को छूता हुआ दिखाई दिया, तीसरे अंपायर ने इस गेंद का नो बॉल नहीं कहा। एमसीसी को यह स्पष्ट करते हुए खुशी हो रही है कि यह नियमों के मुताबिक सही निर्णय था।

फ्रांस में टूर डी फ्रांस साइकिल रेस का तीसरा चरण समाप्त होने के बाद पोंडियम पर उत्साहित टिम मरलियर।

भारतीय टीम सेना देशों में सबसे अधिक मैच जीतने वाली टीम बनी पाक को पीछे छोड़ा

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम टेस्ट में जीत के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही भारतीय टीम एजबेस्टन में में जीत दर्ज करने वाली पहली एशियाई टीम बनी है। ये पहली बार है जब किसी एशियाई टीम ने इस मैदान पर जीत हासिल की और 1000 से ज्यादा रन बनाए है। इसके अलावा भी कई रिकॉर्ड भारतीय टीम ने बनाये हैं। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने पाकिस्तान को भी पीछे छोड़ दिया है और वह सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीतने वाली टीम बन गयी है। बर्मिंघम में इससे पहले भारतीय टीम ने कभी भी कोई टेस्ट मैच नहीं जीता था।

भारतीय टीम अब एशिया की पहली ऐसी टीम है, जिसने सेना देशों सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीते हैं। भारतीय टीम ने इन चार देशों में कुल 30वां मैच जीता है। वहीं, पाकिस्तान ने सेना देशों में कुल 29 मुकाबले जीते थे। भारत ने 178 टेस्ट मैचों में 30 मुकाबले जबकि पाकिस्तान ने 148 मैचों में 29 मुकाबले दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में जीते हैं।

इस सूची में तीसरा नाम श्रीलंका का है पर श्रीलंका ने केवल 9 ही मुकाबले अब तक सेना देशों में जीते हैं। श्रीलंका की टीम ने 76 मुकाबले अब तक इन चार देशों में खेले हैं। वहीं बांग्लादेश की टीम अभी तक केवल एक ही मैच जीत पाई है। बांग्लादेश ने सेना देशों में में कुल 25 मुकाबले खेले हैं और इनमें से सिर्फ एक मैच में जीत दर्ज की है। जनवरी 2022 में बांग्लादेश की टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच जीता था, जबकि अन्य तीन देशों में अभी तक बांग्लादेश नहीं जीती है।

जिनेवा में यूईएफए महिला यूरो कप फुटबॉल में गोल करने के बाद उत्साहित पुर्तगाल की डियाना गोम्स।

क्या आईसीसी वर्ल्ड क्लब्स टी20 चैंपियनशिप में पीसीबी को जगह मिलेगी?

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की योजना विश्व की लोकप्रिय टी20 क्रिकेट लीग की टीमों के बीच वर्ल्ड क्लब्स टी20 चैंपियनशिप का आयोजन करना है। इसमें पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) को शायद ही शामिल किया जाये। इसका कारण ये है कि इस इवेंट के लिए हुई बैठक में पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपना प्रतिनिधि नहीं भेजा था जबकि उसे आमंत्रण दिया गया था जिसके बाद से ही आईसीसी उससे नाराज है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड द्वारा आयोजन इस बैठक में प्रमुख टी20 फ्रेंचाइजी-आधारित लीगों के सीईओ शामिल हुए थे। इस , "बैठक में प्रस्तावित वर्ल्ड क्लब्स चैंपियनशिप, इसकी विंडो, फॉर्मेट, शेड्यूल आदि पर बात हुई थी। इसमें एमिरेट्स लीग, बिग बैश लीग, द हंड्रेड, एस20, एलएलसी, कैरेबियन प्रीमियर लीग आदि के सीईओ शामिल हुए थे।

शुरुआत में वर्ल्ड क्लब्स इवेंट में पांच टीमें होंगी हालांकि इसमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की कोई टीम भाग नहीं लेगी पर उसे पीएसएल का समर्थन रहेगा। वर्ल्ड क्लब्स चैंपियनशिप को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है जिससे कि प्रस्तावित सऊदी क्रिकेट लीग का मुकाबला किया जा सके। सऊदी लीग को 400 मिलियन डॉलर की के साथ निजी निवेशक शुरु करने का प्रयास कर रहे हैं। वे हर साल टेनिस ग्रैंड स्लैम इवेंट्स की तर्ज पर अपनी लीग को आयोजित करना चाहते है।

डीपीएल में नजर आयेगा विराट का भतीजा और सहवाग का बेटा

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के भतीजे आर्यवीर कोहली और वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के दूसरे सत्र में खेलते हुए दिखेंगे। इन दोनों को डीपीएल 2025 नीलामी में अलग-अलग टीमों ने खरीदा है। लेग-स्पिनर आर्यवीर कोहली विराट के बड़े भाई विकास के बेटे हैं, उन्हें साउथ दिल्ली सुपरस्टारज ने एक लाख रुपये में खरीदा। इस टीम में लीग के सबसे महंगे खिलाड़ियों में लेग-स्पिनर दिग्वेश राठी भी शामिल हैं। राठी को 30 लाख में खरीदा गया है।

वहीं अंडर-19 बल्लेबाज आर्यवीर सहवाग को सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने आठ लाख रुपये में खरीदा। आर्यवीर के पिता और पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग इस टूर्नामेंट के ब्रांड दूत भी हैं। सहवाग ने कहा, ''मैं वास्तव में इस सत्र का इंतजार कर रहा हूं। यह लीग खिलाड़ियों के लिए एक बड़े मंच के तौर पर सामने आई है।'' उन्होंने कहा, ''चयनकर्ताओं के साथ ही विदेशी क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें भी इस लीग पर रहेंगी। इससे खिलाड़ियों को अपनी पहचान बनाने का अवसर मिलेगा। हमने पिछले साल कुछ अविश्वसनीय क्रिकेट देखा और मुझे भरोसा है कि यह सत्र और भी रोमांचक रहेगा।''दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने इस मौके पर कहा, ''इस साल हमने एक कदम आगे बढ़ाया है। हमने अपनी नीलामी प्रणाली में सुधार करते हुए खिलाड़ियों की संख्या में इजाफा किया है। हमने सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए घरेलू क्रिकेट के स्तर को ऊपर उठाने का प्रयास करने के साथ ही हमने दो नई पुरुष फ्रेंचाइजी भी जोड़ी हैं।''

टीम को बुमराह का सामना करने तैयार रहना होगा : स्टोक्स

बर्मिंघम (ईएमएस)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने मना है कि अब तीसरे टेस्ट में उनकी टीम को जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजी का सामना करने तैयार रहना होगा। बुमराह को दूसरे टेस्ट में आराम दिया गया था। इसके बाद भी मेजबान टीम को बड़ी हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में अब स्टोक्स तीसरे टेस्ट में कोई कसर नहीं रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उनके साथियों को लॉड्र्स में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज की विविधता के लिए तैयार रहना होगा हालांकि उन्होंने स्वीकार किया है कि बुमराह जैसे गेंदबाजी नेट्स में नहीं की जा सकती है। इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट में 336 रन से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं बुमराह 10 जुलाई से शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट में खेलने के लिए तैयार हैं। स्टोक्स ने इसी को लेकर कहा, ' हम एक-दूसरे के खिलाफ इतनी बार खेलते हैं जिससे आपको पता होता है कि आपका सामना किससे होगा इसलिए आप ट्रेनिंग के दौरान उसी को लेकर अभ्यास करते हैं। उन्होंने कहा, 'कोच और ट्रेनर के साथ आप जो कर सकते हैं उसे करने के प्रयास करें, क्रीज पर बाहर की तरफ से गेंदबाजी का सामना करें, उनके गेंदबाजी आक्रमण की तरह का अभ्यास करने का प्रयास करें पर ये भी ध्यान रहे कि किसी मैच में आपके सामने आने वाली चीजों को अभ्यास में दोहराना काफी कठिन होता है। वहीं स्टोक्स ने तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के तीसरे टेस्ट में खेलने को लेकर कहा कि इस बारे में पक्के तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता।

मुंबई की जगह अब महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से खेलेंगे पृथ्वी

मुम्बई (ईएमएस)। बल्लेबाज पृथ्वी शॉ अब मुम्बई की जगह पर अब महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलेंगे। पृथ्वी ने हाल ही में मुम्बई को छोड़ दिया था। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ ने भी कहा है कि पृथ्वी अब नये सत्र में उसकी ओर से खेलेंगे। महाराष्ट्र क्रिकेट के अध्यक्ष रोहित पवार ने कहा कि इस क्रिकेटर का अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल अनुभव टीम के लिए फायदेमंद रहेगा। साथ ही कहा कि टीम भविष्य में पृथ्वी का साथ देती रहेगी।वहीं खराब फार्म से जूझ रहे पृथ्वी ने कहा, "अपने करियर के इस पड़ाव पर महाराष्ट्र टीम से जुड़ना मेरे क्रिकेट करियर के विकास में सहायता करेगा। मैं मुंबई क्रिकेट संघ का वर्षों से मिले अवसरों और समर्थन के लिए बेहद आभारी हूं। पिछले रणजी ट्रॉफी में महाराष्ट्र क्रिकेट संघ टीम को सात में से केवल दो जीत मिली थी और वे अपने ग्रुप से क्वॉलीफाई नहीं कर सके। सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी के ग्रुप चरण में भी उसका 3-3 के जीत-हार का रिकॉर्ड रहा। टीम पहले दौर में ही बाहर हो गई पर विजय हजारे ट्रॉफी की एक-दिवसीय प्रतियोगिता में वह अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान पर रही हार सेमीफाइनल में विदर्भ से हार गयी

पृथ्वी ने 58 प्रथम श्रेणी मुकाबलों में 46.02 की औसत से 4556 रन बनाए हैं पर पिछले साल उन्हें खराब फिटनेस और अनुशासन की कमी के कारण मुंबई रणजी टीम से बाहर कर दिया गया था। इस क्रिकेटर ने अंतिम बार मुंबई की ओर से दिसंबर 2024 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में खेला था। लिस्ट ए मुकाबलों में इस क्रिकेटर के नाम 55.72 की औसत और 125.74 के स्ट्राइक रेट के साथ 3399 रन हैं। वहीं टी-20 मैचों में उन्होंने 51.54 के स्ट्राइक रेट और 25.01 की औसत से 2902 रन बनाए हैं। उसे आईपीएल 2025 की बड़ी नीलामी में भी किसी ने नहीं खरीदा था।

न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के लिए घोषित की टीम

विलियमसन सहित कई अनुभवी खिलाड़ी बाहर हुए, फिशर शामिल

ऑकलैंड (ईएमएस)। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने जिम्बाब्वे के खिलाफ इसी माह जुलाई से 11 अगस्त तक खेली जाने वाली दो मैचों की टेस्ट मैचों की सीरीज के अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इसमें मैट फिशर को पहली बार शामिल किया गया है जबकि पूर्व कप्तान केन विलियमसन समेत कई अनुभवी खिलाड़ी टीम में शामिल नहीं हैं।

म्बिाब्वे और न्यूजीलैंड की ये टेस्ट सीरीज आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र का हिस्सा नहीं है। यही कारण है कि अधिकरत सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। वहीं कई निजी कारणों से बाहर हैं।

फिशर को पहली बार टेस्ट टीम में जगह मिली है। वहीं विलियमसन, काइल जैमीसन और माइकल ब्रेसवेल के साथ-साथ बेन सियर्स को शामिल नहीं किया गया है। एजाज पटेल पिछले साल नवंबर में मुंबई में भारत के खिलाफ ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीत में शामिल थे। उन्हें पहली बार टेस्ट टीम में जगह मिली है। वहीं हेनरी निकोल्स को दो साल बाद टीम में जगह मिली हैटीम इस प्रकार है - टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, मैट फिशर, मैट हेनरी, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, विल ओराउरके, एजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिचेल सैंटनर, नाथन स्मिथ और विल यंग।

धोनी के कैप्टन कूल ट्रेडमार्क की राह में आई बाधा

एक लॉ फर्म ने आपत्ति जतायी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के "कैप्टन कूल" उपनाम को ट्रेडमार्क करने के प्रयास को झटका लगा है। धोनी के इस कदम का एक कानूनी फर्म ने विरोध किया है। इस लॉ फर्म के अनुसार ये उपनाम अन्य खिलाड़ियों के लिए भी उपयोग होता रहा है इसलिए इसे धोनी अपना ट्रेडमार्क नहीं बना सकते हैं।

धोनी ने ट्रेडमार्क के लिए आवेदन जून 2023 में दायर किया था। इसे जून 2025 में ट्रेडमार्क रजिस्ट्री के कोलकाता कार्यालय द्वारा "स्वीकार और विज्ञापित" किया गया था। फिर यह 16 जून, 2025 को ट्रेडमार्क जर्नल में प्रकाशित किया गया था। वहीं नियमों के अनुसार अगर किसी को भी इसका विरोध करना होता है तो वह 120 दिन के अंदर ऐसा कर सकता है। इसी दौरान लॉ फर्म ने इसपर आपत्ति जता दी हैं जिससे धोनी के लिए यह उपनाम हासिल करना कठिन होगा।

फर्म ने अपने तर्क में कहा है कि धोनी के पास इस ट्रेडमार्क को स्थापित करने के लिए कोई व्यावसायिक दस्तावेज नहीं है । ऐस में उनके लिए कैप्टन कूल" शब्द का ट्रेडमार्क लेना एक्ट 1999 के मानक के अनुरुप नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि केवल लोकप्रियता से किसी को उपनाम नहीं मिल जाता। इसके लिए ठोस मान्यता भी चाहिए होती है। अभी तक ये तय नहीं हो पाया है कि यह किसके पक्ष में जाएगा। गौरतब है कि धोनी को उनके दबाव के बीच भी शांत रहने के लिए कैप्टन कूल के नाम से जाना जाता है। धोनी ने अपनी कप्तान में विश्वकप सहित सभी आईसीसी खिताब टीम इंडिया को जिताये हैं।

टीम इंडिया की जगह विंबलडन में जोकोविच का हौंसला बढ़ाते दिखे विराट, प्रशंसकों ने उठाये सवाल

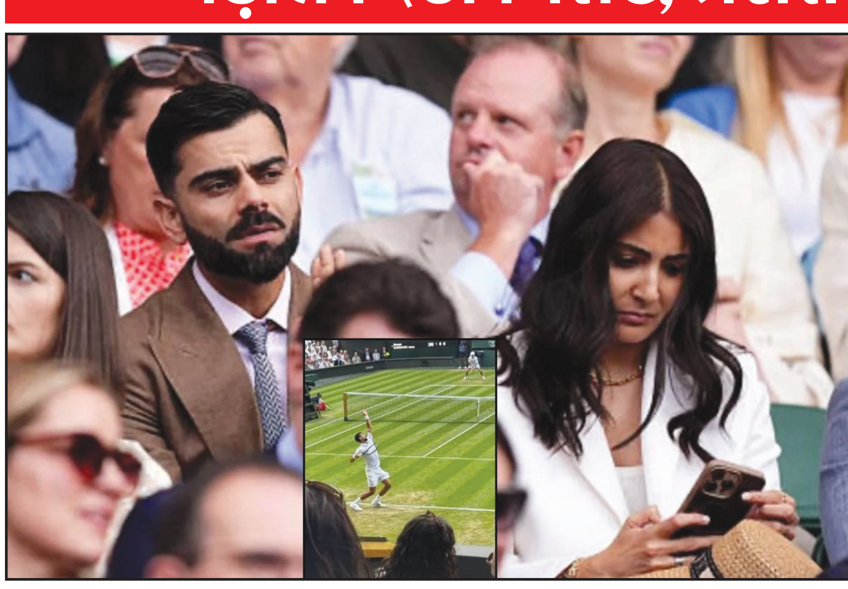

लंदन (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली और उनकी पत्नी अभिनेत्री अनुष्का शर्मा आजकल लंदन में हैं। यहां विराट और अनुष्का विंबलडन टेनिस मुकाबला देखने पहुंचे और उन्होंने सर्बियाई टेनिस स्कार नोवाक जोकोविच का हौंसला बढ़ा। भारतीय टीम भी अभी यहां टेस्ट सीरीज खेल रही है पर विराट एक बार भी मैच देखने नहीं पहुंचे। जिससे प्रशंसक हैरान हैं। क्रिकेट के बल पर ही दुनिया भर में लोकप्रिय हुए विराट के मैच देखने नहीं पहुंचने पर प्रशंसकों ने नाराजगी जतायी है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार यह ये दंपत्ति अब लंदन में बस गया है। इन दोनो की विंबलडन देखने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई हैं।

कुछ लोग इसे इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले अचानक लिए संन्यास से भी जोड़ रहे हैं। ये भी माना जा रहा है कि उन्होंने संन्यास किसी दबाव में लिया गया था। उसी नाराजगी को जाहिर करने वह मैच से दूरी बना रहे हैं।

कोहली ने भले ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है पर उनका आभा मंडल इतना बड़ा है कि उसका प्रभाव ड्रेसिंग रूम से लेकर स्टेडियम तक पर पड़ता है। उनकी मौजूदगी से टीम इंडिया को मनोवैज्ञानिक बढ़त मिल सकती थी। अगर वह स्टैंड्स में नजर आते तो यह प्रशंसकों के साथ ही टीम के लिए भी मनोबल बढ़ाने वाला काम होता समेत युवा प्लेयर्स के लिए भी एक बड़ा भावनात्मक पल होता. जैसे 'लीजेंड' अपने उत्तराधिकारियों को खेलते देख रहा हो।

विंबलडन में सर्बिया के नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मेनूर के खिलाफ मिली जीत के बाद उत्साहित दिखे।

करकेन्द-कतरास मुख्य मार्ग पर सुबह-सवेरे हुआ सड़क हादसे में चार मवेशियों की मौत

लोयाबाद। करकेन्द-कतरास मुख्य सड़क पर मंगलवार को तड़के सुबह हटिया बाजार स्थित बाबा-चौहदमल के समीप हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना अहले सुबह करीब चार बजे की बताई जा रही है, जब किसी अज्ञात भारी वाहन ने सड़क के बीच बैठे मवेशियों को रौंद दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि घटनास्थल पर ही चारों मवेशियों ने दम तोड़ दिया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लोयाबाद क्षेत्र में लंबे समय से सड़क पर मवेशियों का जमावड़ा बना रहता है।

कई बार स्थानीय लोग इस विषय पर चिंता भी जता चुके हैं कि सड़कों पर मवेशियों की उपस्थिति कभी भी बड़ी दुर्घटना को जन्म दे सकती है। मंगलवार को हुआ यह हादसा इसी आशंका को सच कर गया।

घटना के बाद मृत मवेशियों के शरीर को आवारा कुत्तों ने नोचना शुरू कर दिया, जिससे माहौल और भी अधिक वीभत्स हो गया। सूचना मिलते ही पूर्व पार्षद महावीर पासी के नेतृत्व में निगम कर्मियों ने मौके पर पहुँचकर जेसीबी मशीन की सहायता से मृत मवेशियों को हटाया और निर्धारित स्थान पर उन्हें दफना दिया गया।चेम्बर ऑफ कॉमर्स के सचिव सुनील पांडे ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा, "जब पशु मालिक इंसान होकर अपनी जिम्मेदारी नहीं समझ पा रहे, तो बेजुबान मवेशी कैसे समझेंगे कि उन्हें सड़क पर नहीं बैठना चाहिए। यह पूरी तरह लापरवाही का नतीजा है।"सुनील पांडे ने निगम प्रशासन से यह भी मांग की कि मवेशियों के मालिकों का पता लगाकर उन पर उचित कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि घटना के बाद कोई भी पशु मालिक सामने नहीं आया, जो इस लापरवाही को दर्शाता है।स्थानीय निवासियों ने भी प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और सड़क पर चलने वाले वाहन चालकों व पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

जेएसएलपीएस महिला ग्रुप की सक्रिय सदस्य ने आईपीआर पर लगाए गंभीर आरोप बीपीएम से की शिकायत

चिरकुंडा, (धनबाद), शिवली बड़ी दक्षिण पंचायत के जेएसएलपीएस महिला ग्रुप की सक्रिय सदस्य काजल सिन्हा ने आईपीआर समीर चंद्र शाह गंभीर आरोप लगाते हुए बीपीएम राहुल केसरी से शिकायत की है की सक्रिय सदस्य काजल सिन्हा ने कहा कि लोन के पैसे चुकाने के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा है। देर शाम घर पर दस्तक दे देते हैं। देर रात मोबाइल पर फोन कर धमकाते हैं। कहते हैं कि तुम्हें सक्रिय सदस्य से हटवा दूंगा, जबकि ज्यादातर सदस्य उनके व्यवहार से दुखी है। वह मुझे बदनाम करने के लिए यह सारे हथकंडे अपना रहे हैं। उनके द्वारा लगातार दबाव बनाए जाने से मैं मानसिक रूप से काफी काफी परेशान रहती हूं । अगर मेरे साथ न्याय नहीं हुआ तो मैं सुसाइड कर लूंगी, इस समय में जानकारी देते हुए बीपीएम राहुल केसरी ने बताया कि दो दिन पूर्व काजल सिन्हा द्वारा जो की महिला ग्रुप की सक्रिय सदस्य है, शिकायत मिली थी, जिसे लेकर बैंक एचआर एवं संबंधित अधिकारियों को सूचित कर दिया गया । बहुत जल्द ही बैठक कर मामले को सुलझा लिया जाएगा ।

बीआरसी भवन में बीआरपी एवं सीआरपी की समीक्षा बैठक आयोजित

दुमकाःजामा प्रखंड मुख्यालय स्थित बीआरसी भवन में मंगलवार को बीआरपी-सीआरपी की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से यू डायस में स्टूडेंट प्रोफाइल एवं टीचर्स प्रोफाइल अपलोड करने, प्रशस्त एप अपलोड करने,ई विद्या वाहिनी एप पर प्रत्येक दिन विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज करने, वर्ग वार नामांकन एवं आधार खाता की स्थिति, विद्यालय कीट की स्थिति, पुस्तक वितरण की स्थिति एवं साक्षरता जन चेतना केन्द्र से संबंधित जानकारी पर चर्चा की गई और प्रगति लाने तथा ऑन लाइन डेटा अपडेट करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा साक्षरता कार्यक्रम के तहत खोले गए जन चेतना केन्द्र की स्थिति और साइकिल वितरण की स्थिति आदि पर विशेष चर्चा की गई। इसके अलावा सभी विद्यालय से पोषक क्षेत्र में असाक्षर नहीं होने का प्रमाण पत्र लेने का निर्देश दिया गया।इस मौके पर बीआरपी बीरेंद्र नारायण अंबष्ट, एमआईएस ऑपरेटर मुनेश्वर मंडल सहित सभी बीआरपी-सीआरपी मौजूद थे।

बाँसजोड़ा में फिर पहुँचे कोल सचिव के अधिकारी, बेलगड़िया विस्थापन पर ग्रामीणों ने जताया कड़ा विरोध

ग्रामीणों ने कहा- जान दे देंगे, पर बेलगड़िया नहीं जाएंगे,

लोयाबाद। सिजुआ क्षेत्र के बाँसजोड़ा में एक बार फिर कोयला मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों का दौरा हुआ। मंगलवार की सुबह कोयला मंत्रालय के अवर सचिव (सीसीटी/एमपीएस) हिटलर सिंह बाँसजोड़ा 12 नंबर पहुंचे और वहाँ की भीषण आग और गैस प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रभावित लोगों की समस्याएं सुनी और भरोसा दिलाया कि झरिया मास्टर प्लान को केंद्र सरकार से मंजूरी मिल चुकी है। इसके तहत जल्द ही प्रभावित परिवारों को बेलगड़िया में पुनर्वासित किया जाएगा। हालांकि, बेलगड़िया में बसाए जाने की बात पर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने अंडर सेक्रेटरी के समक्ष जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और नारेबाजी करते हुए स्पष्ट कहा कि "जान दे देंगे, लेकिन बेलगड़िया नहीं जाएंगे।" ग्रामीणों ने मांग की कि उन्हें भूली या बौआ जैसे नजदीकी स्थानों में बसाया जाए, ताकि वे अपने रोजगार और सामाजिक ताने-बाने से कट न जाएं।

ग्रामीणों का कहना था कि बेलगड़िया न केवल बहुत दूर है, बल्कि वहाँ जीवन-यापन और रोजगार के पर्याप्त साधन भी उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने सरकार से यह निर्णय वापस लेने की मांग की।गौरतलब है कि इससे पूर्व 20 जून को कोयला सचिव पंकज जैन व मंत्रालय के सलाहकार बी. रेड्डी ने भी बाँसजोड़ा का निरीक्षण किया था। मात्र 16 दिनों के भीतर मंत्रालय के एक और वरिष्ठ अधिकारी का दौरा होना स्थानीय लोगों के लिए कई सवाल खड़े कर रहा है। विरोध करने वालों में बैधनाथ सिंह, कामु प्रसाद, श्यामसुंदर विश्वकर्मा, सुन्दर भुंईया, अशोक भुईया, रोहित कुमार, संतोष भुंईया, शशि भुंईया, अजय कुमार, सूरज भुंईया, बिनोद भुंईया, लक्ष्मण भुंईया सहित कई अन्य स्थानीय लोग शामिल थे।निरीक्षण के दौरान मौजूद प्रमुख अधिकार,कोयला मंत्रालय के अवर सचिव हिटलर सिंह,कोल सचिवालय से सचिन मालपा,जेएमपी के जीएम राजीव चोपड़ा,कोयला भवन के जीएम मिथलेश कुमार सिंह,सिजुआ क्षेत्र के जीएम निर्झर चक्रवर्ती बाँसजोड़ा पीओ अनिल कुमार वर्मा,प्रबंधक कमलेश कुमार एरिया सर्वे ऑफिसर एस.के. मित्रा कार्मिक प्रबंधक मुकेश कुमार,अन्य अधिकारी, निलेश जोशी, विजय यादव, रामराज राजभर, चांद खान आदि मौजूद थे।

विधायक निधि से दिव्यांग सशक्तिकरण की ओर एक और कदम

सुदामडीह निवासी राकेश सिंह को स्कूटी प्रदान कर आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित किया गया

धनबाद, विधायक, राज सिन्हा के द्वारा मंगलवार को जगजीवन नगर स्थित आवासीय कार्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के तहत सुदामडीह कॉलोनी, करकेन्द निवासी दिव्यांग युवक राकेश सिंह को विधायक निधि से स्कूटी प्रदान की। इस पहल का उद्देश्य दिव्यांगजनों को स्वतंत्र रूप से गतिशील बनने, आत्मनिर्भर जीवन जीने, और समाज में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह प्रयास न केवल एक साधन प्रदान करने का कार्य है, बल्कि उनके आत्मविश्वास को पुनः स्थापित करने और समाज के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का सशक्त माध्यम भी है।इस अवसर पर विधायक, राज सिन्हा ने कहा- हमारा मानना है कि समाज की प्रगति तभी संभव है, जब उसमें सभी वर्गों को समान अवसर मिलें। दिव्यांगजन हमारे समाज की प्रेरणा हैं। हमारा यह प्रयास केवल सहायता देने तक सीमित नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भरता की राह पर ले जाने का एक समर्पित प्रयास है।

प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे 'दिव्यांगजन सशक्तिकरण अभियान' से प्रेरित होकर हम स्थानीय स्तर पर यह सुनिश्चित करने में लगे हैं कि कोई भी व्यक्ति केवल अपनी शारीरिक अक्षमता के कारण पीछे न छूटे।

मौके पर मुख्य रूप से आनंद खंडेवाल पूर्व मंडल अध्यक्ष, केंदुआ, निर्मल प्रधान जी, पूर्व अध्यक्ष, धनबाद सदर मंडल,मनोज मालाकार,, बालमुकुंद राम ,,अजय सिंह, विजय बहादुर सिंह, नन्द किशोर पाण्डेय, राजेश यादव टीटू सिंह , टुन्नु यादव , प्रमोद मित्तल,

इन सभी कार्यकर्ताओं ने इस कार्य को समाज की सच्ची सेवा और "सबका साथ, सबका विकास" की भावना का सशक्त उदाहरण बताया।आज का यह आयोजन केवल एक स्कूटी वितरण कार्यक्रम नहीं था, बल्कि यह समाज के प्रति समानता, संवेदनशीलता और समर्पण की भावना को पुनर्स्थापित करने का एक प्रयास था। विधायक, राज सिन्हा के नेतृत्व में धनबाद विधानसभा निरंतर इस दिशा में कार्यरत है कि कोई भी व्यक्ति, विशेषकर दिव्यांगजन, पीछे न छूटे और वे गर्व के साथ अपने जीवन की दिशा तय कर सकें।

मजदूर संगठनों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का समर्थन करेगा राजद - डॉ अमरेन्द्र

दुमका। श्रम कानून में संशोधन और अन्य 17 सूत्री मांगों को लेकर मजदूर संगठनों की बुधवार को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल का दुमका जिला राष्ट्रीय जनता दल ने समर्थन की घोषणा किया है। जिलाध्यक्ष डॉ अमरेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि श्रमिक संगठनों के आग्रह पर प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने पूरे राज्य भर में हड़ताल का समर्थन किया है। मजदूर संगठनों के इस हड़ताल को सफल बनाने के लिए राजद ने आम जनों और मजदूरों से आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि हड़ताल का उद्देश्य ये प्रमुख माँग है। चारों श्रम संहिताओं को तत्काल रद्द किया जाये। सभी मजदूरों के लिए 26000 न्यूनतम वेतन और 9000 न्यूनतम पेंशन सुनिश्चित हो। महंगाई पर रोक लगे, आवश्यक वस्तुओं से जीएसटी हटे। सार्वजनिक क्षेत्र का निजीकरण रोका जाये। पुरानी पेंशन योजना बहाल की जाये।यूनियन बनाने व सामूहिक सौदेबाजी के अधिकारों का सम्मान हो। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार जैसी जरूरतों की सार्वजनिक गारंटी हो। बिजली का निजीकरण रोको, स्मार्ट मीटर बंद करो।किसानों को फसल पर एमएसपी की गारंटी की जाये। वन अधिकार कानून में जनविरोधी संशोधन रद्द हो।

अवैध कोयला लदे ट्रक को वन विभाग के अधिकारियों ने किया जप्त, जांच में जुटी

गिरिडीह। गिरिडीह में कोयले का अवैध कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। सीसीएल प्रबंधन द्वारा लाख चौकसी बरतने के बाद सीसीएल इलाके से बड़े पैमाने पर कोयले का अवैध रूप से उत्खनन कर बाहर भेजा जा रहा है।

इसी क्रम में सती घाट सहित आस पास के इलाके में जारी कोयले के अवैध उत्खन को देखते हुए बीती रात वन विभाग के द्वारा मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के गुहियाटोला के आस पास फैले जंगलों में छापेमारी कर अवैध कोयले से भरे एक ट्रक को जप्त किया है। हालांकि इस दौरान ट्रक चालक भागने में सफल रहा।

वन विभाग के अधिकारी ट्रक को जप्त कर कार्यालय ले गए हैं। जहां आगे की करवाई की जा रही है।

बताया जाता है कि सतीघाट से बड़े पैमाने पर कोयले का अवैध तरीके से उत्खनन कर गुहियाटीला जंगल में डंप किया जाता है, जहां से ट्रक में कोयला लोड कर बाहर भेजा जाता है।

कार्यालय, जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गिरिडीह

अति अल्पकालीन सूचना

केज मत्स्य पालकों के लिए लाइफ जैकेट

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) के राज्यादेश सं0 11 दिनांक 04.07.2025 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2025–26 अंतर्गत जलाशयों में केज कल्चर के माध्यम से मत्स्य पालन में संलिप्त केज मत्स्य पालकों को सूचित किया जाता है कि केज मत्स्य पालकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये उन्हें Three Buckle 5mm EPF foam filled the whole jacket, weight capacity: 70-120 kg, buoyancy 150 N, material- polyster water resistance, size-standard 68 cm X 37 cm X 10 cm, equipped with useful whistle का एक लाईफ जैकेट प्रति केज लाभुक को अनुदान पर उपलब्ध कराने निमित्त लक्ष्य प्राप्त है जिसकी विवरणी निम्नवत है–

क्र0 सं0	शीर्ष	भौतिक लक्ष्य (सं0 में)	वित्तीय लक्ष्य (लाख में)
1	101	20	0.3630
2	789	–	–

उक्त हेतु वित्तीय वर्ष 2023–24 में निदेशक मत्स्य द्वारा लाईफ जैकेट की इकाई लागत निर्धारित न्यूनतम दर 2420/– रूपये है। अतएव लाईफ जैकेट के निर्धारित न्यूनतम दर (मो0 2420/–रू0) पर ही 75 प्रतिशत अनुदान (अधिकतम मो0 1815/–रू0) देय होगा तथा 25 प्रतिशत लाभुक का अंशदान होगा।

इच्छुक केज मत्स्य कृषक जिनके द्वारा केजों में वर्तमान में मछली पालन किया जा रहा है तथा लाभुक द्वारा अपना अंशदान लगाने की लिखित सहमति एवं विगत वर्षों का केज में मछली उत्पादन का आँकड़ा लिखित रूप में आवेदन के साथ संलग्न कर दिनांक 05.08.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक जिला मत्स्य कार्यालय, गिरिडीह में अपना आवेदन जमा कर सकते हैं।

नोटः – विस्तृत जानकारी के लिए इच्छुक आवेदक जिला मत्स्य कार्यालय, गिरिडीह (पुराना जेल कैम्पस, झण्डा मैदान के बगल में) में किसी भी कार्यदिवस में सम्पर्क कर सकते हैं।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गिरिडीह।

PR.NO.356749 Fish(25-26):D

जिला मत्स्य कार्यालय, गिरिडीह

ईमेल : dfogiridih00@gmail.com

(आवेदन–पत्र आमंत्रण सूचना)

कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) झारखण्ड, रॉची के राज्यादेश सं0 10 दिनांक 04.07.2025 के द्वारा तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजनान्तर्गत मत्स्य जीवी सहयोग समितियों अथवा उनके सदस्यों को अनुदान पर नाव उपलब्ध कराने निमित्त प्राप्त लक्ष्य के आलोक में सुयोग्य आवेदकों से आवेदन–पत्र आमंत्रित किया जाता है । लक्ष्य से संबंधित विवरणी निम्नवत है :–

क्र0 सं0	योजना का नाम	भौतिक लक्ष्य (संख्या में)	इकाई लागत (रू0 में)	अनुदान की राशि प्रति इकाई (रू0 में)	लाभुक का अंशदान (रू0 में)	अभ्यु0
1	मत्स्य जीवी सहयोग समितियों/सदस्यों के लिए नाव	05	33,000/–	30,000/–	3,000/–	

अहर्ता/अनुलग्नक :–

1. आवेदक जलाशय मत्स्यजीवी सहयोग समिति के सदस्य हो।
2. सदस्यता प्रमाण पत्र संलग्न करें।
3. केज मत्स्य पालक हो। (जहॉ लागू हो)
4. केज पालक के लिए विगत वर्ष का केज मत्स्य उत्पादन का आँकड़ा।
5. समिति का प्रस्ताव ।
6. पूर्व में नाव योजना से लाभान्वित न होने की नोटरी घोषणा पत्र।

उपर्युक्त योजनान्तर्गत सुयोग्य आवेदकों से आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 05.08.2025 समय 5:00 बजे अप0 तक निर्धारित की जाती है एवं इससे संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस में जिला मत्स्य कार्यालय, गिरिडीह के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है। विहित आवेदन जिला मत्स्य कार्यालय, गिरिडीह में निश्शुल्क प्राप्त किया जा सकता है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गिरिडीह

PR 356752 Fish(25-26)#D

कार्यालय, जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गिरिडीह

E-Mail- dfogiridih00@gmail.com

आवश्यक सूचना

अनुदान पर फ्लोटिंग फिश फीड

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) झारखण्ड, रॉची के राज्यादेश सं0 10 दिनांक 04.07.2025 के आलोक में Umbrella Scheme अंतर्गत तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार के अतिरिक्त फीड बेस्ड फिशरीज योजनान्तर्गत गिरिडीह जिले के मत्स्य कषकों/केज लाभुकों/मछुआरों को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में मछली के संवर्धन हेतु 50 प्रतिशत् अथवा 25/– रू0 प्रति किलोग्राम अधिकतम अनुदान पर कम से कम 24 प्रतिशत् प्रोटिन गुणवत्तायुक्त फिश फीड उपलब्ध कराया जायेगा। फीड हेतु देय अनुदान Size Wise निम्नवत् होगा–

क्र0 सं0	फीड का आकार	फीड Limit (कृषकों के लिए अधिकतम) (Kg में)	अनुदान की प्रतिशत/राशि	अभ्युक्ति
1.	2mm अथवा उससे छोटे साईज	700 Kg	25 रू0 प्रति किलोग्राम अधिकतम 17,500/–	खुले बाजार से क्रय।
2.	2mm से 4mm तक	1500 Kg	25 रू0 प्रति किलोग्राम अधिकतम 37,500/–	खुले बाजार से क्रय। दूसरे Crop से मछली उत्पादन हेतु।
a-	Upto 4mm	650 Kg प्रति टैंक RAS	25 रू0 प्रति किलोग्राम अधिकतम 16,250/–	खुले बाजार से क्रय। दूसरे Crop से मछली उत्पादन हेतु।
b-	Upto 4mm	50 Kg प्रति टैंक Biofloc	25 रू0 प्रति किलोग्राम अधिकतम 1,250/–	खुले बाजार से क्रय। दूसरे Crop से मछली उत्पादन हेतु।
c-	Upto 4mm	1500 Kg Biofloc Pond	25 रू0 प्रति किलोग्राम अधिकतम 37,500/–	खुले बाजार से क्रय। दूसरे Crop से मछली उत्पादन हेतु।
3.	2mm से 4mm तक	–	50% अथवा 25 रू0 प्रति किलोग्राम	झास्कोफिश से उत्पादित फीड

➢ लाभुक द्वारा 2MM अथवा इससे छोटे साईज के फैक्ट्री उत्पादित फलोटिंग फीड के क्रय की GST billing के साथ समर्पित करने के उपरांत ही अनुदान की राशि देय होगा। GST billing के बिना किसी भी लाभुक के खाते में राशि डी0बी0टी0 नहीं की जाएगी। 2MM अथवा इससे छोटे साईज के फैक्ट्री उत्पादित फलोटिंग फीड का क्रय किसी भी मान्यता प्राप्त अधिकृत बिक्रेता से किया जा सकता है।

उपरोक्त के आलोक में गिरिडीह जिले के मत्स्य कषकों से दिनांक 05.08.2025 तक आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन प्रपत्र जिला मत्स्य कार्यालय, गिरिडीह में निःशुल्क उपलब्ध है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गिरिडीह।

PR.NO.356747 Fish(25-26):D

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक/विधुत/पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई–निविदा संख्या : TRD-OT-16-VBH-ABH-25-26.

1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : Dhanbad - Upgradation of maintenance facility at pit no. 1 in coaching Depot DHN for maintenance of Vande Bharat and Amrit Bharat. कार्य समापन की अवधि – (06) छः माह। 2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि : ₹32,41,548.85 निविदा प्रपत्र का मुल्य – शून्य। 3. बीड सिक्युरिटि : ₹64,900/–, 4. ई–निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय : ई–निविदा बंद होने की तिथि 29.07.2025 को 11:00 बजे। ई–निविदा खुलने की तिथि 29.07.2025 को 11:30 बजे। 5. वेबसाईट का विवरण : वेबसाईट : www.ireps.gov.in ई–निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

मंडल रेल प्रबंधक/क.वि./
पूमरे/धनबाद

पीआर/0553/डीएचएन/टीआरडी/टी/25–26/32

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

मां केवल जन्मदात्री नहीं, बल्कि हमारी चेतना, संस्कार और संवेदना की आधारशिला होती हैं : राकेश प्रसाद

दुमकाःभारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे पर्यावरण संरक्षण एवं मातृत्व सम्मान के संयुक्त संकल्प एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत मंगलवार को सरस्वती शिशु मंदिर, दुमका परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद ने विशेष रूप से भाग लिया और अपनी पूज्य माता के नाम पर एक पौधा रोपकर भावनात्मक श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रसाद ने कहा कि मां केवल जन्मदात्री नहीं, बल्कि हमारी चेतना, संस्कार और संवेदना की आधारशिला होती हैं। एक वृक्ष मां के नाम पर लगाना न केवल पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी है, बल्कि यह मां के प्रति प्रेम, आभार और सम्मान की जीवंत अभिव्यक्ति भी है।जिला अध्यक्ष गौरव कांत ने कहा कि भाजपा न केवल राजनीतिक दल है, बल्कि यह सामाजिक चेतना और राष्ट्रीय कर्तव्यबोध की भावना से प्रेरित एक सेवा संगठन है। इस अभियान से हम भावी पीढ़ियों के लिए हरित झारखंड की नींव रख रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों से अपील की गई कि वे अपने-अपने घरों एवं मोहल्लों में भी पेड़ मां के नाम के तहत वृक्षारोपण कर इस अभियान को जन-आंदोलन में परिवर्तित करें।कार्यक्रम में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य निवास मंडल, परितोष सोरेन, डॉ अंजुला मुर्मू, जिला महामंत्री डॉ पवन केसरी, मार्शल ऋषिराज टुडू, बबलू मंडल, गुंजन मरांडी, रूपेश मंडल, श्रीधर दास, मृणाल मिश्रा, बिमल मरांडी, ओम केसरी, दिनेश सिंह, नीतू झा, विद्यालय के प्राचार्य विमलेश आचार्य, रमाकांत, विकास, कैलाश आलोक सहित अनेक छात्र- छात्राएं एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

बीसीसीएल में एमडीओ मॉडल के तहत पुनर्जीवित की जा रही बंद पड़ी खदानें

पीबी प्रोजेक्ट एमडीओ खदान बनी पूरे कोल इंडिया में कोयला उत्पादन शुरु करने वाली पहली एमडीओ परियोजना

धनबाद । "आत्मनिर्भर भारत" के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विज़न को साकार करते हुए, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने अपनी वर्षों से बंद पड़ी पीबी परियोजना को माइन डेवलपर एंड ऑपरेटर (एमडीओ) मॉडल के तहत पुनः चालू कर कोयला उत्पादन प्रारंभ किया है। यह बीसीसीएल ही नहीं, बल्कि संपूर्ण कोल इंडिया लिमिटेड की पहली एमडीओ परियोजना है, जिसने उत्पादन शुरू कर दिया है। यह परियोजना ईगल इंफ्रा इंडिया लिमिटेड को 25 वर्षों के लिए सौंपी गई है, जिसके तहत 2.7 मिलियन टन की उच्चतम वार्षिक क्षमता (पीआरसी) के साथ कुल 52 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया जाएगा, जिसमें मुख्य रूप से कोकिंग कोल होगा, जो देश की इस्पात और अवसंरचना उद्योग के लिए अत्यंत आवश्यक है।

इस पहल का उद्देश्य है

• निजी क्षेत्र की दक्षता से परित्यक्त खदानों का पुनर्जीवन,• आयात पर निर्भरता में कमी, घरेलू कोकिंग कोल आपूर्ति में वृद्धि • उन्नत खनन तकनीकों और आधुनिक कार्यप्रणालियों का समावेश,• कोयला क्षेत्रों में रोज़गार सृजन और आर्थिक विकास

राजस्व साझेदारी मॉडल के तहत बीसीसीएल को सकल आय का 6% हिस्सा प्राप्त होगा, जो सार्वजनिक-निजी भागीदारी में पारदर्शिता और स्थायित्व की दिशा में एक मजबूत कदम है।

इस अवसर पर कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन श्री पी. एम. प्रसाद ने वर्चुअली कार्यक्रम में भाग लिया और इसे "भारतीय कोयला क्षेत्र के लिए एक पथप्रदर्शक कदम" करार दिया। उन्होंने कहा-"यह सिर्फ खदान शुरू करने की बात नहीं है, बल्कि यह हमारे अतीत की चुनौतियों को अवसरों में बदलने, समुदायों को सशक्त करने और आत्मनिर्भर भारत की नींव को मजबूत करने का संकल्प है।"

इस ऐतिहासिक आयोजन में श्री समीरन दत्ता, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, बीसीसीएल; श्री मुरली कृष्ण रमैय्या, निदेशक (मानव संसाधन); श्री संजय कुमार सिंह, निदेशक (तकनीकी) संचालन; श्री मनोज कुमार अग्रवाल, निदेशक (तकनीकी) परियोजना एवं योजना, तथा ईगल इंफ्रा प्रा. लि. के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

श्री समीरन दत्ता ने इस अवसर पर कोयला मंत्रालय, कोल इंडिया लिमिटेड, और सभी हितधारकों को उनके सतत सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि कोयला एवं खनन मंत्री माननीय श्री जी. किशन रेड्डी, राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे, तथा कोयला मंत्रालय के सचिव श्री विक्रम देव दत्त के मार्गदर्शन से संभव हुई है। उन्होंने "मिशन कोकिंग कोल" और सतत खनन जैसे राष्ट्रीय लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि यह पहल दिखाती है कि कैसे विरासत में मिली चुनौतियां, दूरदर्शी नीति और प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से राष्ट्रहित के काम आ सकती हैं।

डॉ. आलोक विश्वकर्मा बने धनबाद के सिविल सर्जन

धनबाद, डॉ० आलोक विश्वकर्मा धनबाद के नए सिविल सर्जन बनाए गए हैं। इससे पहले डॉ० विश्वकर्मा सदर अस्पताल जामताड़ा में उपाधीक्षक के पद पर पदस्थापित थे। वर्ष 2023 में भी वे धनबाद के सिविल सर्जन रहे हैं।

वहीं धनबाद के निवर्तमान सिविल सर्जन डॉ० चंद्र भानु प्रतापन को रांची में जोनल मलेरिया पदाधिकारी के पद पर पदस्थापित किया गया है। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग ने इस आशय की अधीसूचना जारी की है।

बुधवार को सदर अस्पताल के मेडिसिन में रहेंगे डॉ पीपी पांडेय, न्यूरो में डॉ. मनोज कुमार

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन के निर्देश पर बुधवार को सदर अस्पताल में मौजूद रहने वाले चिकित्सकों की सूची जारी की गई है। बुधवार को मेडिसिन में डॉ० पीपी पाण्डेय और डॉ शीला कुमारी मौजूद रहेंगे। जबकि हड्डी रोग में डॉ० मुकेश प्रसाद, सर्जरी में डॉ० संजीव गोलॉश, नेत्र में डॉ० गोलू पीनाज, दंत रोग में डॉ० अनुपमा, शिशु रोग में डॉ० पल्लवी सिंह, न्यूरो रोग में डॉ० मनोज कुमार तथा स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में डॉ० सुमन कुमारी रहेंगे। गायनी इमर्जेंसी में सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक डॉ रूमा प्रसाद, दोपहर 2 बजे से रात 8 बजे तक डॉ० अपूर्वा दत्ता तथा रात 8 बजे से गुरुवार की सुबह 8 बजे तक डॉ० अंजना कुमारी रहेंगे। वहीं जेनरल इमर्जेंसी में दोपहर 3 बजे से रात 9 बजे तक डॉ एम, आलम तथा रात 9 बजे से गुरुवार सुबह 9 बजे तक डॉ० राकेश रंजन रहेंगे।

बीएलओ व सुपरवाइज़रों के लिए विशेष गहन पुनरिक्षण का प्रशिक्षण प्रारंभ

धनबाद ।40, धनबाद, विधानसभा के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी, राजेश कुमार की अध्यक्षता में आज अनुमंडल कार्यालय, पुराना समाहरणाल के सभागार में बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजरों का विशेष गहन पुनरिक्षण स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के तहत प्रशिक्षण प्रारम्भ हुआ।

प्रशिक्षण में उप निर्वाचन पदाधिकारी कालीदास मुण्डा ने बीएलओ के कार्यों एवं कर्त्तव्यों पर विशेष प्रकाश डाला। जबकि धनबाद विस के एईआरओ सह अंचल अधिकारी, शशि कांत सिंकर ने 11 दस्तावेज के बारे में बताया। वहीं एईआरओ, रविन्द्र नाथ ठाकुर ने बूथ अवेयरनेस ग्रुप एवं दावा आपत्ति से जुड़े सभी फॉर्म भरने की जानकारी दी।

वहीं प्रशिक्षक के रूप में श्री राजकुमार वर्मा, सतीश कुमार राय, राजेश चंद साहनी, बिनोद कुमार as मौजूद रहे। सहयोग के रूप में अनुमंडल कार्यालय के सादिक, सजल, नीरज, ज्योति आदि मौजूद थे।

अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि यह प्रशिक्षण 17 जुलाई तक जारी रहेगा। इसमें धनबाद विधानसभा के सभी बीएलओ को 50 - 50 के बैच में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

बीसीसीएल द्वारा 'राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस' के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में चिकित्सकों को किया गया सम्मानित

धनबाद । भारत कोकिंग कोल लिमिटेड द्वारा राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर आयोजित सप्ताहव्यापी कार्यक्रमों की श्रृंखला का समापन कल देर शाम आयोजित एक भव्य सम्मान समारोह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सेंट्रल हॉस्पिटल (सीएचडी) और सभी क्षेत्रीय अस्पतालों के चिकित्सकों को उनकी उत्कृष्ट सेवा, समर्पण एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

बता दे कि राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर 01 जुलाई से बीसीसीएल के सभी चिकित्सा केंद्रों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया था, जिसका उद्देश्य चिकित्सकों के निःस्वार्थ सेवा भाव और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का सम्मान करना था। चिकित्सा पेशे में लगे कर्मठ चिकित्सकों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने हेतु एक मंच के रूप में सप्ताह के समापन पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सीएमडी समीरन दत्ता, निदेशक (मानव संसाधन) श्री मुरली कृष्ण रमैया तथा निदेशक (योजना एवं परियोजना) श्री मनोज कुमार अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। दीक्षा महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मिली दत्ता, उपाध्यक्ष श्रीमती पूर्बिता रमैया, श्रीमती नमिता सहाय, श्रीमती अर्चना अग्रवाल एवं डॉ. नेहा दास भी कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। सेंट्रल हॉस्पिटल की मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. वंदना ठाकुर सहित सभी क्षेत्रीय चिकित्सा अधिकारियों, वरिष्ठ चिकित्सकों, क्षेत्रीय चिकित्सा अधिकारियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं पुष्पगुच्छ अर्पण के पश्चात संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन से हुआ। अपने अध्यक्षीय संबोधन में सीएमडी श्री समीरन दत्ता ने चिकित्सकों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि चिकित्सा सेवा सामाजिक जागरूकता और संवेदनशीलता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बीसीसीएल को यह गौरव प्राप्त है कि उसके पास ऐसे चिकित्सक हैं जो हर परिस्थिति में अपने उत्तरदायित्वों का निष्ठा से निर्वहन करते हैं। वहीं उन्होंने उल्लेख किया कि बीसीसीएल का केन्द्रीय अस्पताल निरंतर अपग्रेड किया जा रहा है। आने वाले समय में अस्पताल का संपूर्ण भवन की मरम्मत और उन्नयन का कार्य किया जाएगा। इसका औपचारिक अनुमोदन हो चुका है। सीएचडी कोल इंडिया के सर्वोत्तम अस्पतालों में से एक है।

निदेशक (मानव संसाधन) श्री मुरली कृष्ण रमैया ने कहा कि बीसीसीएल के चिकित्सकों ने सेवा और संवेदना के उच्चतम मानकों को कायम रखा है। निदेशक (योजना एवं परियोजना) श्री मनोज कुमार अग्रवाल ने भी कहा कि डॉक्टर समाज में विश्वास और आशा के संवाहक होते हैं, और बीसीसीएल के चिकित्सा विभाग ने यह भूमिका हर परिस्थिति में निभाई है।

इस दौरान सीएमडी एवं निदेशकद्वय तथा दीक्षा महिला मंडल की सदस्यों ने केंद्रीय अस्पताल के विभागाध्यक्षों तथा सभी क्षेत्रीय अस्पतालों के क्षेत्रीय चिकित्सा अधिकारियों को स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में डॉ. विनीता वर्मा ने स्वागत वक्तव्य दिया औ धन्यवाद ज्ञापन सीएमओ प्रभारी डॉ वंदना ठाकुर ने किया और मंच-संचालन डॉ. केका मुखर्जी ने किया।

कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ होती हैं : के. लक्ष्मा रेड्डी

धनबाद, भारतीय मजदूर संघ ऐसा श्रम संगठन है, जिसका कार्य शून्य से प्रारंभ हुआ और अपनी स्पष्ट नीति की बजह से आज देश ही नहीं, बल्कि विदेश में भी सबसे बड़ा श्रमिक संगठन है 1 जिसमें कार्यकर्ताओं को प्राथमिक्ता दिया जाता है 1 उक्त बातें दिनांक 8 जुलाई मंगलवार को धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ द्वारा आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में के. लक्ष्मा रेड्डी कोल उद्योग प्रभारी सह स्थाई सुरक्षा समिति सदस्य भारत सरकार ने कही।उन्होने कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुये कहा कि यदि सच्ची लगन एवं कुछ करने का जज्बा हो तो मुश्किल से मुश्किल राह भी आसान हो जाता है 1 क्योकिं कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ होती है। तमाम झंझावतो का सामना करते हुए आज कार्यकर्ता के कारण ही भारतीय मजदूर संघ ने श्रमिक संगठनों के क्षेत्र में शून्य से शिखर तक का जो सफर तय किया है, संघ के एक एक समर्पित निष्ठावान कार्यकर्ताओं का निस्वार्थ भाव से काम करने का फल है ।क्योकिं अन्य केंद्रीय श्रम संगठनों को पीछे छोड़ते हुए कार्यकर्ताओं के बल पर देश का नंबर एक संगठन बना है और अतंरराष्ट्रीय श्रम संगठन,,आई. एल.ओ. में भी प्रतिनिधित्व मिला है। राजनैतिक पार्टी में जुड़े न रहने के बावजूद हमेशा स्वदेशी विचारधारा को अपनाया 1 साथ ही राष्ट्र, उद्योग, और मजदूर हित की सर्वोपरि मानकर जो अपना सफर शुरू किया फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा और शून्य से शिखर तक पहुंच गया अपने देश में श्रमिक संगठनों का इतिहास लगभग सैकड़ों वर्ष पुराना है एक देश का सबसे पुराना संगठन है। भारतीय मजदूर संघ हमेसा संगठित के साथ-साथ असंगठित मजदूरों के साथ खड़ा था और आगे भी कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा1 इन्होंने सामाजिक सुरक्षा पर जोर दिया कहा की यदि समय रहते कोल प्रबंधन नही चेतती है तो हम सभी को लंबी लड़ाई लड़ने को संघ बाध्य होगा। उन्होंने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दिनांक 9 जुलाई 2025 को अन्य श्रम संगठनों द्वारा हड़ताल की घोषणा की गई है 1 जिसमें भारतीय मजदूर संघ अपने आप को पूरी तरह से अलग रखा है 1 कोयला में काम करने वाले श्रमिकों को आवाहन करते हुए कहा कि कल के बुनियादी हड़ताल में न जाए और पूर्व की तरह अपना योगदान देकर राष्ट्र हित और उधोग हित में सहयोग करें, क्योंकि हड़ताल पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष, सह केन्द्रीय सलाहकार समिति सदस्य बीसीसीएल मुरारी तांतीं एवं संचालन संघ के महामंत्री सह कोल इंडिया सुरक्षा बोर्ड सदस्य सह एपेक्स सुरक्षा समिति सदस्य बीसीसीएल उमेश कुमार सिंह ने किया।कार्यकर्ता सम्मेलन में संजय चौधरी अध्यक्ष अ.भा.ख.म.संघ, के. के. सिंह मंत्री अ.भा.ख.म.संघ, धर्मजीत चौधरी, मंत्री भामसंघ धनबाद जिला सह महामंत्री भ.नि. एवं अन्य सन्निर्माण कामगार यूनियन भामसंघ झारखण्ड प्रदेश, माधव सिंह कार्यसमिति सदस्य सह प्रभारी बीसीसीएल, ईसीएल एवं सीएमपीएफ, ओम कुमार सिंह कार्यसमिति सदस्य, भामसंघ झा. प्रदेश सह सदस्य, सुशील कुमार सिंह कार्यसमिति सदस्य भामसंघ झा. प्रदेश के साथ-साथ धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ के पदाधिकारी मुरारी ताँती, रामधारी, मोहनलाल महतो मंतोष तिवारी,भौमिक महतो, अरिंजय श्रीवास्तव, एसके मिश्रा, उमेश कुमार सिंह, नवनीत कुमार सिंह, संजीव सिंह, रामनाथ गोप, लोकेश कुमार सिंह, राज लाल यादव, मोहनलाल महतो, दिलीप कुमार चंद्रवंशी, प्रशांत नियोगी, राघवेंद्र नारायण पांडे, चंद्रशेखर राय, शिव शंकर पांडे, जय श्री बारा, उषा झा, सलाखा पाल, ज्ञान राठौर सहित क्षेत्र से देवनाथ चौहान, नंदू राम दुसाध, अजय कुमार सिंह, उत्तम कुमार पांडे, फूलचंद दसौंधी, सुशील कुमार सिंह, रंजीत महतो, शिव शंकर गुप्ता, संजीव कुमार यादव, कुंदन कुमार चौहान, सत्यनारायण यादव, तारकेश्वर सिंह, बीएन झा, परमानंद यादव, काली पद,महतो, ओम प्रकाश ओझा, ईस्माइल मलिक, ललित नारायण प्रसाद, सुभाष चंद्र तिवारी, प्रकाश बाउरी, चंदन कुमार सिंह, अवधेश प्रसाद, सुमंत सिंह, समीर नियोगी, ठाकुर प्रसाद महतो, संजय शर्मा रंजीत कुमार महतो, देवाशीष मोदी, महेश कुमार ताती, संतोष कुमार सिंह, अनिल कुमार सहित, कृष्ण कन्हैया सहित क्षेत्र एवं शाखों से सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे।

धनबाद की खुशबू चौरसिया ने साउथ इंडिया वूमेंस अचीवर्स अवार्ड 2025 हासिल कर धनबाद समेत झारखंड का नाम रोशन की

धनबाद 6 जुलाई को चेन्नई में आयोजित शिवाअवार्ड 2025 के भव्य कार्यक्रम में यह पुरस्कार धनबाद की बेटी खुशबू चौरसिया को साउथ इंडिया वूमेंस अचीवर्स अवार्ड 2025 प्रदान किया गया। ज्ञात हो कि साउथ इंडिया वूमेनस अचीवर्स अवार्ड साउथ का सबसे बड़ा प्लेटफार्म है। इस समारोह में समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षाविद, व्यवसाई, आदि का चुनाव किया जाता हैं।साऊथ में इस बार लगभग पचास हजार समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वालो के लिस्ट में फ़ाइनल दौर में बेंगलोर, हैदराबाद, विशाखापट्टनम, चेन्नई से केवल 300 लोगों का ही चुनाव किया गया। जिसमें शिक्षाविद के रूप में खुशबू चौरसिया का नाम शामिल था। खुशबू चौरसिया के पति चेन्नई, कलपक्कम में साइंटिस्ट के पद पर कार्यरत हैं 1 विदित हो की खुशबू चौरसिया को हाल ही में नेशनल टैलेंट अवार्ड 2025 से भी नवाजा गया था। खुशबू चौरसिया द्वारा किये जा रहे कार्य से परिवार व समाज के लोगो ने भूरी भूरी प्रशंसा कर बधाई दी 1 इनके पिता आर एन चौरसिया, धनबाद में एक प्रतिष्ठित, दैनिक समाचार पत्र में ब्यूरो चीफ के पद पर कार्यरत हैं।

रेल लाइन पार करते समय हादसे का शिकार हुआ आउटसोर्सिंग कर्मी, हालत नाज़ुक

मालगाड़ी की चपेट में आकर दोनों पैर और एक हाथ हुआ क्षतिग्रस्त, आईसीयू में भर्ती,

लोयाबाद। डीसी रेलवे लाइन पर मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे में एक आउटसोर्सिंग कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना शाम करीब 4 बजे की है, जब बाँसजोड़ा रेलवे स्टेशन से पूरब दिशा में पोल संख्या 7/28 के पास खड़ी मालगाड़ी के बीच से रेलवे लाइन पार करने की कोशिश कर रहे नमन झा मालगाड़ी की चपेट में आ गए।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही नमन खड़ी मालगाड़ी पर चढ़कर दूसरी ओर जाने का प्रयास कर रहे थे, तभी मालगाड़ी अचानक चल पड़ी और वह उसके नीचे आ गए। इस दुर्घटना में उनके दोनों पैर और एक हाथ कट गया। 30 वर्षीय नमन, बिहार के समस्तीपुर जिला निवासी के हैं और बाँसजोड़ा में डेको कंपनी में बतौर मेकैनिकल हेल्पर के रूप में कार्यरत थे। वे कंपनी के कैंपस में ही रहते थे। घटना के बाद साथियों द्वारा उन्हें तत्काल असर्फी अस्पताल पहुँचाया गया, जहाँ उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। उन्हें गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में भर्ती कराया गया है।डेको कंपनी के इंजीनियर एसएस पांजा ने बताया, "नमन की हालत गंभीर है। वे अभी आईसीयू में हैं। अभी कुछ भी निश्चित रूप से कहना मुश्किल है। डॉक्टर निगरानी में रखे हुए हैं।" यह हादसा न केवल सुरक्षा मानकों पर सवाल उठाता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि रेल पटरियों पर काम कर रहे कर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण और सावधानी बरतने की सख्त जरूरत है

कल्याण पदाधिकारी ने सुनी आमजनों की समस्या

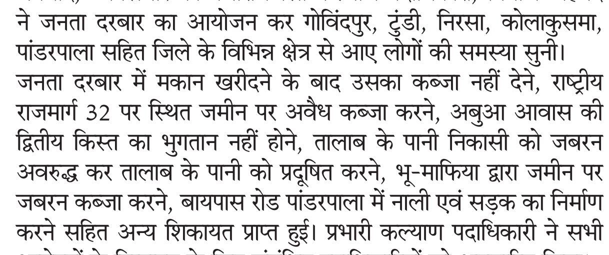

धनबाद, मंगलवार को प्रभारी जिला कल्याण पदाधिकारी, नियाज अहमद ने जनता दरबार का आयोजन कर गोविंदपुर, टुंडी, निरसा, कोलाकुसमा, पांडरपाला सहित जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए लोगों की समस्या सुनी।

जनता दरबार में मकान खरीदने के बाद उसका कब्जा नहीं देने, राष्ट्रीय राजमार्ग 32 पर स्थित जमीन पर अवैध कब्जा करने, अबुआ आवास की द्वितीय किस्त का भुगतान नहीं होने, तालाब के पानी निकासी को जबरन अवरुद्ध कर तालाब के पानी को प्रदूषित करने, भू-माफिया द्वारा जमीन पर जबरन कब्जा करने, बायपास रोड पांडरपाला में नाली एवं सड़क का निर्माण करने सहित अन्य शिकायत प्राप्त हुई। प्रभारी कल्याण पदाधिकारी ने सभी आवेदनों के निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारियों को अग्रसारित किया।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ▶समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।